

प्रााधकार स प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 321

नई दिल्ली, शनिवार, अगस्त 9, 1980 (श्रावण 18, 1902)

No. 32]

NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 9, 1980 (SRAVANA 18, 1902)

इस भाग में भिन्न पूष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग 111- खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियन्त्र ह और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेज विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं [Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा प्रायोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 16 जून 1980

सं० पी०/1744-प्रणा०-II---राष्ट्रीय प्राधुनिक कला संग्रहालय में डिप्टी कीपर के पद पर उनके चयन हो जाने के
परिणामस्वरूप श्री. बद किरण, स्थायी श्रनुसंधान सहायक
(हिन्दी), जना इस समय तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न रूप
कारत कनिष्ठ श्रनुसंधान ग्राधिकारी (हिन्दी) को
-6-6-1980 (पूर्वाह्न) में संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय से
रूप श्रनुदेण के साथ कार्यभार मुक्त किया जाता है कि वह
निदेशक, राष्ट्रीय श्राधुनिक कला संग्रहालय, जयपुर हाउम,
नई दिल्ली में तत्काल ड्यूटी पर रिपोर्ट करें।

एस० बालचन्द्रन अवर सचिव कृते सचिव संघ लोक सेवा आयोग नई दिल्ली-110011, दिनांक 3 जुलाई 1980

सं० ए० 32014/3/79-प्रणा०-I--संघ लोक सेवा द्यायोग के संवर्ग में निम्नलिखित विष्ठ वैयवितक सहायकों (के० सं० स्टे० से० का ग्रेड ख को राष्ट्रपति द्वारा उनके नामों के सामने निर्विष्ट तारीख से अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उसी संवर्ग में पूर्णतः अंतिम, अस्थाई और तदर्थ आधार पर निजी सचिव के० सं० स्टे० से० का ग्रेड क के पद पर स्थानान का से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है:-

%म _:	नाम	स्रवधि			
सं० 					
1. প্র	। जोगिन्दर सिंह	27-6-80	से	26-8-80	तक
2 अ	ार० एल० ठाक ^{ुर}	20-6-80	से	19-8-80	तक

दिनांक 5 जुलाई, 1980

सं० ए० 32014/1/80-प्रशा०-I--संघ लोक सेवा श्रायोग के संवर्ग में निम्नलिखित वैयिक्सिक सहायकों (के० स० स्टे० से० का ग्रेड ग) को, जो इस समय स्टेनोग्राफर ग्रेड ग के चयन ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य कर रहे हैं, राष्ट्रपति द्वारा उन्हें उनके नामों के सामने निर्दिष्ट श्रविध के लिए श्रथवा श्रागामी आदेशों सक, जो भी पहले हो, पूर्णतः श्रंतिम ग्रस्थायी श्रौर तदर्भ श्राधार पर उसी संवर्ग में विष्ठ वैयिक्तिक सहायक (के० स० स्टे० से० का ग्रेड ख) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया ा है:---

क्रम नाम **प्रवधि** सं० 1. श्रीजनिन्द्र लाल 1-7-80 से 26-8-80 नक

2. श्री टी॰ आए० शर्मा

से की गई है।

2. उपर्युक्त व्यक्ति नीट कर लें कि वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टे॰ से० का गेड ख) के पद पर उनकी नियुवित पूर्णतः प्रस्थायी श्रीर तदर्भ श्राधार गर है श्रीर उन्हें के० स० स्टे॰ से० का ग्रेड ख में विलियन का अथदा उक्त ग्रेड में बरिष्ठता का कोई हक नहीं मिलेगा। उनके नामों के सामने निर्दिष्ट श्राथध के लिए के० स० स्टे॰ से० का ग्रेड ख में तदर्थ

नियुक्ति कार्मिक तथा प्रणासनिक सुधार विभाग के प्रनुमोदन

27-6-80 से

एस० बालचन्द्र श्रवरसचिव संघलोकसेवा श्रायोग

19-8-80 तक

केन्द्रीय सतर्कता श्रायोग नईदिल्ली,दिनांक 19 जुलाई 1980

सं० 9 ध्रार० सी० टी० 21—निदेशक, केन्द्रीय सतर्कता ध्रामोग एतद्धारा श्री मांगे लाल, स्थाई सहायक को 16 जुलाई 1980 से 13 ध्रक्तूबर, 1980 तक या ग्रगले घादेश तक जो भी पहले हो स्थानापन्न रूप से ग्रनुभाग ग्रिधिकारी नियुक्त करते हैं।

कृष्ण लाल मल्होत्ना श्रवर सचिव कृते निदेशक, केन्द्रीय सतर्कता ग्रायोग

गृह मंद्रालय

नई दिल्ली-110001, दिनांक 18 जुलाई 1980

सं 14029/12/80 एनं ई०-II--- इस मंत्रालय के तारीख 8 मई, 1980 की ग्रधिसूचना संख्या III-14029/

36/79-एन० ई०-II के क्रम में राष्ट्रपति उत्तर पूर्वी परिषद सिनवालय, शिलांग में श्री एच० गृहा की सलाहकार (पशु-पालन) के रूप में तदर्थ श्राधार पर नियुक्ति की श्रवधि की वर्तमान गतों पर 31 दिसम्बर, 1980 तक या जब तक यह पद नियम के श्रनुसार भरा जाता है, जो भी पहले हो, बढ़ाते हैं।

मदन झा निदेणक (एन० ई०-II)

कर्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यरो नई दिल्ली, दिनांक 16 जुलाई 1980

सं० ए० 19020/1/80-प्रशासन-5---राष्ट्रपति, अपने प्रसाद से श्री सवानन्द सिन्हा (भारतीय पुलिम सेवा-1956-उड़ीसा) की दिनांक 26-6-80 के पूर्वाह्न से श्रगले ब्रादेश तक के लिए केन्द्रीय ध्रन्वेषण ब्यूरो में पुलिस उप-महानिरीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-19021/4/80-प्रशा०-5---राष्ट्रपति, श्रपने प्रसाद से श्री एस० के० चटर्जी, भारतीय पुलिस सेवा/उड़ीसा-1964 को दिनांक 12-5-80 के श्रपराह्न से श्रगले श्रादेश तक के लिए केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरों में पुलिस श्रधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 17 जुलाई 1980

सं० ए०-22013/1/80-प्रशासन-2--श्री मोहन लाल गुर-सहानी, ग्रेड-"ए" (केन्द्रीय सचिवालय श्राशुलिपिक सेवा) श्राशु-लिपिक की सेवाएं दिनांक 16-7-80 के श्रपराह्म से गृह मंत्रालय को सौंपी जानी हैं।

> की० ला० ग्रोवर, प्रणासनिक ग्रधिकारी (स्था०) केन्द्रीय० ग्रन्वेषण० ब्य्रो

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस अक नई दिल्ली-110001, दिनांक 14 जुलाई 1986

सं० ग्रों०-II-1466/80-स्थापना---राष्ट्रपित, श्री डीं० एनः मिश्रा, उड़ीसा संवर्ग के भारतीय पुलिस सेवा ग्रिधकारी को केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में उनकी प्रति नियुवित पर महा-निरीक्षक के पद पर नियुक्त करके हैं।

2. श्री मिश्रा ने केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के महा-निरीक्षक सेक्टर-2 कलकत्ता के पद का कार्यभार दिन क 19 जून 1980 के पूर्वाह्म से संभाला।

> के० म्नार० के० प्रसाद सहायक निदेशक (प्रशासन)

महानिरीक्षक का कार्यालय केन्द्रीय भौद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110019, दिनांक 4 जून 1980

सं० ई० 32015 (3) / 1 / 73-कार्मिक---कें० ग्री० सु० ब० का उप महानिरीक्षक (ग्राग्न) नियुक्त होने पर श्री बलराज मेहता ने 19 जून, 1980 के ग्रपराह्म से ग्राग्न सलाहकार/ के० ग्री० सु० ब० नई दिल्ली के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 5 जून 1980

सं० ई०-38013(3)/23/79-कार्मिक—स्थानांतरित होने पर श्री एन० रामदास ने 20 मई, 1980 के श्रपराह्म से प्रशिक्षण रिजर्व (दक्षिण क्षेत्र), मद्रास पोर्ट ट्रस्ट, मद्रास के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 9 जून 1980

सं० ई०-38013(3)/9/80-कार्मिक---बम्बई में स्था-नांतरित होने पर श्री जी० एन० जुल्ली ने 11 जून, 1980 के भ्रपराह्म से के० भ्रौ० सु० ब० मुख्यालय नई दिल्ली के सक्षायक कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 5 जुलाई 1980

सं० ६०-32015(1)/1/80-कार्मिक — निर्वतन की आयु होने पर, श्री बलराज मेहता ने दिनांक 30 जून, 1980 के अपराह्म से के० भ्रौ सु० ब० मुख्यालय, नई दिल्ली के उप महानिरीक्षक (अगिन) के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 11, जुलाई 1980

सं ० ६०-38013(3)/9/80-कार्मिक--भिलाई को स्था-नातिरित होने पर श्री सी० एस० वरदाराजा ने 17 जून, 1980 के अपराह्म से के० औ० सु० ब० यूनिट एम० पी० टी० मजास के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ६०-38013(2)/1/80-कार्मिक—दुर्गापुर को स्था-नांतरित होने पर श्री एस० के० चटर्जी ने 23 जून, 1980 के श्रपराह्म से के० श्री० सु० व० यूनिट फरक्का बांध परियोजना फरक्का के कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ६०-38013 (3)/9/80-क्शामिक—भिलाई को स्था-मांतरित होने पर श्री ए० एस० भट्टी ने 19 जून, 1980 के ग्रपराह्म से के० श्री० सु० ब० यूनिट श्रार० सी० एण्ड एफ० दाम्बे के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई०-38013 (3)/9/80-कार्मिक—-तुली (नागालैण्ड) को स्थानांतरित होने पर श्री के० एस० मिनहास ने 21 जून, 1980 के श्रपराह्म से के० श्री० सु० ब० यूनिट, एफ० सी० श्राई० सिद्री स्थित के० श्री० मु० ब० प्रशिक्षण रिजर्व के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं ० ई०-38013 (3)/9/80-कार्मिक—के ० ग्रौ० सु० ब० मुख्यालय नई विल्ली से स्थानांतरित होने पर श्री जी० एन० मुन्ना ने 23 जून, 1980 के पूर्वाह्म से के० क्री० सु० ब० यूनिट श्रार० सी० तथा एफ० ट्राम्बे के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई०-38013 (3)/9/80-कार्मिक--फरक्का से स्था-नांतरित होने पर श्री एस० के० ताह ने, श्री शिवराज सिंह के स्थान पर 24 जून, 1980 के ग्रपराह्म से के० ग्री० सु० ब० यूनिट कलकला पोर्ट ट्रस्ट, कलकला के सहायक कमाडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया ग्रीर देवास में स्थानांतरित होने पर श्री शिवराज सिंह ने उसी तारीख से उक्त पढ का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई०-38013 (3)/9/80-कार्मिक--दुर्गापुर से स्था-नांतरित होने पर श्री यू० पी० बेहरा ने 26 जूम, 1980 के अपराक्षि से के० औ० सु० व० यूनिट पारादीप पोर्ट ट्रस्ट के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई०-32015 (1)/3/77-कार्मिक---निवर्तन की आयु होने तथा पुनर्नियुक्ति की अविधि समाप्त होने पर, कर्नल बी० छी० भनोत ने 24 जून, 1980 के अपराज्ञ से के० औ० सु० ब० यूनिट एन० एफ० एस० नया मांगल के कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ६०-16013 (1)/1/78-कार्मिक---राज्य कांडर को प्रत्यार्वातत होने पर श्री शिव मोहन सिंह, भा ० पु० से० (म० प्र० 54) ने 27 जून, 1980 के पूर्वात्न से के० ग्री० सु० व०, नई दिल्ली के उप महानिरीक्षक (उ०व प० क्षेत्र) के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

विमांक जुलाई 1980

सं० ई०-16016/3/79-कार्मिक----राष्ट्रपति, श्री एच० एल० झाम को के० औ० सु० ब्० मुख्यालय नई विस्ली का स्थानापक रूप से सहायक निदेशक (लेखा) नियुक्त करते है श्रीर उन्होंने 4 जुलाई, 1980 के श्रपराक्ष से उन्त पद का कार्यभार संभाल लिया।

दिनांक 14 जुलाई 1980

र्स० ई०-38013 (3)/17/79-कार्मिक---नामरूप से स्थानांतरित होने पर श्री डी० मुख्जी ने 11 जून 1980 के पूर्वाह्म से के० श्री० सु० ब० यूनिट शार० एस० पी०, राउरकेला के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ६०-29020/4/76-कार्मिक—के० श्री० सु० ब० मुख्यालय, नई दिल्ली का सहायक निदेशक लेखा नियुक्त होनेपर श्री एच० एल० झाम ने 4 जुलाई, 1980 के धपराह्न से के० श्री० सु० ब० मुख्यालय नई दिल्ली के लेखा ग्रधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

> (ह०) अपठनीय महा निरोक्षक

भारत के महापंजीकार का कंग्रहर

नई दिल्ली-110011, दिनांक जुलाई 1980

मं 11/11/80-प्रणाठ-1---राष्ट्रपति, पिष्टम बंगाल सिहिल सेवा के ग्रिधिकारी श्री एव मुखोपाध्याय की पिष्टिम बंगाल, कलकत्ता में जनगणना कार्य निदेणालय में तारीख 24 जून, 1980 के पूर्वाह्म में ग्रमले ग्रादेशों तक, प्रतिनियुक्ति पर स्थानास्तरण द्वारा, उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री मुखोपध्याय का मुख्यालय कलकत्ता में होगा।

दिनांक 15 जुलाई 1980

संव 11/29/80-प्रणाव-1--राष्ट्रपति, उड़ीसा सिहिल रेवा के अधिकारी श्री जगदीण पण्डा को उड़ीसा, बटक में जन-गणना कार्य निदेणालय में तारीख 16 जून, 1980 के पूर्वात्व से स्रगते स्रादेशों तक प्रतिनियुवित पर स्थाना तरण द्वारा, उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुवत करते हैं।

श्री पण्डा का मुख्यालय कटक में होगा।

सं 0 11/15/80-प्रणा०-1—राष्ट्रभिति, वर्नाटक सिधिल रेक्ष के ग्रिधकारी श्री एस० एम० श्रनत्थरामृ को कर्नाटक, बंगर्लार में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 3 जुलाई, 1980 के पूर्वाह्म से ग्रगले श्रादेशों तक, प्रतिनियुवित पर स्थानान्तरण द्वारा, उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुवत करते हैं।

श्री ग्रनन्थराम् का मुख्यालय हमन में होगा।

सं० 11/120/79-प्रणा०-J--राष्ट्रपति, उत्तर प्रदेण सिविल सेवा के ग्राधिकारी श्री एन० सी० सिन्हा को उत्तर प्रदेण, लच्चनऊ में जनगणना कार्य निदेणालय में तारीख 22 श्रप्रल, 1980 के पूर्वाह्म में श्रगले श्रादेशों तक, प्रतिनिय्वित पर स्थानान्तरण द्वारा, सहायक निदेणक, जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री सिन्हां का मुख्यालय लखनऊ में होगा।

सं० 11/32/80-प्रणा०-II—राष्ट्रपति, तमिलनाडू स्विल सेवा के निम्नलिखित अधिकारियों को प्रत्येक के नाम के समक्ष दी गई नारीख में तमिलनाडू, मद्रास में जनगणना कार्य निदेशालय में उप-निदेशक जनगणना कार्य के पद पर, सहर्ष नियुक्त करते हैं:—

श्रधिकारी का नाम	नियृषित की तारीख	
1. श्री जी० जोसफ एडविन	2 मई 1980 का	पूर्वाह
2. श्री एम० राजगोपालन	2 मई, 1980 का	पूर्वाह्न
 श्री एम० गोपाल-कृष्णन् 	9 मई, 1980 का	पूर्वाह्न

2. सर्वश्री जोसफ एडविन, राजगोपालन भ्रांर गोपाल-फुरणन् का मुख्यालय क्रमंगः सलेम, थान्जावुर तथा वैल्लोर में होगा।

> पी० पद्मनाभः, भारत के महापंजीकार

ध्यः संस्थ

(श्रम न्यूरो)

किमना-171004, दिनांक 2 अगस्त 1980

सं• 23/3/80 सी• पी• आई०---जून, 1980 में ओधोनिक श्रमिकों का अखिल भारतीय उपमोक्ता मृत्य मृजकांक (जाजारवर्षे 1960=100) मई, 1980 के स्तर से 4 जंक बढ़ कर 386 (तीन सौ छेपासी) रहा है। जुन 1930 माह का मृवकांक आधार वर्षे 1949=100 पर परिवर्तित किए जाने पर 469 (चार सौ छनहन्नर) आता है।

> आनन्त्र स्वरूप भारताज, संयुक्त निदेशक

शित्त मंत्रालय श्राधिक कार्य विभाग प्रतिभृति कागज कारखाना

होशंगाबाद-461 005, दिनांक 15 जुलाई 1980

मं० सी०-8/4137—श्री व्ही० एम० परदेशी, नियंत्रण निरीक्षक को श्री एस० एस० जौहरी, सहायक मुख्य नियंत्रण श्रिधकारी के मुख्य नियंत्रण श्रिधकारी के म्प में नवर्थ नियंत्रण श्रिधकारी के कारण हुई रिक्ति में दिनांक 12-5-80 से 28-6-80 तक तथा 29-6-80 से 31-7-80 तक श्री एस० एस० जौहरी, सहायक मुख्य नियंत्रण ग्रिधकारी की छुट्टी रिक्ति में क्पए 650-30-740-35-810- दक्षना ग्रवरोध-35-880-40-1000-दक्षना श्रवरोध-40-1200 के वेतनमान में नदर्थ ग्राधार पर सहायक मुख्य नियंत्रण श्रिधकारी के रूप में स्थानापन्न क्प से वार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

उपरोक्त अवधि में श्री व्ही० एम० परदेशी नियमानुसार ग्रन्य सभी देय भन्तों सहित श्रपना मूल नियम 22 सी० के श्रन्तर्गत रु० 740/- प्रतिमाह की दर से प्राप्त करेंगे।

सं० पी० डी०/3/4138—इस कार्यालय के श्रिधिमूचना क्रमांक पी० डी०/3108 दिनांक 17/18-6-1980 के श्रागे श्री एस० के० श्रानन्द, सहायक कार्य प्रवन्धक की स्थापना श्रविधि श्री पी० पी० णर्मी, सहायक कार्य प्रवन्धक के श्रवकाण रिक्त स्थान पर दिनांक 9-7-1980 तक बढ़ाई जाती है।

ण० रा० पाठक महाप्रबन्धक

रक्षालेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक

नई दिल्ली-110022, दिनांक 15 जुलाई 1980

सं० 23011 (1)/66/प्रणा०-1—निम्नलिखित श्रधि-कारियों की भारतीय रक्षा लेखा सेवा के ग्रुप "क" के कनिष्ठ

समयमान	में,	प्रत्येक	के	समक्ष	दर्शायी	गई	तारीख	स	पुष्टि
की जाती	है	:							

ऋमे नाम संब	 		पुष्टिकी तारीख
 सर्वश्री	 		
1. जी० के० मेनन			7-11-79
 श्रीमती प्रीति मोहन्ती 		•	18-07-79
 सृहास बनर्जी 			15-07-79
 ग्रशोक कुमार चोपड़ा 			12-07-79
 राजेन्द्र प्रसाद जैन 			8-11-79
6. ग्रमित कावणिण		•	15-11-79
7. प्रदीप के० दास	•	•	1 3- 1 2- 7 9
 दिलीप कुमार विस्वास 	•		1-11-79

के० पी० राव रक्षा लेखा ग्र**पर महा नियंद्रक (प्र**शा०)

रक्षा मंत्रालय

भ्रार्डनेन्स फैक्टरियां महानिदेणालय सिविल सेवा श्रार्डनेन्स फैक्टरी बोर्ड

कलकता, दिनांक 4 जुलाई 1980

सं० 13/80/ए०/ई०-1 (एन० जी०/80---महानिदेशक आर्डनेन्स फैक्टरियां महोदय शिपिंग एवं ट्रांसपोर्ट मंत्रालय, नई विल्ली के सि० एस० एस० संवर्ग में स्थायी सहायक श्री शिका अहमद को दिनांक 26-6-80 (पूर्वाह्म) से आर्डनेन्स फैक्टरी बोर्ड, कलकता में सहायक स्टाफ अफसर (वर्ग 'ख', राजपित्रत) के रूप में नियुक्त करने हैं।

डी० पी० चक्रवर्ती सहायक महानिदेशक ग्रार्डनेन्स फैक्टरियां/प्रणासन **फृते म**हानिदेशक, आर्डनेन्स फैक्टरियां

उद्योग मंत्रालय

ग्रौद्योगिक विकास विभाग

विकास ग्रायुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 15 जुलाई 1980

सं० 12 (406)/63-प्रणासन (राजपित्रत)—-प्रोटोटाइप विकास प्रणिक्षण केन्द्र मद्रास में उप निदेशक (म्राई० ई० ई० एम० एन० टी०) के रूप में नियुक्ति होने पर, श्री एम० भूतिलिंगम ने दिनांक 16 जून, 1980 (पूर्वाह्न) में लघु उद्योग सेवा संस्थान, मद्रास के सहायक निदेशक, येंड-1 (चर्म/ पादुका) पद का कार्यभार छोड़ दिया।

> महेन्द्र पाल गुप्त उप निदेशक (प्रमासन)

श्राकाणवाणी महानिदेशालय नई दिल्ली दिनांक 19 जुलाई, 1980

सं० 7 (165)/58-एफ-एक---श्रीमती ब्रार० जी० क्वें, कार्यक्रम निष्पादक, श्राकाणवाणी, बम्बई, 31 दिसम्बर, 1979 के श्रपराह्न में सेवा-निवृत्त हो गई।

> महेन्द्र सिह, प्रशासन उपनिदेशक, कृते महानिदेशक

ग्रामीण पुनिर्माण मंत्रालय विषणन एवं निरीक्षण निदेणालय फरीदाबाद, दिनांक 14जुलाई 1980

मं ं ए०-19024/6/79-प्र०-III--श्री प्रार० राम ह्य्यान् की मुखा रसायनज्ञ के पद पर प्रलपकालीन नियुक्ति की 30-9-80 तक या जब तक कि पद नियमित रूप मे भरा जाता है, जो भी पहले घटित हो, बढ़ाया गया है।

> बी० एल० मनिहार प्रणासन निदेशक फुते कृषि विपणन सलाहकार भारत सरकार

पावती सह पजीकृत डाक द्वारा प्रेषित

पन्नाब लय ई सिल

परमाणु ऊर्जा विभाग नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र हैवराबाद-500 762, दिनांक 1 फरवरी, 1980 अंदिश

सं ना ई स/का । प्र 5/2606/2112/स्टे । स्टी । ट्यू । सं । 113--1 श्री जी । एच । माइकेल जब कि नाभिकीय ईधन सम्मिश्र के स्टेनलेस स्टील ट्यूव संयंत्र में ट्रेडमैन 'व' के पद पर काम कर रहे थे, उन्होंने दिनांक 4-10-1978 से 22-10-1978 पर्यन्त श्रस्वस्थता के श्राधार पर 19 दिनों के श्रवकाश के लिए श्रावेदन किया, जिसकी उन्हें स्वीकृति दे दी गयी थी;

- 2. जब कि उनत श्री माइकेल श्रवकाण समाप्त होने पर दिनांक 23-10-1978 को श्रपने काम पर श्राने में श्रसमर्थ रहे, किन्तु दिनांक 15-1-1979 को एक पत्न भेजकर श्रस्वस्थता के श्राधार पर दिनांक 23-10-1978 से श्रवकाण की वृद्धि के लिए श्रावेदन किया, जिसके साथ फिलहाल अवश्यक स्वास्थ्य प्रमाण पत्न संलग्न नहीं किया;
- अब कि सक्षम प्राधिकारी ने श्रवकाण की वृद्धि की प्रार्थना स्वीकृत नहीं की;
- 4. श्राँर जब कि ज्ञापन संख्या ना ई स/ट्यू० सं०/म०-125/528 दिनांक 4-3-79 के द्वारा सदेश भेजकर श्री माइ-केल में काम पर तुरन्त लीटने के लिए कहा गया;
- 5. ग्रीर जब कि उक्त ज्ञापन मं० ना ई०-स/ट्यू० सं०/म-125/528, दिनांक 4-3-1979 को पावती सह पंजीकृत डाक द्वारा प्रेषित किया गया, जो उक्त श्री जी० एघ० माइकेल

की भार्या श्रीमती बेट्टी माइकेल को विनांक 13-3-1979 को प्राप्त हुन्ना;

- 6. ग्रौर जब कि उपर्युक्त ज्ञापन दिनांक 4-3-1979 के उत्तर में श्रीमती माइकेल ने दिनांक 16-3-1979 को एक पत्न भेजा, जिसके अनुसार उक्त श्री जी० एच० माइकेल एक ग्राम में ग्रपना उपचार करवा रहे हैं तथा संयंत्र प्रभारी को दूसरा स्वास्थ्य प्रमाण पत्न प्रस्तुत किया;
- ग्रीर जब कि संयंत्र प्रभारी को ऐसा कोई स्वास्थ्य प्रमाण पत्र नहीं प्राप्त हुमा।
- 8. ग्रीर जब कि, बेल्लमपल्ली के डाक्टर पी० सोमगेखर राव द्वारा जारी किया गया, दिनांक 24-3-1979 का स्वास्थ्य प्रमाण पत्र नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र के प्रशासनिक ग्रिधिकारी की प्राप्त हुग्रा था, जिसके श्रनुसार श्री जी०एच० माइकेल दिनांक 22-10-1978 से 24-3-1979 से पर्यन्त उनके उपचार में थे तथा दिनांक 25-3-1979 से वह ग्रपना कार्य करने के लिए पूर्ण्तः स्वस्थ थे;
- और जब कि उक्त श्री माइकेल दिनांक 25-3-1979 को काम पर नहीं ग्राए और न कोई ग्रवकाश का ग्रावेदन ही दिया;
- 10. और जब कि एक और शापन सं० ना० ई० स०/ट्यू० सं०/म०-125/712 दिनांक 14-6-1979 उन्त श्री माइकेल को भेजा गया, जिसमें उनसे किसी सिविल सर्जन या क्षय रोग विशेषज्ञ के द्वारा दिया गया स्वास्थ्य प्रमाण पत्न प्रस्तुत करने के लिए कहा गया;
- 11. श्रीर जब कि खार्युक्त ज्ञापन सं० ना ई स०/ट्यू०सं०/ म-125/712 दिनांक 14-6-1979 को पावती सह पंजी झात डांक द्वारा भेजी गयी जो श्रीमती माइकेल ने दिनांक 19-6-1979 को प्राप्त हुई।
- 12. ग्रीर जब कि उक्त श्री माइकेल ने भ्रावश्यक स्वास्थ्य प्रमाण पक्ष प्रस्तुत नहीं किया व काम से वह निरन्तर ग्रनुपस्थित रहे;
- 13. श्रीर जब कि श्रनुशासनिक प्राधिकार ने श्री माइकेल के विरुद्ध नाभिकीय इँधन सम्मिश्र के स्थायी श्रादेशों के श्रनुकछेद 41.2 (ii) के श्रन्तगंत जांच करने का प्रस्ताव किया तथा एक श्रभियोग पत्न ज्ञापन संख्या ना० ई० स०/का० प्र० 5/2112/स्टे० स्टी० द्यू० सं०/1868 विमांक 17-11-1979 पाइती सह पंजीकृत डाक द्वारा उनके श्रन्तिम ज्ञात पते श्रथात् निवास 11-3-107, मोहम्मदगुडा, नमालागुंडा, सिकन्द्राबाद, पर भेजा गया;
- 14. श्रीर जब कि श्री माइकेल को भेजी गई उक्त ज्ञापन संव नाव ईव सव/कांव प्रव 5/2112/स्टेव स्टीव ट्यूव संव/ 1868 दिनांक 17-11-1979 डाक ग्रिश्चिकारियों द्वारा बिना बिसरित किए हुए इस ग्राम्युक्ति के साथ "व्यक्ति चला गया। ग्रत: प्रेषक को वापस किया जाता है।", वापस कर दी गयी;

- 15. ग्रौर जब कि उक्त श्री माइकेल काम पर से निरन्तर ग्रनुपस्थित रहे ग्रौर नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र को ग्रपना श्रता-पता सुचित करने में ग्रसमर्थ रहे।
- 16. श्रौर जब कि उक्त श्री माइकेल स्वेच्छा से ग्रपनी सेवा के परित्याग के दोषी हैं;
- 17. श्रीर जब कि नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र को श्रपना वर्तमान श्रतापता सूचित किए बिना उनके श्रपनी सेवा पर स्थाग करने के कारण, श्रधोहस्ताक्षरी संतुष्ट हैं, कि नाभिकीय इंधन सम्मिश्र के स्थायी ब्रादेशों के श्रनुच्छेद 41 श्रीर/या केन्द्रीय नागरिक सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण श्रीर श्रपील) नियम, 1965 के नियम 14 के श्रनुसार जांच करना युक्तियुक्त व व्यवहारिक नहीं हैं;
- 18. श्रतः श्रव, श्रधोहस्ताक्षरी नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र के स्थायी श्रादेशों के श्रनुच्छेद 42 जिन्हें परमाणु ऊर्जा विभाग की श्रादेण सं० 22 (1)/68-प्रणा० II विनांक 7-7-1979 श्रीर/या केन्द्रीय नागरिक सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण व श्रपील) नियम, 1965 के नियम 19 (ii) के साथ संयोजित करते हुए, व इन प्रदक्त श्रधिकारों का प्रयोग करते हुए एतद्द्वारा नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र के स्टेनलेस स्टील ट्यूब संयंत्र के ट्रेडमैन 'ब'— उक्त श्री जी० एच० माइकेल को सेवाश्रों से तुरन्त प्रभाव से देने का श्रावेश देते हैं।

एन० कोंडलराव मुख्य कार्यपालक

श्री जी० एच० माहकेल, निवास : 11-3-107, मोहम्मदगुडा, नमालागुंडा, सिकन्द्राबाद ।

हैवराबाद-500762,दिनांक 28 नवम्बर 1979

शापन

सं० ना० ई० स०/ट्यू० सं०/म०-185/1928--कार्यालय आदेश सं० प्र०/27/79, दिनांक 16/11/1979 को नियुक्ति प्रस्ताय के प्रनुच्छेद । (म्र) के साथ संयोजित करते हुए, मथित पत्र सं० का० प्र० भ०/0702/4555 दिनांक 18-10-1979 के प्रमुसार, मैं ट्यूब संयंत्र के बिलेट निर्माणकर्ता वैज्ञानिक सहायक/म्र, श्री उ० मन मोहन की सेवाभ्रों को तत्काल प्रभाव से समाप्त करता हं।

बह ग्रपना बस पास, सुरक्षा बिल्ला तथा उन्हें दिए गए श्रन्य सरकारी सामानों को ट्यूब संयंत्र के उत्पादन प्रबन्धक-I को तत्काल वापस कर दें।

> जी० बी० सुत्रहमण्यम् महाप्रबन्धक ट्यूब

पंजीकृत सहपायती डाक द्वारा प्रेषित पत्रालय ई सिल

हैदराबाद-500762,दिनोक 11जून 1980 ग्रादेण

सं० ना० ई० स०/का० प्र०/2606/1751/1111--(1) जब कि श्री मोहन लाल, जो जिरकोनियम स्पंज संयत में कार्य-रत थे, बिना कोई सूचना दिए/उचित ग्रनुमित के काम से दिनांक 5-8-1979 से ग्रनुपस्थित रहे हैं;

- (2) ग्रीर जब कि नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र प्रणासन द्वारा प्रेषित टिप्पणी संवनाव ईव सव/काव प्रव 4/जिव स्पंव संव/मव-104/2943, दिनांक 18-11-1979 के ग्रनुसार श्री मोहन लाल से तुरन्त काम पर लीटने के लिए कहा गया;
- (3) श्रीर जब कि दिनांक 18-11-1979 की उक्त टिप्पणी पावती सह पंजीकृत डाक द्वारा उनके दो ज्ञात पतीं, श्रर्थात् निवास संख्या 17-4-508, याकृतपुरा, हैदराबाद-500258, तथा मेंहदीपुर, पत्नालयः सोनीपत, जिला रोहतक, हरियाणा राज्य, को भेजी गयी, जिसे डाक ग्रधिकारियों द्वारा वितरित विए बिना कमशः "व्यक्ति चला गया है। बिना पिता के नाम के बितरित नहीं किया जा सकता। श्रतः वापस किया जाता है।" टियाणियों के साथ वापस कर दिया;
- (4) श्रीर जब िक श्री मोहन लाल ने मेहदीपुर, हरियाणा से एक यह दिनांक 25-11-1979 को भेजा, जिसमें उन्होंने लिखा कि वह हैंदराबाद से निराण होकर हरियाणा लौट श्राए है, श्रीर उन्होंने यह स्पष्टत: नहीं लिखा कि वह नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र में श्रपनी सेवाश्रों को जारी रखना चाहते हैं या त्यागना चाहते हैं;
 - (5) और जब कि अनुशासनिक प्राधिकार ने श्री मोहन लाल के विश्रद्ध नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र के स्थायी प्रादेशों के अनुच्छेद सं० 41.2 (ii) के अन्तर्गत एक जांच करने का प्रस्ताव किया और एक अभियोग-पन्न स्मारक संख्या ना० ई० स०/का० प्र० 5/2606/1751/885 दिनांक 17-5-1980 की पंजीकृत सह पावती डांक द्वारा श्री मोहन लाल के निम्न पतीं पर भेजा गया:—
 - (1) श्री मोहनलाल, (2) श्री मोहन लाल, निवास सं० 17-4-508, तथा पुत्र स्व० श्री चन्दन सिंह, याकृतपुरा, पत्रालय मेंहवीपुर, सोनीपत, हैदराबाद-500 258 जिला रोहतक, हरियाणा राज्य।
 - (6) श्रीर जब कि निवास सं० 17-4-508, याक्तूतपुरा, हैदराबाद-500258 के पते पर प्रेषित उपर्युक्त स्मारक सं० ना० ई० सं०/का० प्र० 5/2606/1751/885 दिनांक 17-5-1980 को डाक श्रधिकारियों ने "व्यक्ति चला गया है" टिप्पणी के साथ बिना वितरित किए लौटा दिया तथा वह प्रति

जोश्री मोहन लाल, पुत्र स्व० श्री चन्दन सिंह, मेंहदीपुर, पत्नालय मोनीपत, जिला रोहतक, हरियाणा को भेजी गयी थी वह भी बिना वितरित किए हुए डाक ग्रिधकारियों द्वारा इस टिप्पणी के साथ वापस की गयी "मेंहदीपुर में इस नाम का कोई व्यक्ति नहीं है। श्रतः वापस किया जाता है";

- (7) ग्रीर जब कि उक्त श्री मोहन लाल लगानार ग्रनुपस्थित रहे तथा नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र को ग्रपना ग्रता-पता सूचित करने में ग्रसफल रहे।
- (8) भ्रौर जब कि उक्त श्री मोहन लाल स्वेच्छा से सेवा त्यामने के श्रपराधी हैं।
- (9) श्रौर जब कि नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र को बिना श्रपना वर्तमान श्रता-पता बताये सेवा त्यागने के कारण श्रधो-हस्ताक्षरी संतुष्ट है कि नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र के स्थायी श्रादेशों के अनुछेब्द 41 श्रौर/या केन्द्रीय सिविल सेवायें, (वर्गी-करण, नियंत्रण श्रौर श्रपील) नियम, 1965 के नियम 14 के अनुसार जांच करना युक्तियुक्त व व्यवहारिक नहीं है;
- (10) प्रतः प्रब प्रधोहस्ताक्षरी, नाभिकीय इँधन समिश्र के स्थायी प्रादेशों के प्रनुक्छेद 42 जिन्हें परमाणु ऊर्जा विभाग की प्रादेश संख्या 22 (1)/68-प्र० 2, दिनांक 7-7-1979 धौर/या केन्द्रीय सिविल सेवायें (वर्गीकरण, नियंत्रण भौर भ्रपील) नियम, 1965 के नियम 19 (ii) के साथ संयोजित करते हुए तथा उन प्रदत्त श्रधिकारों के प्रन्तर्गत एतद्हारा जिर्कोनियम संज संयंत्र के वेटक्लीनर उक्त श्री मोहन लाल को सेवाम्रों से नुरन्त प्रभाव से, हटा दिया जाता है।

यू० नामुद्देवा राव वरिष्ठ प्रशासनिक श्रधिकारी

श्री मोहनलाल, निवास संख्या 17-4-508, याकूतपुरा, हैदराबाद-500 258

श्री मोहन लाल, पुत्र स्व० श्री चन्द्रन सिंह, मेंहबीपुर, पत्रालय सोनीपत, रोहतक जिला, हरियाणा राज्य।

हैयराबाद-500 762, दिनांक 9 जुलाई 1980

सं० ना० ई० स०/का० प्र० भ०/3303/4680—
नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र के मुख्य कार्ययालक ने विदेश मंद्रालय, नई दिल्ली के लेखा नियंत्रक के कार्यालय में कार्यरत
कनिष्ठ लेखाकारी श्री सी० ग्रार० गोपाल राव को नाभिकीय
ईंधन सम्मिश्र, हैदराबाद में सहायक लेखाधिकारी (क०
650-960) के पद पर दिनांक 2/7/1980 पूर्वाह्न से श्रगले
ग्रादेशों तक के लिए प्रतिनियुक्ति के ग्राधार पर नियुक्त
किया है।

प०श्री रा० मूर्ति, प्रशासनिक श्रधिकारी

तारापुर परमाणु बिजलीघर महाराष्ट्र, दिनांक 27 जून 1980

सं० टी० ए० पी० एस०/1/18 (3)/77-आर०--मुख्य प्रधीक्षक, तारापुर परमाणु बिजलीघर, परमाणु ऊर्जा विभाग श्री एन० श्रीनिवासन, सहायक कार्मिक ग्रिधकारी के श्रवकाण पर जाने के फलस्वरूप, श्री पी० गणपित को सहायक कार्मिक श्रिधकारी के रूप में तदर्थ नियुक्ति की दिनांक 25-5-1980 से 19-6-1980 तक के लिए बहाते हैं।

पी० उन्नीकृष्णन, मुख्य प्रणासनिक श्रधिकारी

महानिदेशक नागर विमान का कायलिय

नई दिल्ली, दिनांक 17 जून 1980

मं ० ए० 38013/1/80-ई० ए० (1)---निवर्तन म्रायु प्राप्त कर लेने के फलस्वरूप श्री एम० एम० जोगलेकर,

क्षेत्रीय नियंत्रक विमान क्षेत्र, वम्बई एयरपोर्ट दिनांक 30 जून 1980 (श्रपराङ्ग) को सरकारी मेवा से निवृत्त हो गए हैं।

(2) निवर्तन भ्रायु प्राप्त कर लेने के फलस्वरूप श्री एन० एम० गुप्ता, विमान क्षेत्र, श्रिधकारी, सिविल विमान क्षेत्र जुहू दिनांक 30 जून, 1980 (श्रपराह्न) को सरकारी सेवा में निवृत्त हो गए है।

विश्व विनोद जौहरी' उप निदेशक प्रशासन

नई विल्ली, दिनांक 19 जुलाई 1980

सं० ए० 12025/6/77-ई० एस०—राष्ट्रपति ने श्री सत्येन्द्र सिंह को दिनांक 11-6-1980 से उपनिदेशक विमान मुरक्षा (इन्जी०) के ग्रेड में 6 मास की प्रवधि के लिए या नियमित नियुक्ति होने तक जो भी पहले हो तदर्थ श्राधार पर नियुक्त किया है।

सं० ए० 32013/8/79-ई० सी०--इस विभाग की दिनांक 8-1-80 और 14-5-80 की अधिसूचना संख्या ए० 32013/9/78 ई० सी०, दिनांक 11-2-80 और 20-3-80 की अधिसूचना संख्या ए० 32013/8/79-ई० सी०, तथा दिनांक 14-5-80 की अधिसूचन संख्या ए० 32013/8/79-ई० सी०, तथा दिनांक 14-5-80 की अधिसूचन संख्या ए० 32013/8/79-ई० सी०, तथा दिनांक 14-5-80 की अधिसूचन सं० ए० 32013/8/79-ई० सी० (पार्ट) के कम में, राष्ट्र-पित ने निम्नलिखित अधिकारियों की तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ नियुक्ति को उनके नाम के सामने दी गई तारीखीं के बाद 30-9-80 तक याग्रेड में नियमित नियुक्ति होने नक, इन में से जो भी पहले हों, जारी रखने की स्वीकृति वे दी हैं:--

ऋम संख्या	न(म			तैनाती स्टेशन	तदर्थ नियुक्ति की श्रवधि
1	2			3	4
1. ?	भी बी० मी० रे ड् डी			. वैमानिक संचार स्टेशन, हैदराबाद	30-4-80
	त्री टी० ग्रार० भास्त्री			. वैमानिक संचार स्टेशन, बस्बई	28-5-80
3. 3	श्री एम० श्रम्ब्डोस			. वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास	27-3-80
4. 9	श्रीके० चन्द्राव्युन	•		. रेडियो निर्माण एवं विकास एककः नई दिल्ली ।	27~3-80
5. 5	श्री एन० भ्रार० एन० श्रयं	गार	•	. रेडियो निर्माण एवं विकास एकक, नई	
-	•			दिस्ली	27-3-80
6. 3	श्रीमी० एल० मलिक	•		. वैमानिक संचारस्टेशन, बम्बई	30-4-80
	श्री एच० एस० भेट्टी	•		, वैमानिक संचार स्टेशन, बेलगाम	30-4-80
	श्रीकें ० एन ० एस ० मनी			. वैमानिक संचार स्टेणन, मद्रास	30-4-80
_	श्रीी० कें० डे.			. रेडियो निर्माण एवं विकॉस एकक नई दिल्ली	30-6-80
	भी ए० श <i>ा</i> नम् ध म	•		. वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास	30-4-80
	भी के० म्रार० रामानुधम			. वैमानिक पंचार स्टेशन, बम्बई	30-4-80
	গীয়াত দীত ভাৰ ৱা			. वैमानिक संचार स्टेशन, पालम	30-4-80
	श्रीवी० एस० मित्रा			. रेडियो निर्माण एवं विकास एकक, नई दिल्ली	30-4-80
	यो के० रंगाचारी -		4	. वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास	31-5-80
	प्री <i>र्म</i> ०एल०धर			. नियंत्रक रेडियो स्टोर डिपो, नई दिल्ली	31-5-80
	त्री बी० सुक्रामनियन्		,	. क्षेस्रीय निदेशक, बम्बई क्षेत्र बम्बई, एयरपोर्ट सम्बई ।	31-5-80

1	2		_	3	4
17. श्री र स	ग० डी० बंसल			रेडियो निर्माण एवं विकास एकक, नई दिल्ली,	31-5-80
-	्रस्० न(रायनस्यामी			वैमानिक संचार स्टेशन , कलकत्ता	31-5-80
	ा०एस० सी० राव	<u>.</u>		बैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई	31-5-80
-	१०पी० शहानी .			रेडियो निर्माण एवं विकास एकक, नई दिल्ली	31-5-80
•	। । रस० महास्रे			वैमानिक संचार स्टेशन, लखनऊ	31-5-80
22 श्रीडी	•			रेडियो निर्माण एवं विकास एकक, नई दिल्ली	31-5-80
2.3 श्री एस	•	,		वम।निक संचार स्टेशन, कलकत्ता	31-5-80

सं० ए० 38015/3/80 ई० एस०—क्षेत्रीय निदेशक, बम्बई क्षेत्र बम्बई एयर पोर्ट, बम्बई के० श्री ढी० वी० कुलकर्णी, प्रशासनिनक प्रधिकारी (ग्रुप "ख" पद) ने निवर्तन आयु प्राप्त करने पर दिनांक 30 जून, 1980 अपराह्म को ग्रापन पद का कार्यभार त्याग दिया है।

श्रार० एन० दास सहायक निवेशक, प्रशासन

केन्द्रि **उ**त्पाद शुल्क तथा सीमा शुल्क समाहतीलय सीमाशुल्क

मद्रास-1, दिनांक 1 2 जून 1 980 स्थापना

सं० 2/80—सर्वश्री वि० रामन, के० हनुमन्तराव, एस० लक्ष्मणन श्रीर पि० मासिलामणि को मद्रास सीमाणुल्क घर में तारीख 22-6-80 से नियमित रूप में स्थानापन्न मूल्य निर्धारक के पद पर पदोन्नत किया जा रहा है।

सं० 3/80—श्री गंगाराम देव, स्थानीयवत् मूल्य निर्धारक को तारीख 10-11-1977 से स्थायी मूल्य निर्धारक बनाया जाता है। यह मंत्रालाय के पत्न तारीख 19-11-76 एफ० सं० ए० 11012/5/76 ए० डी० 4 के अनुसार श्रस्थायी पद को स्थायी बनाने पर किया गया है।

दिनांक 5 जुलाई 1980

सं० 7/80—श्री मुरलीदर श्रार०, की संघ लोक सेवा श्रायोग के उम्मीदवार 2-7-80 के पूर्वाह्न से श्रगले श्रादेश तक,श्रस्थाई रूप से सीमाशुल्क घर में सीधी भर्ती श्रप्रैसर, (गैर-विशेषज्ञ) नियुक्त किया जाता है । वे दो साल तक परखाधीन काल में रहेंगे।

> ए० सी० सल**दाना,** सीमागुल्क समाहर्ता

इन्दौर, दिनांक 7 जुलाई 1980

सं० 8/80/--- प्रधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद मुल्क समूह 'ख' के पद पर पदोन्नत होने से निम्नलिखित निरीक्षकों, केन्द्रीय उत्पाद गुरु (त्र० श्रे०) ने उनके नाम के सामने दर्शाई गई तिथियों से अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समूह 'ख' के पद पर कार्यभार ग्रहण कर लिया है :--

क्रम सं०	ग्रंधिकारी	का नाम	तैनाती स्थान	कार्यभार ग्रहण करने की तिथि
1	2		3	4
1.	श्री डी० सी० दिवे		. स्रधीक्षक (तकनीकी) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मुख्यालय, इन्दीर ।	30-5-80 (पूर्वाह्म)
2.	श्री सी० आर० राजवैद्य		. अधीक्षक, बहुपदीय रेंज 1, भोपाल	12-6-80 (पूर्वाह्न)
3.	श्री डी० पी० तिवारी		. अधीक्षक, बहुपदीय रेंज 1, इन्दौर	12-6-80 (पूर्वाह्र)
4.	श्री पी० एस० सेंगर	•	. ग्रधीक्षक (निवारक) प्रभागीय कार्यालय, उज्जैन ।	12-6-80 (पूर्वाह्न)
5.	श्री ए० भ्रार० करनकर		. म्रधीक्षक (विधि) केन्द्रीय उत्पाद गुरुक, मुख्यालय, इन्दौर ।	12-6-80 (पूर्वाह्म)
6. 3	बी० एस० श्रीवास्तव		. श्रधीक्षक,भार० बी० सी० 1, प्रभागीय कार्यालय जबलपुर	30-5-80 (पूर्वाह्न)
7.	श्री ग्रार० पी० घाटनेकर		. श्रधीक्षक, (निवारक) के० उ० शु० मुख्यालय इन्दौर ।	्30-5-80 (पूर्वाह्न)
8.	श्री बी० भ्राप्त बेडेकर		. ग्रधीक्षक (सतर्कता) के० उ० गु० मुख्यालय, इन्दौ र ।	20-5-80

सं० 9/80—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मध्य प्रदेश समाहर्तालय इन्दौर के श्री बी० एच० हिंगोरानी, ग्रधीक्षक समूह 'ख' सेवा निवृत्ति की ग्रवस्था प्राप्ति पर 30 जून 1980 के भपराह्म से शासकीय सेवा से सेवानिवृक्त हो गए हैं। एस० के० धर

समाहर्ता

कानपुर, दिनांक 11 जुलाई 1980

सं० 1/80——िनम्निलिखित निरीक्षकों (प्रवरण कोटि) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के प्रधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वर्ग "ख" वेतनमान ६० 650-30-740-35-810-६० रो०-35-880-40-1000-६० रो०-40-1200 पर पदोन्नत होने पर प्रधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वर्ग "ख" के पद का कार्यभार उनके नाम के सामने दिए गए स्थान तथा तारीख को ग्रहण कर लिया:—

ऋम सं०	नाम		स्थान का नाम जहां पर पदोन्नति पर कार्यभार ग्रहण किया	कार्यभारग्रहण करने की तारीख
1.	श्रीजे०डी०मिश्रा .		. मुख्यालय कानपुर	17-9-79 पूर्वाह्न
2.	श्री फ्रार० सी० रावत .		. कानपुर प्रखण्ड-2	4-8-79 ,,
3.	श्रीएम०यू० खान .	•	. कानपुर प्र ख ण्ड-2	27-8-79 ,,
4.	श्रीएल० ग्रार० वर्मा.		. का नपुर प्रख ण्ड-2	30 - 7-89 ,,
5.	श्रीजी०पी०मल .		. सीतापुर प्रखण्ड	15-9-79 ,,
6.	श्री भ्रार० एल० भाटिया		. एम० ग्रो० ग्रार० छिबरामऊ फरुखाबाव प्रखण्ड-1	24-9- 79 ,,
7.	श्रीग्रार०पी०राय .		. कानपुर (मुख्या लय)	8-10-79 ,,
8.	श्रीएम०ए०सिदिकी .		. कानपुर (मुख्यालय)	24 10-79 ,,
9.	श्री भ्रार० डी० सक्सेना.		. एम० ग्रो० भार० गुरसहाय गंज फरुखाबाद प्रखण्ड-1	7-1-80 ,,
10.	श्री ए० एल० महता .		. कानपुर प्रखण्ड-1	20-2-80 ,,
11.	श्रीवी०एन० भाटली .		. श्रागरा प्रखण्ड	28-11-79 ,,
12.	श्रीएस० म्रार० शर्मा.		. फरेखाबाद प्रखण्ड	21-1-80
13.	श्री जे० एस० सक्सेना		. कानपुर (मुख्यालय)	2-2-80. ,,
14.	श्री ग्रॉर० बी० ग्रवस्थी	•	. कानपुर प्रखण्ड-1	7-12-89 ,,
15.	श्रीभ्रार०एन०मिश्रा .		. कानपुर (मु ख ्यालय)	28-11-79 ,,
16.	श्री एस० के० घोपाल .		. कानपुर (मुख्यालय)	22-12-80 ,,
17.	श्रीबी० जे० सेन गुप्ता .		. कानपुर प्र खण्ड -1	30-11-79 ,,
18.	श्री जगदीश सिंह .		. एम ें भ्रो० श्रार० कन्नौज प्रखण्ड फरु खाबाद	13-11-79 ,,
19.	श्रीसुन्दरलालं.		. कानपुर (मुख्यालय)	10-3-80 ,,
20.	श्रीग्रार०के० शर्मा .		. कामपुर प्रखण्ड-2	29-2-80 ,,
21.	श्री ए्म० एल० कनौजिया	•	. कानपुर (मुख्यालय)	19-2-80 प्रपराह्म
22.	श्रीजे०सी०भाटिया .	•	. प्रखण्ड भ्रलीगढ	17-5-80 पूर्वाह्न

निन्नलिखित कार्यालय अधिक्षकों के केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ने प्रशासनिक अधिकारी सहायक मुख्य लेखाधिकारी लेखा परीक्षक वर्ग ''ख'' वेतन मान रु० 650-30-740-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के पद पर पदोन्नति होने पर प्रशासनिक ग्रीधकारी के० उ० ग्रु० वर्ग ''ख'' के पद का कार्यभार उनके नाम के सामने दिए गए स्थान तथा तारी ख को ग्रहण किया :---

ऋम सं०	नाम			पद स्थापना का स्थान	कार्य-भार ग्रहण की तारीख
1.	धी० एस० सक्सेना			. প্লাৰ্ছত ভী০ স্লীত সলীনত্ত	4-1-80 पूर्वीह्न
2.	श्री सीता राम	•	•	. मुख्यालय कानपुर	9-5-80 पूर्वाह्न
					

णे० रामफुष्णन् समाहती केन्द्रीय उत्पाद गुक्क, कामपुर

केन्द्रीय उत्पादन मुल्क ब**डोदा, दिनांक** 18 मई 1980

सं० 3/80—केन्द्रीय उत्पादन शुरूक, ब्रह्मदाबाद के उप समाहर्ता के श्रधीन कार्येरस, केन्द्रीय उत्पाद शुरूक के वर्ग "क" के सहायक समाहर्त्ता ब्रधीक्षक श्री एन० एस० पाठक वृद्धावस्था पेंशन की श्रायु प्राप्त होने पर दिनांक 30-4-80 के श्रपराह्न से निवृक्त हो गये हैं।

सं० 4/80—केन्द्रीय, उत्पाद शुल्क, सुरत के सहायक समाहर्ता के प्रधीन कार्यारत, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के वर्ग "ख" श्रधीक्षक जी० के० नायक वृद्धावस्था पेंशन की श्रायु प्राप्त होने पर दिनांक 30-4-80 के श्ररपाह्म से निवृक्त हो गये हैं।

सं० 5/80 केन्द्रीय उपादन शुल्क, ग्रहमदाबाद के सहायक समाहर्ता के ग्रधीन कार्यरत, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के वर्ग "ख" के ग्रधीक्षक श्री एम० एम० पटेल वृद्धावस्था पेंशम की ग्रायु प्राप्त होने पर दिनांक 30-4-80 के ग्रपराह्म से निवृत्त हो गये हैं।

दिनांक 10 जून 1980

सं० 6/80---केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, बड़ौदा के समाहर्ता के भ्रष्टीन कार्यरत, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के वर्ग "क" के सहाय समाहर्ता (मुख्यालय) श्री जी० भ्रार० देसाई वृद्धा-वस्था पेंशन की भ्रायु प्राप्त होने पर दिनांक 31-5-80 के भ्रषराह्मन से निवृक्त हो गये हैं।

दिनांक 11 जुलाई, 1980

सं० 7/80—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, बड़ौदा III के सहायक समाहर्ता के प्रधीन कार्यरत, केन्द्रीय उत्पादन शल्क के वर्ग "ख" के सहायक समाहर्ता प्रधीक्षक श्री जी० जी० गणेशी वृद्धावस्था पेंशन की श्रायु प्राप्त होने पर विनांक 31-6-80 के श्रपराह्न से निवृत्त हो गये हैं।

सं० 8/80—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, ग्रहमदाबाद III के सहायक समाहर्ता के प्रधीन कार्यरत, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के वर्ग "ख" के ग्रधीक्षक श्री बी० एन० गौसालकर वृद्धवस्था पेंग्रन की श्रायु प्राप्त होने पर दिनांक 30-6-80 के श्रपराह्म से निवृत्त हो गये हैं।

जे० ए**म० व**र्मा, समाहर्ता,

निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय सीमा एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नई दिल्ली, दिनांक 21 जुलाई 1980

सं० 26/80 ची श्री० पी० जुँगाल ने, जो कि पहले केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तालय मेरठ में प्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क स्रमाहर्तालय मेरठ में प्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क ग्रुप 'ख' के पद पर कार्यरत थे, निदेशालय के ग्रादेश फा० सं० 1041/41/79 दिनांक 26-4-80 के द्वारा, निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय सीमा तथा केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, नई दिल्ली के मुख्यालय स्थित कार्यालय में स्थानान्सरण होने पर, दिनांक 8-7-80 (पूर्वाह्म) से निरीक्षण ग्रिधकारी (सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पादन शुल्क) ग्रुप 'ख' के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया।

कृ० रेखी, निरीक्षण निदेशक। केन्द्रीय जल श्रीर विद्युत श्रनुसन्धान शाला पुणे-411024, दिनांक 10 जुलाई, 1980

सं० 602/32/80-प्रणासनः—विभागीय पदोन्नति समिति (ग्रुप "ख") (राजपन्नित) से की गई सिफारिश पर निदेशक, केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसन्धान णाला, पुणे, एतद्द्वारा निम्नानुसार अनुसन्धान सहायकों (इंजीनियरी) के सहायक अनुसन्धान अधिकारी (इंजीनियरी) के पद पर केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसन्धान णाला, पुणे में वेसनमान रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 स्याई रूप से स्थानापन्न पदों पर उनके नामों के सामने दिखाई गई तारीख से नियुक्ति करते हैं।

नाम	पद भार संभालने की तारीख
 1 श्रीएस ्डी ० कलकर्णी	9-6-1980
1. श्रीएस० डी० कुलकर्णी 2. श्रीए० पी० डांगे	1-7-1980
3. श्रीक्ही० जी० भावे 4. श्रीपी० नी० मेनेंटले	6-6-1980 9-6-1980
4. श्रीपी० बी० मेहेंदले	9-6-1980

उपर्युक्त ग्रिधिकारियों को सहायक ग्रनुसन्धान श्रिधिकारी (इंजीनियरी) के पद के लिये केन्द्रीय जल ग्रीर विश्वुत ग्रनु-सन्धान गाला (पुणे) में दो साल की उनके नाम के सामने दिखाई गई तारीख से परिवीक्षाधीन होगी।

एम० श्रार० गिडवानी, प्रशासन ग्रधिकारी कृते निदेशक

केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण

नई दिस्ली-110022, दिनांक 11 जुलाई 1980

सं० 1/48/80-प्रशासन-तीन:—-प्रध्यक्ष, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण, कुमारी सावित्री सुक्रमण्यम् की, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण, नई दिल्ली में, भारतीय दुभाषिया के रूप में 650-30-740-35-810 दक्षता रोध-40-1200 रु० के वेतनमान में 30-6-1980 के अपराह्व से, श्रागामी आदेण हैं.ने तक, नियुक्त करते हैं।

बी० एम० लाल, ग्रवर सचिव

विधि न्याय तथा कम्पनी कार्य मन्त्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी विधि बोर्ड कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 श्रौर ईप्वर दास फाइनेन्स एण्ड इन्वेस्टमेंट प्रा० लि० (इन लिक्वी) के विषय में।

कानपुर, दिनांक 15 जुलाई 1980 सं० 6755/1035/एल० सी०—अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (4) की ग्रनुंसरण में एतद्दारा यह सूचना दी जाती है कि इस सारीख से तीन माह के ग्रवसान पर ईश्वर दास फाइनेन्स एण्ड इनवेस्टमेंट प्रा० नि०

(इन लिक्वी) का नाम इस के प्रतिकूल कारण दिशित न किया गया ते, रिजस्टर से काट दिया जायेगा श्रौर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायगी।

टित कर दा जायगा।

श्रो० पी० च**हा**, रजिस्ट्रार श्राफ कम्पनीज, कान**पुर छ० प**० कम्पनी श्रधिनियम 1956 एवं साउन्ड फायनान्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में। बम्बई, दिनांक 15 जुलाई 1980

सं० 76985/560/(3)—कम्पनी श्रधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतदृक्षारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर साउण्ड फायनान्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया हो तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा श्रीर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

ह० अपठनीय कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार, महाराष्ट्र, बम्बर्ध।

कार्यालय ध्रायकर ग्रायुक्त दिल्ली-II, नई दिल्ली, दिनांक 26 जून, 1980 श्रायकर

सं० जुरि-दिल्ली/II/80-81/10969—आयकर प्रधि-नियम 1961 (1961 का 43वां) की धारा 123 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का तथा इस सम्बन्ध में प्राप्त ग्रन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इस विषय पर पहले के सभी श्रादेशों में संशोधन करते हुए श्रायकर श्रायुक्त, दिल्ली-II नई दिल्ली निदेश देते हैं कि नीचे दी गई अनुसूची के कालम 1 में निर्दिष्ट निरीक्षीय सहायक श्रायकर श्रायुक्त उक्त अनुसूची के कालम-2 में निर्दिष्ट डिस्ट्रकों/ सर्किलों के श्रायकर श्रधिकारियों के श्रधिकार क्षेत्र में श्राने वाले क्षेत्रों या व्यक्तियों या व्यक्तियों के वर्गों या श्रायया श्राय के वर्गों या मामलों या मामलों के वर्गों के बारे में उक्त श्रधिनियम के श्रन्तर्गत निरीक्षीय सहायक श्रायकर श्रायुक्त के सभी कार्य करेंगे:—

ग्रनुसू ची	
रेंज	ग्रायकर डिस्ट्रिक/सर्किल
नरीक्षक सहायक स्रायकर	कम्पनी सर्किल-18, 21,
गायुक्त रेंज 2 एफ, नई दिल्ली।	तथा 25 नई दिल्ली।
	2.2.

यह ग्रधिसूचना 19/6/80 से लाग् होगी।

एन० एस० राघवन, श्रापकरश्रायुक्त दिल्ली-II,

कार्यालय श्रायकर श्रायुक्त दिल्ली-III नई दिल्ली, दिनांक 7 जुलाई, 1980

सं० जुरि/दिल्ली-III/80-81/11055—आयकर श्रधि-नियम 1961(1961 का 43वां) की धारा 123 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस सम्बन्ध में प्राप्त श्रन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इस विषय पर जारी पहले के आदेशों में संशोधन करते हुए, आयकर श्रायुक्त, दिल्ली-3, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि नीचे दी गई अनुसूची के कालम-1 में निर्दिष्ट निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त उक्त अनुसूची के कालम-2 में निर्दिष्ट डिस्ट्रिक/सर्किलों के आयकर अधिकारियों के अधिकार क्षेत्र में आने वाले क्षेत्रों या व्यक्तियों या व्यक्तियों के वर्गों या आय या आय के वर्गों या मामलों या मामलों के वर्गों के बारे में उक्त अधिनियम के अन्तर्गत निरीक्षीय सहायक आयकर आयकत के मभी कार्य करेंगे:--

श्रनसुची

	3.74	
रेंज ब	का नाम	भ्रायकर डिस्ट्रिक/मर्किल
	क्षिय सहायक श्रायकर	ভি ০ 5(1) , 5(2),
श्राय्	ुक्त, रेंज 4 ए०, न ई दि ल्ली	, , , , , , , , , , , , , , , , , , , ,
		5(5), 5(6), 5(7),
		5(9), 5(10),
		5(13), 5(14),
		5(15), 5(15)
		ग्रातिरिक्त 5(18) तथा
		ग्रतिरिक्त सर्वे सर्किल-4,
		नई दिल्ली।
2. निर्र	क्षिय सहायक ग्रायकर	1. भ्रायकर ग्रधिनियम की
श्राय	पुनत, रें <mark>ज 4 जी, नई दि</mark> ल्ली	धारा 125 के ग्रन्तर्गत
`	V	निरीक्षीय सहायक भ्राय-
		कर श्रायुक्त को इस
		प्रभार के डिस्ट्रिकों/
		सर्किलों को सौंपे जाने
		वाले मामले।
		2. स्पेशल सर्किल, 6
		ग्रतिरिक्त तथा स्पेशल
	,-	सर्किल-16, नई दिल्ली
	•	3. डि॰ 5(8), नई दिल्ली

यह ब्रादेश 8-7-1980 से लागू होगा।

पी० के० मित्र, ग्रायकर ग्रायुक्त दिल्ली-III

ग्रायकर ग्रपील श्रधिकरण,

बम्बई-400020, दिनांक 14 जुलाई, 1980

मं० एफ० 48-ए० डी० (ए० टी०) / 80---श्री एम० एल० राय, जो आयकर अपील अधिकरण, कलकत्ता न्याय-पीठ, कलकत्ता के स्थानापन्न सहायक अधीक्षक हैं, को रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान पर, आयकर अपील अधिकरण, गोहाटी न्यायपीठ, गौहाटी में, नियमित आधार पर (प्रोक्षति कोटे में) 1 जुलाई, 1980 (पूर्वाह्न) से अगला आदेश होने तक, सहायक पंजीकार के रूप में नियुक्त किया जाता है।

श्री एम० एल० राय दिनांक 1 जुलाई, 1980 से दो वर्षों के लिये परिवीक्षाधीन रहेंगे।

> बी० बी० पालेकर, ग्रध्यक्ष,

प्रारूप आई० ठी० एन० एस०----आयकर ग्रीविनयम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-ब (1) के ग्रीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायक्त प्रायुक्त (निरीक्रण)

श्चर्णन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनौंक 21-7-1980

निदेश सं० 906/म्रर्जन/79-80---म्रतः मुझे बी० सी० षत्रर्वेदी,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है ज्या जो काकादेव करवार में रिश्व है (शीर प्राप्त वास्त्र करवार करवार

कानपुर में स्थित है (भीर इससे उपाधक अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 9-11-79 की

प्रधीन तारीख 9-11-79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से के कम कृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके पृथ्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तर्ग के लिए तम पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखित उद्देश्य में उका अन्तरण लिखिन में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त भाध-नियम के अपोन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बनो में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या जिसी धन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय गायकर ग्रिधितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधितियम, या धनकर ग्रिधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था ठिपाने में मुविधा के लिए;

मतः, श्रवं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रतु-सरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निकिसित स्यक्तियों, ग्रयील्:---

- (1) श्रीमतो कथामा पहिन श्रो राम कुमार मा निवासी 95/5 परेष कानपुर। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमतो बोना कुमारी परित श्री विनोद कुमार सा० हाल 117/एल/464 नबीन नगर काकदिव कानपुर। (ग्रन्तरिती)

को यह सूबना जारी हरके पूर्वीकत सणिति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियों करना हूं।

उक्त समिति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप : --

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख में 45 विन की श्रवधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोत्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्ही तरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस श्रव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान नं० 117/2-464 दो मंजिला बना जिसका रकबा लगभग 522 वर्ग गज बाके काकादेव कानपुर में स्थित है।

> बीं० सी० चतुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी महायक प्रायकर ग्रायुव्दत, (निरंक्षण) (अर्जन रेंज), कानपुर

तारीख: 21-7-1980

प्ररूप धार्षः टी० एन० एस०----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रजॅन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 18-7-1980

निवेश सं० ग्रार०-147/ग्रर्जन--श्रतः मुझे ग्रमरसिंह बिसेन, भायकर घिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का का**रण है** कि **स्थाव**र सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक हैं श्रीर जिसकी सं० 156 बी०, है तथा जो सिविल लाइन्स बरेली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक श्रनुसुकी में श्रीर रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता भ्रघिकारी के कार्यालय, बरेली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 28-12-79 को को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बुरयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भौर भन्तरक (भन्तरकों) भौर अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐंने ब्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरम निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) धन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रधि-नियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रग्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी भाय या किसी धन या भ्रम्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः, मब, उक्त मधिनियम की घारा 269-ग के अनु-सरण म, मैं, उक्त मधिनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, मधीत्।⊸

- (1) श्रोमनी बिमला रानो कपूर (ग्रन्तरक)
- (2) श्री राजेन्द्र सिंह, इन्द्रजीत सिंह भूपेन्द्र सिंह (अन्तरितो)
- (3) बिकेना (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में) सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त भव्दों और पदों का, जो उक्त भिन् नियम के भध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस भध्याय में दिया गया है।

अ**नुसूची**

श्राराजी तादादी 650 वर्ग गज बाबत कोठी नं० 156 बी० वाके सिविल लाइन्स बरेली व वह सारी सम्पत्ति जो सेल डोड श्रार० फार्म 37 जो संख्या 6554 में विणित है जिनका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार बरेली के कार्यालय में दिनांक 28-12-1979 को हो चुका है।

> श्रमर सिंह बिसेन सक्षम श्रधिकारो सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 18-7-1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-जु (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, दिनांक 10-7-1980

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

मीर जिसकी सं मकान नं 5 है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भ्रमुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारों के कार्यालय इन्दीर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, 23-11-1979

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विष्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वाक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिस्ति उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आयु या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अत्र, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:——

- (1) श्रो कृष्ण पुत्र श्री तिम्बक ढोनले निवासी भोज मार्ग, फीगज, उज्जैन। (ग्रन्तरक)
- (2) कुमारी इन्विरा पुत्री श्री मोर्रन्वमल रामचन्वानी निवासी 24, बक्बी गली, इन्दौर। (झन्तरिती)
- (3) (1) श्री दिलीप वाकर (2) श्री सी० म्नार० वांकर व (3) मैसर्स रेनबो म्राउट सेन्टर। (वह व्यक्ति, जिसके म्रधिभोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पृतित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी बसे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसर अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्तृता

मकान नं० 5, नेतार्जाः सुभाष मार्ग, इन्दौर।

विजय माथुर, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज, भोपाल

तारीख: 10-7-1980

प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 10-7-1980

निदेश सं० आई० ए० सी०/एसवी०/भोपाल 80-81/1657— आत: मुझे निजय माथुर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/-

क० से ग्रधिक हैं।

श्रीर जिसकी सं मकान नं 3 ए० है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ती श्रीधकारी के कार्यालय, इन्दौर में रिक्स्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, ताराख 12-11-1979 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐने दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिगत से प्रधिक हैं और अन्तरक (प्रन्तरकों) भौर अन्तरिती (प्रश्तरितियों) के बीच ऐसे ध्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, तिम्तिविद्या उद्देश्य से उद्दा प्रश्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबन, उक्त अधिनियम के श्रतीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करो या उत्तते बनो में सुविजा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भ्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकन अधिनियम, था धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिताने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्थातः :---

- (1) श्रामतो जोजा बाई विधवा परिन श्रो गोगलराव जा काले (2) श्रोमतो सुन्दराबाई विश्ववा परिन श्रो रामबाबू गुप्ता (3) श्रोमती सीमाग्यतो वस्थता बाई परिन श्रो पुरुषोत्तम गबहाडे निवासो 3-ए०, प्रेम नगर, इन्दौर।
- (2) श्रोमतो शीला देवो विधवा परिन श्रो ग्रनन्त प्रकाश पोलेबर निवासो 42, रेगम वाला लाइन, इन्दौर। (ग्रन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्वत्ति के अर्जन के अम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की ग्रविध या तक्ष्मक्वनधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :---
- (ख) इस सूचना के राजगत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में
 हितवद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीहरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भ्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के ध्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही मर्थ होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान नं० 3-ऐ० का तज मंजिना स्थित प्रेमनगर कालौनी, इन्दौर।

> विजय माथुर, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरोक्षण), श्रर्जैन रेंज, भोगल

तारो**ख: 10-7-198**0

प्ररूप आई० टी• एन० एस०---

पाय**कर प्रक्षितियम, 1961 (1961 का 43) की** प्रारः 269-घ (1) के प्रधीन यूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायस भावकर भायक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रंज, भोगाल

भोपाल दिनांक 10 जुलाई 1980

निर्देश सं० म्राई० ए०सी०/एक्वीं०/भोपाल-80-81/1660— यतः मुझे विजय माथुर

आयकर प्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पंश्वात् 'उक्त अधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीत सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु॰ से प्रधिक है

श्रीर जिसको सं असकान नं 3-ए हैं, तथा जो इन्दौर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसृची में श्रीर पूर्ण क्य से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकार के कार्यालय, इन्दौर में रिक्स्ट्राकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, नारोख 22-11-1979 को

पूर्वोति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के तृश्यमान प्रतिफल के जिए अन्तरित की गाँ है और अने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफत के पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरम के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देशय स उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) स्रन्तरण मे हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनिवम के श्रीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या जसमे बचने में श्रीवाल के लिए; धौर/ण
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भस्य भास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयक्त अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, पा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किया गये में अविद्या के जिला;

अतः श्रव, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उस्त अधिनियम की धारा 269-त्र की उपधारा (1) के अधीम, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात:—-

3—186GI/80

- (1) श्रोमतो जोजा बाई विधवा पत्नी श्रो गोवालराव काले (2) श्रोमतो मुन्दराबाई विधवा पत्नी श्रो रामबाबू गुण्ना (3) श्रोमतो सीमायवतो वत्नला बाई पत्नी श्रा पुरुषोत्तम गवहाडे निवासो 3 श्रेम नगर कालोनी, इन्दौर। (श्रन्तरक)
- श्रोमतो रेनू, पत्नो श्रा प्रेम कुमार सम्तासो निवासी
 ३४, प्रेमनगर कालोनो, इन्दौर।

(भ्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त समाति हे अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेन के संबंध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी ग्रन्य क्यक्ति द्वारा, ग्रश्लोहस्ताक्षणे के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रिष्ठिनयम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होता, जो उन प्रध्याय में दिया गया है।

पनुसूची

मकान नं० 3-ए हा प्रथम तल स्थित प्रेमगगर कालीनों, इन्दौर ।

> विजय माथुर सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजी रोंज भोषाल

तारीख : 10-7-1980

प्ररूप धाई॰ डी॰ एन॰ एस॰----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के सधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर **प्रायुक्**त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज,भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 जुलाई 1980

निदेश सं० भाई०ए०सी०/एक्वी०/भोपाल-80-81/1661---म्रतः मुझे, विजय मायुर,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उवित बाजार मूल्य 25,000/- ७० से अधिक है

ष्रौर जिसकी सं० मकान नं० 3-ए० है, तथा जो इदौर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 14-11-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूहम से कम के बृध्यमान प्रतिफल के लिए पन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि गयापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्धह प्रतिशत से मधिक है भीर पन्तरक (घन्तरकों) और अन्तरिती (घन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मिसित उद्देश्य से उक्त घन्तरण जिखित में वास्त्रिक रूप से कथिन नहीं किया गया है ।----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त धिर्मियम के प्रशीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे अवने में सुनिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसो किसो आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय धायकर धाधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिपाने में सुविधा के जिए;

त्रतः सब, उनन प्रतिनिधम की धारा 269-म के सनुसरण में, में, उक्त प्रधिनिधम की बारा 269-म की उपबारा (1) के प्रधीन निस्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:— (1) श्रोमती जीजाबाई विधवा पत्नि श्री गोपालराव जी काले (2) श्रीमती सुन्दराबाई विधवा पत्नि श्री राम बाबू गुप्ता (3) श्रीमती सौभाग्यवती वत्सला बाई पत्नि श्रीपुरुषोत्तम गवहाडे निवासी 3-ए०, प्रेम नगर कालोनी, इन्दौर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती बिशना बाई परिन श्री जयपाल दास हिन्दुजा निवासी म० नं० 167, पालसीकर कालोनी, इन्दौर। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के धर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या सम्मन्त्रनधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविष्ठ, जो भी अत्रिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितन दें किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, सबीहस्ता नरी के पास निश्चित्र में किए जा सकेंगे।

स्रावटी तरण:--- इसमें प्रयुक्त जरूरों और पक्षों हो।, जो उना अधि-नियम के अध्याय 20-ऊ में रिफाषिस हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय ों दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 3-ए० की दूसरी प्रंजिल स्थित प्रेम नगर, कालोनी, इन्दौर।

> विजय माथुर सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 10-7-1980

प्ररूप ग्राई०टी० एन० एस०----

जाबकर जिस्तियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 जुलाई 1980

निवेश सं० ग्राई०ए०सी०/एक्वी०/भोपाल-80-81/1662~ ग्रतः मुझे, विजय माथुर

धायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त श्रिधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-ख के धिया सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से श्रिक है

श्रौर जिसकी सं० म्मु० म० नं० 168 है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 6-11-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकृत से, ऐते दृश्यमान प्रतिकृत का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐते अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य ने उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथिन नहीं कि गा गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधि-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी यात्र या किसी धन या प्रन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाद्विए था, छिगाने ने सुविधा के लिए;

भतः श्रव, उपत अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

- (1) श्री सागरमल पुत्र श्री द्वारकादास परसरामपुरिया निवासी 168, महात्मा गांधी मार्ग, इन्दौर। (श्रन्तरक)
- (2) श्री पृहलाद पुत्र श्री मृज मोहन निवासी 197, तिलक पथ, इन्दौर। (श्रन्तरिकी)

को यह सूबना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो खक्त भिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस श्रध्याय में विया गया है।

भनुसूर्था

मकान नं० 168, की चौथी व तीमरी मंजिल स्थित महात्मा गांधी मार्ग, इन्दौर।

> विजय माथुर सक्षम पश्चिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षी) ग्रजन रेज, भोपाल

तारीख: 10-7-1980

मोहरः

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 जुलाई 1980

निर्देश सं० ग्राई०ए०सी०/एक्वी०/भोपाल-80-81/1663--म्रतः मुझे, विजय मध्युर

आयकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 209-ख के अधीन सभन प्राधिकारी की. यह विश्वास करने का नारण है कि स्थावर सम्मत्ति, बिसहा उचित बाजार मूल्य 25,000-ध्यए से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० म० नं० 168, तथा जो इन्दौर में स्थित है (ग्रीर इससे उनाबढ़ श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विज्ञत है). रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 20-11-1979

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तिति को गई है घीर मुझे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्शक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफत स, ऐस दृश्यमान प्रतिफत का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरका (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बोल ऐस अन्तरण क लिए तय पाया गया प्रतिफत, निम्दलिखित उद्देश्य म अन्त अन्तरण सिखित म वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बावता, एकत ग्रजिनियम के ग्रजान कर देने क शन्तरज्ञ ज दायित्थ में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसा घर या अन्य आस्तिकों का, किन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया स्था या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिधा के लिए;

अतः, अब, उन्त अधिनियम ती धारा 269-ग के धमुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की जपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री सागरमल पुत्र श्रीद्वारकादास परस राम पुरिया निवासी 168, महात्मागांधी मार्ग, इन्दौर। (अन्तरक)
- (2) श्री भगवान दांस पुन्न श्री अजमोहन जी श्रग्नवाल निवासी 197, तिलकपथ, इन्दौर। (अन्तरिकी)

को यह सूचना बारों करके पूर्वोस्त सम्पत्ति के भवेंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उत्रत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूबना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवित्व या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवित्व, जो भी ग्रविष्ठ वाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (बा) इस भूजना के राजपत में प्रकाशन की सारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमढ़ किसी प्रत्य क्पिक्त द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के मास निकार में किए जा सकेंगे।

स्यच्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के भ्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा जो उस भ्रध्याय में विषय गया है।

अनुसूची

मकान नं० 168 की दूसरी मंजिल स्थित महात्मा गांधी मार्ग, इन्दौर।

> विजय माथुर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रज, भोपाल।

तारीख: 10-7-1980

प्रकृष भाई• टी• एत• एस•-----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की शारा

269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर धार्यक (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिमांक 10 जुलाई 1980

निदेश सं० ग्राई०ए०मी०/एक्वी०/मोपाल-80-81/1664---भ्रतः मुझे विजय माथुर

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इमके पण्यास् 'उन्त मिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के उन्नीत सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वाम करन का कारम है कि स्थावर सम्पत्ति, जितका उचित बाजार मूल्य 25,000/- २० से मिछक है

ग्रीर जिसकी सं नकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुभूची में ग्रीर पूर्ण का से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दीर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 23-11-

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित दाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐस दृश्यमान प्रतिकृत के पन्द्रह प्रतिज्ञत से पधिक है और अन्तर्रक (अन्तरकों) पौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नतिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण निखित में वास्तिथक रूप से कथित नहीं किया गया है: ---

- (क) अन्तरम ने हुई कियो प्राप को बाबत खबत अधिनियस, के अधीन कर देन के उन्तरक के धायिक्ष में कर्म करने मा लग्ने प्याने में सुविधा के लिए; धीं प्राप्तः
- (अ) ऐसी किसी आप जा किसी जन या प्रन्य चास्तिय। को जिन्हें भारतीय आपकर प्रधिनियत, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के क्ष्योजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्र12 नहीं किया गया था था किया जाना थाहिए था, । अपाने में सुविधा के निए;

अतः अब, उन्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त आधिनियम को धारा 269-ध को उदधारा (1) के धधीन निष्मतिखित करियतों, अधीन :--

- (1) श्री ईनायत म्रली पुत्र श्री इब्राहीम जी बोहरा निवासी 2ए०, मारोठिया बाजार, इन्दौर। (भ्रन्तरक)
- (2) श्री जब्बीर हुसैन पुत्र मुला ताहिर ग्रली निवासी णीतला माता बाजार, इन्दौर। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हूं :

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी असे से 45 दिन की घर्षां या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की घर्षां, को भी धर्षां काद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी था से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, ध्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगें।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रपृत्त गान्यों और पदों का, जो उन्त श्रीधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाजित हैं, बड़ी प्रये होगा, जो उस ध्रष्ट्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

मकान नं० 4/2 की दूसरी मंजिल स्थित मारोठिया बाजार, इन्दौर।

विजय माथुर, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्र्जन रेज, भोपाल

तारीख: 10-7-1980

प्ररूप माई० टी० एन० एस०— मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल,दिनांक 10 जुलाई 1980

निदेश सं० आई०ए०सी०/एक्बी०/भोपाल--80-81/1665---ग्रतः मुझे, विजय माथुर

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ द० से प्रधिक है

भ्रौर जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर के ग्राधीन 27-11-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के छिनत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के निए प्रन्तिरंत को गई है प्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उनित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐमे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से ग्राधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) ग्रौर ग्रम्तिरती (ग्रन्तिरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्निखित उद्देश्य से उक्त ग्रम्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त प्रधिनियम, के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में 'कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (घ) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रंब, उक्त ग्रंधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं उक्त ग्रंधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रंधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रंथीत :—

- (1) श्री इनायत अली पुत्र श्री इन्नाहीम जी मलेकवाला निवासी 3ए०, मारोठिया बाजार, इन्दौर। (स्नन्तरक)
- (2) श्रीमती जुलेखा पत्नि श्री मञ्जीर हुसैन, निवासी 34, शीतला माता बाजार इन्दौर। (अस्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस यूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वडहीकरण:—इनमें प्रयुक्त गड़दों प्रीर पदों का, जो उक्त प्रधितियम, के भ्रष्टवाय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस भ्रष्टवाय में दिया गया है।

अनुसुची

मकान नं० 4/2 की तीसरी मंजिल स्थित मारोठिया बाजार, इन्दौर।

विजय माथुर, सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 10-7-1980

प्रकप चाई० टी • एन • एस • → ---

आयकर अभिनियम; 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के अधीर मुक्ता

भारत सरकार

कार्यांक्य, सहायक धायकर धायकत (निरीक्षण)

म्रर्जन रेन्ज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 जुलाई 1980

निर्देश सं० श्रार० ए० सी०/एक्वी/भोपाल 80-89/1666--म्रतः मुझे विजय माथुर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जन्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने 'का कारण है कि स्थावर संगत्ति, जिसका छिंदत वाजार मृह्य 25,000/- २० से अधिक है

और जिसकी सं॰ मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद श्रनूसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीक्शर्ता श्रिथकारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 20-11-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमाम प्रतिकार के लिए बन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके षृश्यमान प्रतिकल से, ऐने दृश्यमान प्रतिकल का पन्प्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐने अन्तरण के लिए तयपामा गया प्रतिकल, निन्नलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिखित में वास्त्रविक रूप से कवित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रम्परण से हुई किसी आय की जावन उकत अधिनियम के अधीन कर देने के घरतरक के पायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर धिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गण था या किया जाना जाहिए था, छिपानें में मृश्या के लिए;

अतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269म के धनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपवारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातुः—

- 1. श्री राजेन्द्र कुमार दगदी पुत्र श्री भंवरलाल जी दगदी निवासी 50, राधानगर, इन्बौर। (श्रन्तरक)
- 2. (1) श्री ग्रंकरलाल (2) श्री जयिकशन पुत्र श्री फतनदासजी (3) श्रीमित पदिमिनी देवी पत्नी श्री दीपचन्द्र जी निवासी नार्थ राज मोहरुला, इन्दौर (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोगत सम्पत्ति के धर्वन के सिए कार्यवाहियां करता हं।

एक्ट सम्पति के अर्जन के संबंध में कोई भी आ**जे**प 1----

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की भवसि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर पूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के मीतर उक्त स्वावर संपत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा भवोहस्नाक्षरी के पास विश्वत में किए जा सकेंगे!

स्पच्छीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो उपस प्रक्षितियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही धर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान स्थित प्लाट नं० 50, गोपाल, बाग कालोनी, इन्दौर।

> विजय माथुर सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 10-7-1980

प्ररूप आहे. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 जुलाई 1980

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्वी/भोपाल 80-81/ 1667—-श्रतः मुझे विजय माथुर,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मंपरित जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी मं० मकान है, तथा जो वालाघाट में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बालाघाट में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 6-11-1979

को पृयोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तर्शिया) है बीच एसं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रीतिक्त निम्नितिस्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ल) एसी किसी आय या किसी धन या लन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोश्मिश अन्त रती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:---

- 1. श्रीमती गंगामणी पत्नी श्री श्रनादिरजंन महन्ती निवासी मोहन नगर, दुर्ग। (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती शान्तादेवी, पत्नी श्री गोपाल श्रग्रवाल निवासी बार्ड नं ० 19, बालाघाट (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान का भाग स्थित वार्ड नं० 17, बालाघाट।

विजय माथुर नक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रजन रेंज, भोपाल

नारीख: 10-7-1980

प्ररूप आइं० टी० एन० एस० ↔

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 जुलाई 1980

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एवबी/भोपाल—म्यनः मुझे विजय माथुर,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है।

भौर जिसकी सं० मकार है, तथा जो बालाघाट में स्थित (भौर ध्ससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, बालाघाट में रिजस्ट्रीकरण भ्रधिमियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन 21-4-1980

को पूर्वांक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा का लिए; और√या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में. जक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित स्मिक्तियों अर्थातः—— 1. श्रीमती गंगामणी बाई पत्नी श्रीग्रनादिरजंन महन्ती निवासी मोहन नगरदुर्ग,। (श्रन्तरक)

2. श्री रतन लाल सोनी पुत्र श्री मोती लाल सोनी मैनेजर, महाराष्ट्र बैंक बालाघाट। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर ग्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, अही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हुँ।

अनुस्ची

एक मंजिले मकान का भाग स्थित **वा**र्ड नं० 1*7,* बालाघाट।

> विजय माथुर सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 10-7-1980

मोहरः

4-186 GI/80

प्ररूप आई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

काय्लिय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल]

भोपाल, दिनांक 11 जुलाई 1980

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्वी/भोपाल 80-81/ 1667—म्प्रतः मुझे विजय माथुर,

अत्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. में अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० मकान है, तथा जो रायपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबछ अनूसूची में श्रीर पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रजिस्ट्री-अकरण धिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 3-12-1977

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अम्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वरेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हाँ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थान्:—

 श्री वाहिदगीर खां पुत्र श्री हुसैन खां निवासी अधा-पारा, रायपुरा (अंतरक)

(ग्रन्तरकः)

2. श्रीमती भानू मति पत्नी श्री मनसुखलाल लोटिहया निवासी सती बाजार, रायपुर (अन्तरिती)

(ग्रन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप: --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी मत्री स बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्वष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवां का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहो अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसूची

सकान नं० 9/307, स्थित बूधापारा, रायपुर।

विजयमाथुर, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज भोपाल

तारीख: 11-7-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) को अधीन सूचमा

भारत सरकार

कार्याचय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 जुलाई 1980

निर्देश सं० घाई० ए० सी०/एक्बी०/ भोपाल 80-81/ 1670—स्रतः मुझे विजय माथ्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी मं० प्लाट है, तथा जो जबलपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण का से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्री-करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, 4-12-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दूरयमान प्रतिकत से, ऐसे दूरयमान प्रतिफल का पर्यह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल तिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक स्प से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिधि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; गौर/या
- (ख) ऐसी किसी ब्राय या किसी धन या धन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय ब्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर ब्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः अब, उक्त प्रधिनियम, की घारा 269-च के अनुसरण म, में, उक्त प्रधिनियम, की घारा 269-च की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री जगदीश कुमार श्रीवास्तव पुत्न श्री म्रार० पी० श्रीवास्तय, निवासी नं० 271, नेपियर टाउन, जबलपुर। (ग्रन्तरक)
- 2ू श्री कल्पनादेवी केडिया पत्नी श्री मार० एस० केडिया निवासी 1634, नैपियर टाउन, जबलपुर। (मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए नार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूत्रना के राजन से प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-बद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा स्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छी तरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर मदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्रष्टराय 20-क में परिभाषित है, बही ग्रर्थ होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट न० 162/2—बी, मदनमहल हेल्थ केम्प ्ऐक्शटेन्शन, ् जबलपुर।

विजय माथुर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 11-7-1980

मोहरः

प्रख्य ग्राई० टी० एन०एस०→----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

धर्णन क्षेत्र, भोपयल

भोपाल, दिनांक 11 जुलाई 1980

निर्देश सर्व श्राई० ए० सी० एक्की/भोपाल—श्रतः मुझे विजय साथेर,

भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के प्रधीन सभान प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रु० से भ्रिधक है

श्रौर जिसकी सं० फैंक्ट्री विलिगडन बेंब है, तथा जो श्रागर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, रतलोम में रजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, 2-11-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पखह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत तिम्नतिबित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की वाबत उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के वाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; प्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी घन या अस्य ध्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

गतः धव, उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रिथीन्--

- 1. श्री प्रेमनारायन पुत्र श्री पूरमचन्द (2) श्री रामचन्द (2) शारदाबाई पुत्री श्री पूरमचन्द निवासी माधव नगर, उज्जैन (श्रन्तरक)
- श्री घ्रशोक कुमार पुत्र श्री धर्नारखी लाल द्वारा मेसर्स ग्रानेल कुमार एड कं० डालू मानी बाजार, रतलाम । (ग्रम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वड्डोकरण:--इतमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपत ग्रधिनियम के श्रष्टपाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस श्रष्टपाय में दिया गया है।

अनुसूची

जिनिग फक्ट्री साथ बिल्लिडिंग व कुछा (भाग) स्थित ग्राम तनोडिया, श्रागार, शुलालपुर।

> विजय माथुर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज भोपाल

तारीख: 11-7-1980

प्ररूप आई० टी• एन० एस०---

बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भागुक्त (निरीक्षण) मर्जन क्षेत्र, भोगाल

भोपाल, विनांक 11 जुलाई 1980

निवेश सं० प्राई० ए० सी० एक्वी/भोपाल 80-81/
1672—प्रतः मुझे, विजय माथुर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्वावर सम्पति, जिसका उचित बाजार
मूख्य 25,000/- ६० से अधिक है
प्रौर जिसकी सं० फैक्ट्रीविल्डिंग व कुग्रा है, तथा जो प्रागर में

ग्रीर जिसकी सं० फैक्ट्रीविल्डिंग व कुथ्रा है, तथा जो ग्रागर में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड ग्रनुमूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, रतलाम में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, 2/11/1979

को पूर्विकत सम्पन्ति के उवित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुशे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह रिजित से पश्चित है और प्रस्तरित (अन्तरितयों) को बीच ऐसे अन्तरित के लिए तय पाया गया प्रतिफन, निम्तिविधित उद्देश्य से उकत अन्तरिण लिखित में बास्तिविक रूप से किया उहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अल्लारक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (ख) गेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्यं धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, मझ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :→-

- श्री प्रेम नारायण पुत्र श्री पनमचन्द गर्ग निवासी माधव नगर, उज्जैन। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री म्रशोक कुमार पुत्र श्री म्रनोखी लाल पार्टनर मेसर्स, म्रनिल एंड कं० निवासी 36, डाल मोदी बाजार, रतलाम (म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजनत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सस्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के
 पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्धिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रिविनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रम्याय में विया गया है।

अनुसु ची

जिनिंग फैक्ट्री का भाग साथ बिल्डिंग व कुम्रा स्थित ग्राम तानोडिया, आगर, णुजालपुर ।

> विजय माथुर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्णन रेंज, भोपास

तारीख: 11-7-1980

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०---

भायकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के भवीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेन्ज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 जुलाई 1980

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी० एक्बी/भोपयल 80-81/ 1673---श्रतः मुझे, विजय माथुर,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

भीर जिसकी सं० फेक्ट्रीबिल्लिडिंग व कुआं है तथा जो भ्रागर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से [विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, रतलाम में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 2/11/1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकंत के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है भौर अन्तरक (भ्रन्तरकों) भौर अन्तरिती (भ्रन्तरितयों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तथ पाथा गया प्रतिकल कि निन्तिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या ग्रन्थ भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या घन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भत, भ्रब, उन्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रषीतः —

- 1. श्री रमेणचन्द्र पुत्र श्री पूनमन्चद गर्ग निवासी माधव नगर, उज्जैन। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री ग्रशोक कुमार पुत्र श्री ग्रनोखी लाल द्वारा, मेसर्स ग्रनिल एंड कं निवासी 36, डालू मोदी बाजार, रतलाम । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्हीकरण :---इसमें प्रयुक्त सब्दों भीर पदों का, जो उक्त धिष्ठ-नियम, के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वही भर्ष होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जिनिग फैक्ट्री का भाग साथ विल्डिंग व कुंग्रा स्थित ग्राम तानोडिया, ग्रागर, भुजालपुर ।

> विजय माथुर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीखा: 11-7-1980

प्ररूप अ।ई • टी • एन • एस • ---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व(1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

धार्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 जुलाई 1980

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- द के से अधिक है और जिसकी सं के चावतार्मल, मकान है, तथा जो बिल्हा में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बिलासपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 28/11/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से क्षित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, खकत आधि-नियम के अधीन कर देने के अग्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आप का किसी धन या धन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय अन्तरिती दारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उन्त प्रक्षिनियम को धारा 289-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की घारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्तिलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- श्री रामेश्वर लाल पुत्र श्री मोहन लाल श्रग्रवाल निवासी बिल्हा, बिलासपुर।

(भ्रन्तरकः)

 श्री मनोहर लाल पुत्र श्री दीवान चन्द भ्रग्नशाल निवासी बिल्हा, बिलासपुर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के श्रर्शन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपद में प्रकाशन की लारीख से 45 विन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीयत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाणन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्क किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, धकोहक्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्वो का जी उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो जिस अध्याय में दिया क्या है !

श्रनुसची

श्री हनुमान राईस मिल भूमि क्षेत्रफल 64427 वर्ग-फुट साथ मकान स्थित बिल्हा, बिलासपुर ।

> विजय माथुर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 14-7-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 जुलाई 1980

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्टी०/भोपाल/80-81/ 1675—अतः मुझे विजय माथुर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उपित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है।

श्रीर जिसका सं० मकान है, तथा जो राजनादगांव में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, राजनादगांव में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 17-11-1979

को पूर्वांकत सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त श्रीधनियम के अधीन कर बोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- 1. श्री किशन बिहारी जा (2) श्रीमित सहोदरा बाई बेना पत्नि श्री ताराचन्द्र (3) श्रीमित कलावती बाई बेना पत्नि श्री विहारी लाल गर्मा (7) श्रीमित ताराबाई पत्नि श्री कन्हेंगा लाला शर्मा (5) श्रीमित सीना बाई पत्नि श्री हनुमान प्रसादशर्मा, राजनादगांव (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती गायत्री देवी पत्नि श्री मानिक चन्द शर्मा निवासी, रामाधीन मार्ग, राजनादगांव (श्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

धमुसूची

मकान का एक हिस्सा स्थित रामाधीन मार्ग राजनादगांव (म॰ प्र॰)

विजय माथुर सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज भोपाल

तारीखा: 14-6-1980

प्ररूप आई० टो० एन० एस०----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन न्वता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुका (निरोज्ञण) ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, विनांक 14 जुलाई 1980

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी० /एक्वी०/भोपाल/80-81/ 1676-म्रतः मुझे, विजय माथुर भायकर मिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'जक्त मिधनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख

इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अग्धीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-स्पए से श्रधिक है

श्रौर जिसकी सं मकान है, तथा जो रायपुर में स्थित है (श्रौर इससे छपाबद्ध अनूसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 12-11-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उजित बाजार मूक्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिये अन्तरित की गई है पीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रस्तरक (प्रन्तरकों) भीर श्रम्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रम्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) मन्दरा से हुं किसी आप को बाबत खकत अधिनेयम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उपये चचने म श्विधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या श्रन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरियो द्वारा एकट नहीं किया गया था या किया खाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के जिए;

अतः अब, अक्त अधिनियम, की घारा 269-ग के अनु-सक्ष्म में, में, डक्स अधिनियम की धारा 269-घ की उपघारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् : - · 5—186Q1/80

- श्री गोत्रिन्द प्रमाद, सतीस कुमार, सुभाष कुमार,
 सन्दीय कुमार, कुमारी ज्योति, गोन्दि प्रसाद सभी निवासी
 सदर बाजार रामपुर (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती पुष्पा देवी मोनी पहिन श्री गोरी गंकर सोनी, निवासी सदर बाजार रायपुर (श्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्राजाँव के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील ने 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारोख में 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितब के किसी प्रन्थ व्यक्ति हारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दी हरण:--इसमें प्रयुक्त अध्यों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं. वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गमा है।

ग्रन्पधी

मकान कर्मांक 11/522 स्थित संदर बाजर रायपुर $(म \circ Я \circ)$

विजय मायुर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 14-7-1980

मार् ⊬ः

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, भोपाज

भोपाल, दिनांक 14 जुलाई 1980

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर भन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित चंद्रिय से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; भोर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या भ्रन्य आस्तियों को, जिंग्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए; है

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- श्री लक्ष्मी नारायण भ्रोंकार लाल जोशी निवासी 6-दुबे कालोनी, इन्दौर । (श्रन्तरक)
- 2. डा० (श्रीमती) श्रणरङकिन्नसर पामीना द्वारा सार्विस मेडीकल स्टोर्स महारानी रोड, इन्दौर । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वीका मस्पति के अर्जा के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के ग्रार्वन के गम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूजना के राजात्र में प्रकाशन की सारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब
 किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किये जा सकेंगे।

शब्दोक्टरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अयं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अ**नु**सूदी

प्लाट नं 2 ऐरिया 5505 वर्गभुट स्थित श्रोल्ड पाला-सिया, इन्दौर ।

> विजय माथुर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 14-7-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०——— भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के झधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, दिनांक 14 जुलाई 1980

निर्देश सं० प्राई० ए० सीं०/एववी/भोपाल/ 80-81/
1678—प्रतः मुझे, विजय मायुर
प्रायकर प्रधिनियम, 1981 (1951 का 43) (जिसे इसमें
इसके परचात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के प्रधीन मक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूख्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है
ग्रौर जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है

ग्रौर जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (ग्रौर इससे उपबद्ध श्रन्सूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, 14·11-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तिरित को गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि गणापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिगत से अधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तिरती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धग्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उसत प्रधिनियम के धपीन कर देने के धग्तरक के शयिख में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी भाष या किसी धन या धन्य धारितयों को, जिन्हें भारतीय आयकर धिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त धिधनियम, या धन-कर धिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धार 269-घ की उपधारा 1 के अज्ञीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:

- 1. श्रीमित मेवी बाई पत्नि श्री किणान चन्द निवासी 49-बी, प्रेम नगर कालोनी इन्दौर (ग्रन्तरक)
- 2. श्री जयपाल दास, विशम्भर दयाल ग्रौर मनोज कुमार पुत्र श्री भगवानदास निवासी 86, जयराम पुर कालोनी इन्दौर (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनन सम्पति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख, से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी म्बक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्रव्दोकरण:---इनमें प्रपृक्त मन्दर्र पीर पदों का, जो जनत प्रिव्यासन, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होना जो उप श्रष्टनाय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान ऋंमाक 141 (एक मन्जिला), जयरामपुरा कालोनी इन्दौर

विजय माथुर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण); ग्रजन रेंज, भोपाल

तारीख: 14-7-1980

ाोहरः

प्रकृप माई • टी • एन • एस ० ----

आयनर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व(1) के प्रशीस सूचना

भारत सरकार

कार्यांतय, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 जुलाई 1980

शायकर अधिनियम, 1961 (1901का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/-व॰ से प्रधिक है

भीर जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित (भीर इससे उपाबद्ध भनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकश्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण भिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 13-11-1979

पर्वोक्त सम्मिति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रति-फल के लिए प्रतिरित की गई है और मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि यबार्गोंक्त सम्मित का छित्र बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का प्रवह प्रतिशत से प्रक्षिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) और प्रग्तिसी (भन्त-दितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाथा गया प्रति इत, किम्निलिखित उद्देश्य से छक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप के किया नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से दुई किसी घाय की बाबत उक्त धाविनयम के प्रधीन कर वेने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में पुविधा के लिए; बौर्धा
- (खा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय घायकर ग्रिश्चनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाचं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. स्त्रिपाने में सुविधा के निए।

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-गुके अनुस्रण को, की, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्निशिक्ति व्यक्तिशों अधितः—

- श्रीमित शुसीला बाई बैवा पित श्री पुरुषोत्मक माइलीकर निवासी पित वैद्य कालोनी इन्दौर (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती काशी बाई पत्नि श्री जगन्नाथ गोड निवासी 41 पठत वैद्य कालोनी इन्दौर (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

वक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाबोप :--

- (क) इस सुचना के राजपत में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की सर्वधि, जो भी सर्वधि बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीं के के 45 दिन के मीतर धक्त स्थावर संपत्ति में हिसक्क किसी मन्य व्यक्ति द्वारा श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त अधिनयम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान ऋमांक 41, पंत नेष कालोनी, इन्दौर।

विजय मायुर, सक्षम प्राधिकारी सद्दायक **अ**गयकर **अ**गयुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपास

तारीख: 14-7-1980

प्ररूप भाई ० टी० एन० एस० ----

गायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के घ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 जुलाई 1980

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/एववी/भं।पाल/ ϵt - $\epsilon 1$ 1680—-श्रतः मुझे, विजय माथुर,

प्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रुपए से ग्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो खजराना में रिश्त है (श्रीर इससे उबाबड श्रनसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्री करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, 27-11-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य मे कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है और मुन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित्र वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐते दृश्यमान प्रतिफत के पन्द्रह प्रतिशत से श्रीक है और प्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर प्रम्तरिती (अन्तरितीयों के) बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भाय की वाबत, उबत भ्रमिनियम के भ्रमीन कर देने के भ्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उमसे बचने में मुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधितियम, 1922 (1922 का 11) या उका प्रधितियम, या धन-कर प्रधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ पन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः श्रब, उक्त श्रिष्ठितियम की घारा 269-ग के अनुसरण में. में, उक्त श्रिष्ठितियम की घारा 269-घ की उपशास (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

मेसर्स वैभव सहकारी गृहनिर्माण संस्था मार्याति,
 उदयपुरा, इन्दौर (अन्तरक)

2. श्री रासिक लाल मगनलाल णाह बी० के० एस०, इलेक्टिकल्स निवासी 1/8, माहरानी रोड, इन्दौर (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अजंन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, घघोहस्ताक्षरी के पास लिखित म किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों धीर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुला प्लाट नं० 4 रकबा नं० 1350/1; ऐरिया 5752 वर्ग फुट स्थित गुलमोहर कालोनी, खजराना, इन्दौर।

> विजय माधुर सक्षम प्राधिकारी, सहायक क्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 15-7-1 80

प्रकप आई । टी । एन । एस । ---

भायकर प्रधितियम; 1961 (1961 का 43) की आरा 269-घ (1) के घ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 जुलाई 1980

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी० एक्वी/भोपाल 80-81/1681—— ग्रतः मझे विजय माथुर,

अध्यकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम, प्रधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- रु० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो खजराना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, इन्बौर में रिजर्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 27-11-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के चिनत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई हैं और मुझे यह बिश्वाम करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त मम्पत्ति का उचिन बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से पश्चिक है और प्रस्तरक (भन्तरकों) और अस्तरिती (भन्तरितियों) के बीच एसे प्रस्तरण के मिए तम पामा गमा प्रतिकल, जिम्निणिवत उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किंवत नहीं किया गमा है।—

- (क) धन्तरण सं हुई किसी आप की आवत, उनत अधि-नियम के प्रधीन कर देने के क्रम्करक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुनिजा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अग्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिधनियम, या धन-कर धिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अग्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया धाना जाद्दिए णां, खिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः श्रव, सक्त स्रक्षितियम की बारा १९७-ए के भ्रतुपरण में; में उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपवारा (1) के अधीन, निम्नसिक्त स्यक्तियों, अर्थातुः—

- मेसर्स वेमव सहकारी (निर्माण संस्था मर्यादित 2, उदापुरा, इन्दौर (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमित त्रिनोद पाली श्री ग्रामांक स्थल वालिया निवासी 27, प्रिन्स यमवंत रोड, इन्दौर (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उका सम्यति के प्रजैन के संबंध में कोई भी भाक्षेप : ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविधि मां तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जी भी भविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रम्य व्यक्ति द्वारा, पश्चीदृश्नाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पढ़ों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिचाबित है, वही पथं होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अ**मुसृची**

खुला प्लाट नं. 27 खसरा नं ० 1309 2 एरिया 5400 वर्गाफुट स्थित गुल मोहर कालोनी, खजराना, इन्दौर।

विजय माथुर सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज भौपाल

तारीखा: 15-7-1980

प्ररूप आई० टी॰ एन• एम०-----

आयकर ग्रिजियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 जुलाई 1980

निर्देश सं० म्राई० ए० सी० एक्वी (भोपाल) 80-81/ 1682—अतः मुझे विजय माथुर, धायकर ग्रविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

पायकर श्रवितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उका अधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अबोन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- क्पण से श्रीक्षक है

म्रोर जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (भौर इससे उपबद्ध म्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता म्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण म्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के म्रधीन, 22-11-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और मंतरक (मन्तरकों) भौर भन्तरिती (मंतरितीयों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त मन्तरण लिबित में शस्त्रिक रूप से कांचल नहीं किया गया है:——

- (क) प्रश्तरण से हुई किसी भाष की बाबत, उक्त प्रधितियम के प्रधीन कर देमें के भ्रश्तरक के दायित्व में कमी करने या उसते बचने में सुविधा के लिए भीर/या;
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपःमें में मुविधा के लिए;

अतः, धव, उनन ध्राधितिथम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उन्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, उचीत :—

- 1. श्रो जैठानन्द जगत राम प्रो० मेसर्स जेठानन्द एंड कं० एम०टी० बलाथ मार्केट, इन्दौर (श्रन्सरक)
- 2. श्री पहिलाज राय पुत्र श्री भगतीमल न० 3, जय-राम पुर कालोनी, इन्दौर (ग्रन्तरिती)

जनत सम्पत्ति के प्रार्थन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:-

- (क) इस स्वना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों म से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजगत में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भोतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोत्स्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकें।

•पण्डीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पढों का, जो उश्तः श्रिधिनियम के अध्याय 20 — क में परिभाणित है, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान नं० 77, प्लाट नं० 165, ऐरिया 135 वर्गफुट स्थित जयराम पुर कालोनी, इन्दौर।

> विजय माथुर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) अजैन रेंज, भोपाल

तारीख: 15-7-1980

प्रकप माई• टी• एत• एस•---

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याज्य, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज भोगाल

भोपाल, दिनांक 16 जुलाई 1980

निर्देश सं० आई० ए० मी०/एक्वी०/भोलाल-III/80-81/ 1683--यतः, मुझे, विजय माथुर,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के सधीन सकम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित्र बाजार मून्य 25,000/- २० से अधिक है

प्रौर जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो लपूक्तवर में स्थित है (प्रौर इससे उपाबद्ध प्रनमूची में प्रौर पर्ण क्य से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 19-11-79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से सम के व्ययमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्तह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए सय पामा गया प्रतिफल, निम्तिजिबत उद्देश्य से उन्तर धन्तरण निक्षित में वास्तिक क्य से हियत नहीं किया गया है:——

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी धाप की बाबत; उक्त प्रश्नित्यम के घंधीन कर देने के प्रस्तरक के रायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए: घौर/या
- (ण) ऐसी किमी आय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः ग्रव, उक्त प्रश्निनियमं की धारा 269-गं के धनुसरण में, में, उक्त प्रविनियमं को धारा 269-व की उपघारा (1) के अधोतः निस्तानिकत व्यक्तियों, अर्थातः—

- श्रो बाबू राम सिंह कुणवाह ग्राफिसर इन्चार्ज तसंत बिहार गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित, ग्वालियर । (ग्रन्तरिक)
- 2. श्रीमती सरोज पत्नी श्री बिहारी लाल गुप्ता निवासी लहार, जिला भिन्छ। (अन्तरिती)

को यह मुक्ता बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यनाहियों करता हूं।

चक्त सम्पत्ति के ग्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या ततसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितब के किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धी सरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्स भिध-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

प्लाट नं० 5-ए ऐरिया 3998 वर्गफ्ट स्थित सिन्धिया कन्या बिद्या, लपूकर।

> विजय माथुर सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज भोषाब्स

तारीख: 16-7-1980

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०---

धायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 16 जुलाई 1980

निर्देश सं० ऋाई० ए० सी०/एक्वी०/भोषाल 80-81/1684---श्रतः मुझे, विजय माथुर,

श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-र॰ से ग्रिधिक है

श्रौर जिसकी मं० प्लाट है तथा जो लस्कर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ला श्रधिकारी के कार्यालय, ग्वालयर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 14-11-1979

को पूर्वोक्त लंपित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उकन अन्तरण लिखित में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) भन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायिख में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयहर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः श्रब, उक्त भ्रधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत् :---6—186 GI/80

- श्रो बाबूराम सिंह कुणवाह ग्राफिस इन्चार्ज बसन्त विहार गृह निर्माण महनारी संस्था मर्यादित, खालियर (ग्रन्तरक)
- श्री अवनाण सिंह पत्न श्री एन० एम० बेदी द्वारा बीना यथर टैंडर्स, जमेन्द्र गंज, लक्ष्कर (अन्तरिती)

को यह सुबना जारी हरहे पूर्वीक्त समात्ति के **भर्जन के** लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुनता के राजात में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील ये 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सवान्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इप स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हपड्टी 6 एण: - - इसमें प्रयुक्त पञ्दों और पदों का, जो प्रक्त ग्रिथिनियम के श्रष्टपाय 20-क में परिभाषित है, बही श्रथं होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्ताट तं । 11-सी, ऐरियया 3998 वर्गफुट स्थित सिन्धिया कन्या विद्यालय, लम्कर ।

> विजय माथुर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख 16-7-1980 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज

भोपाल, दिनांक 16 जुलाई 1980

निर्देश सं० म्राई० ए० सी० (एक्स० भोपाल 80-81/1685—म्प्रतः मुझे, विजय माथुर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रू में अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो लक्कर में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पर्ण के रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय खालियर में रजिस्स्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन 30-11-1979

को पूर्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सो, एसे खर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर धेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सिवधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किमी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ण के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थास्:---

- श्री बाबू राम सिंह कुशवाह श्राफिस इन्चार्ज वसंत बिहार गृष्ट निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित, ग्वालियर । (ग्रन्तरिक)
- 2. श्री कु.ण गोपाल श्रस्थाना पुत्र श्री जे० पी० श्रस्थाना 4/8 , शेंख की विगिया नई सड़क, लश्कर। (श्रन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचन की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बस्थ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 10 सीं० ऐरिया 3998 वर्गफूट स्थित सिन्धिया कन्या विद्यालय, लग्कर।

> विजय मायुर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) प्रजैन रेंज, भोपाल

तारीख: 16-7-1980

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रार्जन रेंज, भोपाल
भोपाल, दिनांक 16 जुलाई 1980

निर्देश स० श्राई० ए०सी०/एनशी/भोपाल 80-81/1686— अत:, मुझे, विजय भाषुर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी स० मकान है, तथा जो इब्राहीमपुरा में स्थित (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रिजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 7-11-1979

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, ऐसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और्/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) हे अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

 श्री विजय कुमार व श्री गिरीण कुमार पुत्र श्री सत्य प्रकाण गुप्ता निवासी लखेरापुरा भोपाल।

(भ्रन्तरक)

 श्री अब्दुल रहमान पुत्र श्री हाजी अब्दुल समद निवासी इज्राहीसपुरा, भोपाल ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्डीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हु⁵, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रन् सूची

दो मंजिला मकान रकवा 1203 वर्ग फुट स्थित वार्ड नं० 4, इकाहीमपुरा, भोपाल ।

> विजय माधुर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 16-7-1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) को अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 16 जुलाई 1980

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल/80-81/1687 —यतः, मुझे, विजय माथुर,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम कहा गया हैं), की भारा 269 कि के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण क्ष से विणित है), रजिस्ट्री कर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधान तारीख 21-1-1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक कप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

 श्रीनती मोहिनी बाई पत्नी श्री गोविन्दराम द्वारा श्री होत चन्द पुत्र श्री टेक चन्द भाटिया निवासी 158, जावरा कम्पाउण्ड, इन्दौर ।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती ईण्वरी बाई पत्नि श्री खान चन्द्र निवासी 47, पालसीकर कालोनी, इन्दौर

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में में किसी अयिकत व्यक्तियों में में किसी अयिकत व्यक्तियों।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसूची

एक मंजिला मकान रकवा 2000 वर्गफुट 47, पालसीकर कालोनी, इन्दौर ।

विजय माथुर सक्षम प्राघिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, भोपाल

मतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-म के अनुसरण मों, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थातुः——

नारीख: 16-7-1980

प्ररूप भाई० टी० एत० एस०--

भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कयलिय, महायक आयकर म्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज. 2, दूसरी मंजिल हैन्डलुम हाऊ आश्रम रोड, ग्रहमदाबाद-380009 ग्रहमदाबाद-380009 दिनांक 1 जुलाई 1980

निर्देश सं० 940 एक्यू० 23/6-1/80-81—यतः, मुझे, एस० एन० मण्डल,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जनित बाजार मृत्य 25,000/- इपये से अधिक है

भीर जिसकी संब्रार एस नंब्र सीटी सर्वे नंब्र 82 है तथा जो प्लाट नंब्र अप्रशोक कालोनी, वाडी, बड़ौदां में स्थित है (ग्रौर इससे उगाबद्ध ग्रतुसूची में श्रौर पूर्ण क्य से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण ग्रथिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख नवम्बर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफन के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसीभाय की बाधत उक्त भ्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायिख में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/मा
- (ख) ऐसी किसी श्रायमा किसी धन या भ्रम्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रवं, उपत अधिनियम की बारा 269-व के बनुसरण में, में, उक्त धिधनियम की बारा 269-व की उपवारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिमों, अर्थात् :---

- श्री चतुरवैन बल्लभदास जराडी वाडी, वड़ौड़ा (अन्तरक)
- 2. श्री रत्नलाल फकीरभाई पटनी श्रौर साथी 7, विजय सोसायटी नं० 1 नया खाँडेराव मार्ग, बड़ौदा (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षोप:---

- (त) इा म्वरा के राजाज में जनायन की तारीख से 45 दिन की अप्रधि या नत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रंथोहरूनाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टोकरण: ---इसमें प्रयुक्त गन्दों श्रीरपदों हा, जो उक्त ग्रधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्थानीय मिलकयत श्रार० एस० नं० 264 (पैकी) सिटी 268 सर्वे नं० 82 प्लाट नं० 8, श्रशोक कालोनी, वाडी में श्राई० हुई है। जिसका पूरा वर्णन सेल डीड नं० 5333 में किया गया जिसे नवम्बर, 79 में वड़ीडा सब रजिस्ट्रार वड़ीदा के कार्यालय में रजिस्टर किया गया है।

एस० एन० मण्डल, सक्तम प्राधिकारी, श्रायकर सहायक भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जुन रेंज-2, भ्रहमदाबाद

तारीख: 1-7-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 1 जुलाई 1980

निर्देश सं० 941 एक्स० 23/6-1/80-81---यतः, मुझे, एस० एन० मण्डल,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें) इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० प्लाट नं० 16 ए सर्वे नं० 558-560 है, तथा जो वड़ौदा कसवा में स्थित है स्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता स्रथिकारी के कार्यालय बयेडा में रिजस्ट्रीकरण अथिनियम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख 231-1-1979

को पूर्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाग गया प्रतिफल कि निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसो धन या भ्रम्य आस्तियों की, िन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रजिनियम, या धन-गर अधिनियम, 1957 (1957 का 57) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हार। अकट नहीं। किया गण था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में गुनिधा के जिए;

श्रतः भ्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-य की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्रीमती जयाबेन नरसीभाई पटेल छठा मजला, म्रलका, बड़ोदा

(ग्रन्तरक)

2. श्री इंद्रावदन प्रभुदास, नंदनवन, बड़ोदा-4 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बनुसूची

स्थानीय मलिकयत, प्लाट नं 16 ए, सर्वे नं 558-560 बयेड़ा कस्बा में आई हुई है। जिसका पूरा वर्णन सेल डीड नं 5498 में किया गया है। जिसे वर्षेड़ा सब-रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 23-11-79 को रजिस्टर किया गया है।

एस०क एन० मण्डल सक्षम प्राधिकारी सहायक जायकर आयुक्त, (निरक्षिण) श्रर्जुन रेंज-2, श्रहमदाबाद

तारीख : 1-7-1980

प्ररूप आईं० टी० एन० एस०
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जुन रेंज-2, ग्रहमवाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 1 जुलाई 1980

निर्देश सं० 942 ए०/ एक्वी० 23/6-1/80-81-यत:, मुझे, एस०एन० मण्डल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है।

श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 505, प्लाट नं० 8, है, तथा जो श्रीनिकेतन सोसायटी, स्याजी गंज, बरीड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुभूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, बरोड़ा में रजिस्ट्रीकरण श्रीधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 2-11-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, ध्रसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रीधक है और अन्तरक (ग्रन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पात्रा गया प्रतिफल, निम्तलिखा उद्देश्य में उन्त श्रन्तरण कि खिन में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्त्र में कमी करने या उससे बचने में सृविधा का लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जत. जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, जनसरण में मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269 घ की छाधारा (1) क अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :-- श्रीमती अयश्रीबेन नरेन्द्रभाई पटेल, मगनपाडी का ग्रगला भाग, सथाजीगंज, बड़ोदा

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती प्रभावती नवसचन्द संधवी, 9, गीतानगर कालोनी, प्रतायनगर मार्ग, बड़ोदा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्सूची

मिलिकित का उत्तर भाग स्थानीय जमीन और मकान है जिसका प्लाट नं 8 है। जो सर्वे नं 505 श्रीनिकेकन को ग्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी बरोड़ा कस्बा में है। जिसका पूरा वर्णन सेलडीड नं 5246 में किया गया है। मलिकयत की बरोड़ा सब-रजिस्ट्रार, के कार्यालय तारीख 2-11-79 को रजिस्टर किया गया है।

एस० एन० मण्डल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

तारीख : 1-7-1980

प्रक्प माई० टी० एन० एत०--

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के प्रधीन पूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद कार्यालय श्रहमदाबाद, दिनांक 1 जुलाई 1980

निर्देश सं० 942 बी०/एक्की॰ 23/6-1/80-81---यत:, मुक्को, एस० एन० मण्डल,

बायकर मिंधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसें इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रक्षितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है प्रौर जिसकी सं० सर्वे न० 505, प्लाट नं० 8 है, तथा जो श्रीनिकेतन सोसायटी, समाजी गंज, बरोड़ा में स्थित है, (ग्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बरोड़ा में रिजस्द्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन,न रिख 2-11-1979

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृष्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिकल से ऐसे दृष्यमान प्रतिकल के पन्तह प्रतिक्षत से प्रविक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिकल निम्नतिविक उद्देश्य ये उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक कम से कियत नहां किया गया है:---

- (क) यस्तरण य हुई किसो प्राणकी बाबन उक्त, प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी तिसी प्राप्त या किसी धन या अन्य आस्तियों को. जिन्हें, भारतीय भ्रायकर अधिनियन. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

ग्रतः, अब, उपत धिविनयन की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उपत धिविनयम की धारा 269-व की उपवारा-(1) के धिधान निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:— श्री दिनेश नरेन्द्र भाई पटेल संगनपाडी का प्रगला भाग समाजी गंज, बरोडा

(अंतरक)

 श्रीमती प्रभावती नवलचंद संधवी, 7, गीतानगर सो-सायटी, प्रतापनगर मार्ग, बरोड़ा

(ग्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाणन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर पूचना की तामोल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में म किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :---इनमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दों का, जो उक्त ग्रीधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहां अर्ज होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

दक्षिण भाग की जमीन श्रींर मकान स्थानीय रूप में है प्लाट नं० 8, बरोड़ा कस्बा में सर्वे नं० 505 श्रीनिकेतन सी-सायटी । जिसका पूरा वर्णन सेलडीड नं० 5247 मेंकिया गया है जिसे बरोड़ा सब रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 2-11-79 को रजिस्टर किया गया है ।

एस० एन० मण्डल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, श्रहमदाबाद

नारीख : 1-7-1980

प्ररूप आई. टी. एम. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्णन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

ग्रहमवाबाद, दिनांक 2 जुलाई 1980

निर्देश सं० 943 एस० एपी० 23/6-1/80-81--यत:, मुझे, एस० एन० मण्डल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी जो भार० एस० नं० 978 है, तथा जो प्रताप रोड, बरोड़ा में स्थित है) श्रौर छपाबन्ध अनुसूचि में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 28-12-79

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से शुह्र किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों सुधारि:---- 7—186GI/80

1. भी क्रंदलाल एम० श्री श्रोफ बम्बई

(प्रन्तरक)

2. श्री रसिक लाल त्रिभोवनदास पटेल श्रौर साथी पितांबर-कोटेज, प्रतापनगर, डभाई रोड, दारोडा

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

सनसची

जमीन श्रीर मकान पिताम्बर काटेज के नाम से प्रचालित है। जो प्रताप नगर, डभाई रोड, के दक्षिण भाग में हैं। जिसका श्रार० एस० नं० 948 हैं श्रीर जिसका पूरा वर्णन सेलडीड नं० 1784 में किया गया है। मलकियत को बरोड़ा की सब-रजिस्ट्रार के कार्यालय में 28-12-1979 को रजिस्टर किया गया है।

> एस० एन० मण्डल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाब

तारी**ख** : 2-7-1980

प्ररूप ब्राई॰ टी॰ एम॰ एस॰----

भायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के म्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाध

ग्रहमदाबाद, दिनांक 1 जुलाई 1980

निर्देश सं० 944 एक्बी 23/6-1/80-81---यतः, मुझे एस० एन० मण्डल,

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- क्पए से अधिक है और जिसकी संग्नोर्थ नंग्ये वंग्ये 111 वार्ड नंग्य वहें, तथा जो रूपाबाला दे करा, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है). रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-11-1979

को पूर्वाक्त सम्पत्ति क उचित वाजार मूल्य से कम के बृश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वाय करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का चित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐप दृश्यान प्रतिफल के पन्झह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तथापाया गया प्रतिफित निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त स्पाण जिल्ला में वास्त्रविक रूप से कवित नहीं किया गया है;

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, धक्त अधि-ति । व के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दावित्व में कमी करने या उससे बचने में भुक्तिका के निए; अंप्रीया
- (का) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य बास्तियीं को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त पधिनियम, या धन-कर पधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ पन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृक्षिक्ष के लि ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की बारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त पश्चिनियम की बारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्तिविद्या व्यक्तियों, अर्थात्।— 1. श्रीमती शारक्षावेन चंपकलाल चंपकलाल ठाकुरक्षास की विश्ववा पत्नी श्रीर साथी तीसरा मंजिला, हेवन श्राईसकीम, रूपावाला, टेकरा, सूरत

(अन्तरक)

2. श्री दिलीप कुमार धनराज गांधी जुडाखली, मही धरमपुरा, सूरत

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोत्रत सम्बन्धि के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्तैन के संबंध में कोई भी बाक्रेप:---

- (क) इस पूचना के रावतत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की धविक या सरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की धविक्ष जो भी व्यक्ति बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- ्कः) इस नुक्ता कं सक्तक पें प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के शीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी धन्य अवन्ति द्वारा, घन्नोहस्ताकरी के पास निक्ति में किए जा सकेंगे।

स्यव्हीतरगः --इसर्ने प्रपृक्त कव्वी और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित, है, वही अर्थ होगा, जो उन धडराय में विया गया है।

धनुसूची

एक मलेकिन जो क्रमांक नं० 111, वार्ड नं० 3, रूपाबाला टकरा,सूरत में आई हुई है। जिसे तारीख 29-11-79 को रजिस्टर् किया गया है।

> एस० एन० मण्डल सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, श्रह्मदाबाद

न रिकेशक: 1-**7-**1980

प्ररूप ग्राई० ही० एन० एस०----

म्रायकर ग्रंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 1 जुलाई 1980

निर्देश सं० 945 एक्की ० 23/6-1/80-81---यत:, मुझी, एस० एन० मण्डल,

मायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के प्रयीत जनम गाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है और जिसकी सं० नार्थनं० 889-ए, और 889-बी है, तथा जो ऊथु गोर मोहल्ला, सूरत में स्थित है (प्रौर इससे उपाबद धनुसूची में धौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण प्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 2-11-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है घीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर प्रन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे प्रन्तरंग के लिए तर पाया गया प्रतिकत्त, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरंग निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (ह) अन्तरण ते हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरह के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अबः, उन्त पश्चितियम भी धारा 269-ग के पनुसरण में, में, अन्त प्रक्षितियम को घारा 269-न की अनवारा (1) के अधीत, तिम्तलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-- 1. श्री पालनजी खरशीवजी बेजनवाला श्रीर साथी श्राथुगोर मोहल्ला, नानपुरा, मूरत

(भ्रन्तरक)

2. श्री युसुफभाई दाउदखान बेगाली लोखन्डवाला, 81, नरमदनगर, श्रादर्श सोसायटी, श्रथवा लाईन, सूरत (श्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्वन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजरत में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन की प्रत्रिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में प किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इ.स. सूत्रता के राजरत में प्रकाशन की तारीख ने 45 दिन के भीतर तकत स्थायर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दारा, प्रशोहस्ताभरी के गान निखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिसरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्राध-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही सर्व होगा, जो उस स्रक्ष्माय में दिया गया है

प्रनुस्षी

भिलिकियन जो क्रमांक नं० 889-ए श्रीर 889-बी श्राशुगोर मोहल्ला, नानपुरा, सूरत में श्राई हुई है। जिसे तारीख 2-11-79 को रजिस्टर किया गया है।

> एस० एन० मण्डल सक्षम श्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

तारीख: 1-7-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

श्रहमवालाद, दिनांक 1 जुलाई 1980

निर्देश सं० 946 एक्बी० 23/80-81—यतः, मुझे, एस० एन० मण्डल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं नोध नं 2029, वार्ड नं 10 है, तथा जो सूरत में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद भ्रनुसूची में ग्रौर पूण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता धिकारी के कार्याक्ष्य, सूरत में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 14-11-1979

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का प्रन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उव्वरेष से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई फिली आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तित्यों अधृति:---

- 1. श्री भगवतलाल वासुदेव नानपुरा, सूरत (ग्रन्तरक)
- 2. श्री वयालजी भाई पुरुषोत्तम वाडी फलिया, सूरत (श्रन्तरिती)

को सह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परितृ के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकागे।

स्फ्र क्टि करणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नोध नं 2029, वार्ड नं । 0, सूरत में माई हुई है मलिकयत सूरत के रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 14-11-79 को रजिस्टर की गई है।

> एस० एन० मण्डल सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

तारीख: 1-7-1980

प्रकप आई० टी॰ एन॰ एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 2 जुलाई 1980

निर्देश सं० 947 एक्वी० 23/16-7/80-81—यतः, मुझे, एस० एन मण्डल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है

भ्रौर जिसकी सं० नोध नं० 194, वार्ड नं० 3 है, तथा जो नावापुरा, घांची भेरी, सूरत में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908

का 16) के घ्रधीन, तारीख 19-11-1979 को सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ध्रम्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्छह प्रतिशत अधिक है और ध्रन्तरिक (ध्रन्तरिकों) भौर ध्रन्तरिती (ध्रन्तरितियों) के बीव ऐसे अंतरण के लिए त्राय पाया गया प्रतिकत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ध्रन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अग्तरण से दुई किसी आय की बाबत, दिक्त अधिनियम के साधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारते य प्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त समिनियम, या धन-कर स्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के म्रतोजनार्य प्रश्तिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जियाने में सुविद्या के लिए;

जतः अब, उनत अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त पश्चिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन, निम्मविखित व्यक्तियों, अर्थात्।— 1. श्रीमती इच्छावेन नवीनदास, मोती राम की विधवा श्रीर साथी नानावत, प्रधान मार्ग, सूरत

(ग्रन्सरक)

 गमनदास रनछोड़दास गांधी श्रीर नाथी सवापुरा, घांची शेरी, सूरत

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपल्ल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्त प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त क्यावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रकोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जी उक्त अधि-नियम, के घड्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जी उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

क्रमांक नं० 194 वार्ड नं० 3 में जिसे सूरत में तारीख 19-1 1-79 को रजिस्टर की है जो मलिकयत घांची शेरी नं० 2 नावापुरा, सूरत में ग्राई हुई है ।

> एस० एन० मण्डल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2, भ्रह्मदाबाद

तारीख: 2-7-1980

प्रकृत धार्थ≉ स्त्री० एस० एस०-----

भायकर श्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के भ्रिधीन सूचना

भारत सरकार

क्तकालिय, सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-, प्रमुहमदबाद

प्रहमदाबाद, दिनांक 2 जुलाई 1980

निर्देश पी० आर० नं० 948एक्वी० 23-4/80-81——यतः, मुझो, एस० एन० मांडल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की झारा 269-ख के सभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-वप्य से सिक है

श्रौर जिसकी सं क्षेत्र नं 250, पैकी जमीन है, तथा जो विजलपोर, सालुका नवसारी में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नवसारी में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, (1908 1908 का 16) के श्रधीन तारीख 20-11-79

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पूर्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है धीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उतके पूर्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूर्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर अन्तरक (प्रन्तरकों) भीर प्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय गाया गगा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण निज्जित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिध-नियम, के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (का) ऐसी किसी आप या किसी घन या चन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

भतः, भवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के भनु-सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयातः --- श्रीमती सुमिल्लाबेन—मंगुभाई उर्फ नंदभाई की विधवा विजलपोटर तालुका नवसारी।

(ग्रन्तरक)

 प्रेजीडेंट : श्री लक्ष्मणभाई बंसीलाल भावसार चेयरमैन : श्री देवीदास विष्णु, विजलपौर, तालुका--नवसारी ।

(म्रन्तरिती)

को यह सूधना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के क्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अध्य व्यक्ति द्वारा, अधोत्स्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे:

स्पच्छीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों घोर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ऋमांक नं० 250, जिसे नवसारी में तारीख 20-11-79 को रजिस्टर किया है, वो जमीन विजलपोर, तालुका नवसारी में ग्राई हुई है।

> एस० एन० मांडल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-^{II}, भ्रहुमवाबाद

दिनांक: 2-7-1980

प्ररूप माई० टी० एन० एत०---

भ्रायकर भ्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269थ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायका (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमवाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 3 जुलाई 1980

निर्देश सं० पी० आर० 949, एक्बी० 23/80-81—यसः, भुझे, एस० एन० मांडल,

धायकर मिस्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिद्यिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीत सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- घपए से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० सिटी नं० 151, सिटी सर्वे नं० 5825 पैकी स्नार० एस० नं० 12, 12/1 है, जो नवसारी में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, नवसारी में रिजस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 23-11-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्ति काजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम या धनकर अधिनियम नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाएं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव उक्त ग्रिविनियम की धारा 269ग के श्रनुसरण में, में, उक्त ग्रिविनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के ग्रिवीन) निम्निलिखित क्यक्तियों, अर्थात्:— 1. श्री देवसीभाई ऊधवजी परमार रनछोड़जी मोहल्ल नवसारी

(ब्रन्तरक)

- 2. (1) श्री राजेन्द्र कुमार मोहनलाल णाह, लाल बाग के सामने, बाजार, वीलीमोरा;
 - (2) श्री रजनीकांत मूलचन्द शाह जावेरी रोड, महाबीर नगर, नवसारी
 - (3) चम्पकलाल, मगनलाल शाह सोनीवाड, वीलीमोरा

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुँ।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: →-इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का जी उक्त श्रधि-नियम के श्रध्याय 20क में परिभाषित हैं वही श्रवं होगा जो उन्न श्रध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

नं० 151, सीटी नं० 5825 पैकी, पुराना क्रमांक नं० 12, 12/1 प्लाट नं० 47, जिसे तारीख 27-11-79 को रजिस्टर किया है, वो जमीन नवसारी में ग्राई हुई है।

एस० एन० मण्डल सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

दिनांक : 3-7-1980

प्ररूप आई०टी०एन०एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269- पू (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यासय, सहायक आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 4 जुलाई 1980

निर्देश सं० पी० आर० नं० 850 एक्बी० 23/80-81---यतः, मुझे, एस० एन० मण्डल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है।

भीर जिसकी सं नोर्थ नं 2083, वार्ड नं 6 है, तथा जो वाखना चकला, सूरत में स्थित है (श्रीर इससे छपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1980 का 16) के श्रधीन तारीख 29-11-1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पन्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से एने दूरयमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कृष्यित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/बा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के आधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. श्री बालु भाई मूलचन्दवास पटेल वराछा रोड, सूरत (ग्रन्तरक)
- 2. श्री प्रेमजीभाई थोभाभाई पटेल, चरखन चकला, सूरत (ग्रन्परिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमं, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

प्रनुसूची

नोधनं 2083, वार्डनं 6 चरखन चकला सूरत में जिसे तारीख 29-11-79 को रजिस्टर किया है।

> एस० एन० मण्डल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, भ्रहमदाबाद

दिनांक: 4-7-1980

प्रकप झाई० टी० एत० एस०-

ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-थ (1) के ग्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज-1, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 4 जुलाई 1980

निर्देश सं० पी० प्रार० नं० 1075 एक्वीं० 23-J---80-81 पतः, मुझे, एस० एन० मांडल,

मायकर मिश्रिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रिधिकारी को, यह विक्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- कु से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० सी० एस० नं० 2580 शीट नं० 36 है, तथा जो जमाखतवाला शेटी, जेतपुर जिला राजकोट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 22-11-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकल क पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) धन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, खक्त प्रक्रिमियम, के ध्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रम्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर प्रधितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधितियम, या धन-कर श्रधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविद्या के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त श्रीधिनियम, की धारा 269-भ की उपधारा (1) के धधीन निम्मिलिक व्यक्तियों, शर्यात्:——
8—186GI/80

 श्री पटिल वेषजी अस्थाभाई लक्कंट रामवाडी तजदीक, खोदपरा, जेतपुर

(अन्तरक)

 एम्को डाइंग एण्ड प्रिटिंग वक्से जमाखतवाली शेटी, जेतपुर जिला—-राजकोट

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के घर्जन के सम्बंध में कोई भी घाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 विन की ध्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की सारीख ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्हीकरण:--इतमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो छक्त श्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही शर्य होगा, जो छस शब्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जो 632 वर्ग गज जमीन पर सी० एस० नं० 2580, गीट नं० 36 से जमाखतवाली गेटी, जेतपुर में स्थित है। जो जमीन जेतपुर रजिस्ट्रीकर्ता कार्यालय में बिक्री खत नं० 263/79/22-11-79 से रजिस्ट्री की गई है और सम्पूर्णनः वर्णित की गई है।

एस० एन० मण्डल स**क्षम प्राधिकारी** सड्यिक श्रायकर स्रा**युक्त (निरीक्षण)** स्रर्जन रेंज-I, श्र**हमदा**बाद

दिनांक: 4-7-1980

्र - - - प्रखप आई० टी० एन० एस०--

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 8 जुलाई 1980

निर्देश सं०पी० ग्रार० नं० 1076 एक्वी० 23-1/80-81 --धतः, मुझे, एस० एन० मण्डल,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रु० से भधिक है

प्रिष्ठिक है

श्रीर जिसकी संव सीव एसव वार्ड नंव 3,एसवनंव 1723 पैकी
है, तथा जो वाडीया रोड, पोरबन्दर में स्थित है (श्रीर इससे
छगाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री कर्ता छाधकारी के कार्यालय, पोरबन्दर में रिजस्ट्री करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 22-11-1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह् प्रतिशत ग्रधिक है श्रीर श्रन्तरक (अन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया श्रनिकन निस्तिवित उद्देश्य में उका प्रतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी अप की बाबत उक्त अधि-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रव, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-य की ,उपधारा(1) के ग्रधीन, निम्नलिखित ध्यक्तियों, ग्रथीत्:—— श्री प्रवीण कुमार वल्लभदास पाउ सुलखाडा, पोरबन्दर

(अन्तरक)

 श्री बाबुभाई गोविंद पंजरी फिस गार्केट नशदीकः, पोरबन्दर

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:----

- (क) इस सूचना के पाजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो छक्त छि-नियम के झध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस झब्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जो सी० एस० वार्ड नं० 3, एस० नं० 1723 पैकी 220.90 वर्ग गज जमीन पर वाडिया प्लाट, पोरबन्दर में स्थित है । ये जमीन पोरबन्दर रजिस्ट्रीकर्ता कार्यालय में रजिस्ट्री नं० 3435/22-11-79 से रजिस्ट्री की गई है श्रौप विक्री खत में संपूर्णतः वर्णित की गई है।

एस० एन० मण्डल सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

नारीख: 8-7-1980

प्रसप धाई० टी० एन० एस०---

म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (मिरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, प्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 8 जुलाई 1980

निर्देश सं० पी० ग्रार० ने० 1077 एक्वी० 23-I/80-81—यतः, मुझे, एस० एन० मण्डल,

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त प्रधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० सी० एस० वार्ड नं० 3, एस० नं० 1723 पैकी है, तथा जो वार्डीया रोड़, पोरबन्दर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, पोरबन्दर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-11-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा। वंकित मम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल के एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशन अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और श्रन्तरिती (अन्वरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निजित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से स्थित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के अधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रव, उना अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखन व्यक्तियों, श्रर्थात् :---

- 1. श्री प्रभुदास देवचंद चोटाई, सुतरवाडा, पोरबग्वर । (ग्रन्तरक)
 - श्री बाबुलाल गोविन्द पंजरी, फिशा माकेंट के पास, पोरबन्दर।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के ग्रर्जन के लिए कार्मवाहियाँ करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी
 श्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितबड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका सी० एस० नं० 3 एस० नं० 1723 है प्रोर को 220.90 वर्ष गज, वाडिया प्लॉट पोरबन्दर में स्थित है। ये जमीन पोरबन्दर रजिस्ट्रीकर्ता कार्यालय में बिकी सब रजिस्ट्री नं० 3436/22-11-79 से रजिस्ट्री की गई है श्रौर बिकी खत में संपूर्णतः वर्णित की गई है।

एस० एन० मण्डल स**क्षम प्राधिकारी** सहायक स्रायकरस्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, स्रहमदाबाद

तारीख : 8-7-1980

प्रसप आई० टी० एन० एस०---

आयकर श्रिजिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा-269-च (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद कार्यालय श्रहमदाबाद, दिनांक 8 जुलाई 1980

निर्देश सं० पी० भ्रार० नं० 1980 एक्बी० 23-1-80-81--यतः, मझे, एस० एन० माण्डल,

श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्रिधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से ग्रिधिक है ग्रौर जिसकी सं० पुरानी कोटन ग्राइल मील है, तथा जो गांव समखीग्राली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रमुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, मचाउ में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख नवम्बर 1979

कोपूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ध्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) भीर ध्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अग्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अग्तरक के दायिख में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

क्षतः, अल, उन्त ग्रधिनियम की धारा 269-म के मनु-भरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रयांस्ः—

- 1. नेशनल कॉटन एण्ड श्राइल मील के वास्ते
 - 1. भीमजी लक्षमण लकडीया
 - 2. जी० एच० लकडीया
 - भीमजी, धनजी भौर दूसरे भचाउ, कच्छ

(ग्रन्तरक)

2. श्री खीमजी मुन्सी शाह, भचाउ, कच्छ (श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के मर्जन लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्बक्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप:--

- (क) इस सूबना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस मूचना के राजनल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में वितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोत्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भक्षि-नियम के श्रष्ठवाय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मुख्य फक्टरी शड, वाला गोडाउन और एक सी० जी० माई० गोट, छप्परवाला गोडाउन और दो मेंग्लोर टाईल्स वाले मकान, जो 20630.50 वर्ग गज जमीन पर 5 एकर खेतीकीय जमीन के साथ गांव—समखीमाली तालुका—भाषा में स्थित है। ये मलकियत रजिस्ट्री नं० 939 से तारीख नयम्बर 79 को रजिस्ट्री की गई है और बिकी खत में संपूर्णतः वर्णित की गई है।

एस० एन० माण्डल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

सा**रीख** : 8-7-1980

प्रकप भाई। डी । एन । एत । ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घारकर धार्क्त (निरीक्षण)

ग्नर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 8 जुलाई 1980 सं०पी० ग्रार० नं० 1079 एक्बी 23-II, 80-81---यतः, मुझे, एस० एन० माण्डल,

अ'यकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 268-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- व० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० ए० श्रार० एस० नं० 108/1 सब प्लोट नं० 3, है तथा जो एरोड्राम रोड के नजवीक, जामनगर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, जामनगर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 27-11-1979

को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृष्य से कम के बृश्यमान प्रति-फल के बिये प्रश्तिरत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिती (श्वन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल. निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, छक्त मिन्नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के कायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मीर/गा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अम्तरिती द्वारा प्रकट मही किया गया था या किया जाना चोहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 26% म के प्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की बारा 26% के की वपद्यारा (1) के अधीम, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् !——

- 1. श्री नटबरलाल खेरिज लोपट जामखंभालिया (ग्रन्तरक)
- 2. (1) श्री लीलाधर नरसीभाई हरीया ग्रामं कालोनी, जामनगर,
- (2) श्रीमती गंगाबेन लीलाधर रसंगणर, तालुका लाल पर जिला-जामनगर

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वींक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की धवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, यो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भन्नोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यद्वीकरणाः ---इसमं प्रयुक्त शब्दों मीर पदां का, जो उक्त प्रक्षि-नियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वही भवें होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका माप 3993.09 वर्ग गज है, श्रीर जो श्रार० एस० नं० 108/1, प्लोट नं० 3 से एरोड्राम रोष्ठ के नजदीक, जामनगर में स्थित है । ये जमीन बिक्री खत नं० 2638 से 27-11-79 को रजिस्ट्री की गई है श्रीर बिक्री खत में संपूर्णतः विणित की गई है ।

एस० एन० माण्डल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

ता**रीख** : 8-7-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाध ग्रहमदाबाद, दिनांक 8 जुलाई 1980

निर्देश सं० पी० भ्रार्० नं० 1080, एक्वी० 23-I, 80-81— यतः, मुझे, एस० एन० मान्डल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० ध्रार० एस० नं० 108/1 म्लोट नं० 3 है, तथा जो एरोड्राम रोड के नजदीक, जामनगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ध्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जामनगर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 27-11-1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथ्त नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयु की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और√या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था छिपाने में सिवधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कें. अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखिस व्यक्तियों, अर्थात्:——

- श्री नटवरलाल खोराज पोपट जामखंभालिया (ग्रन्तरक)
- श्री केशवलाल परवतभाई शाह श्री वीरचंद परवतभाई शाह दबसंग तालुका लालपर, जिला—जामनगर

(भ्रन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सुम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपु:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही बर्धहोगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

खुली जमीन जिसका माप 3881.3 वर्ग गज है, श्रौर जो श्रार एस जं 108/1, प्लौट नं 3 से एरोड्राम रोड के नजदीक, जामनगर में स्थित है। ये जमीन रजिस्ट्री नं 2637 से तारीख 27-11-1979 को रजिस्ट्री की गई है श्रौर बिक्री खत में संपूर्णतः विणित की गई है।

एस० एन० मान्डल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- श्रहमदाबाद

तारीख: 8-7-1980

प्ररूप आई • टी ० एन • एस • −

आ्यकार **अधित्यम, 196**1 (1961 का **43**) की घारा 2**69-व (1**) के **घधी**न सूचना

भारत सरकार

कार्वालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्पर्जन रेंज-। अहमवायाद

श्रहमदाबाष, दिनांक 7 जुलाई, 1980

निर्वेश सं० पी० भार०नं० 1081, एक्यी०-23-J/ 80-81----यतः, मुझे, एस० एन० मान्डल,

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-मा के अधीन भक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- कर से अधिक हैं

25,000/- कर से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० शेंड 21 से 24, एस० पी० नं०
130/1/2, एफ० पी० 130 टी० पा० एस०-10 है तथा
जो रखीयाल, प्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध
प्रनुस्ची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिक्स्ट्रीकरण श्रधिनियम,
1908 (1908 का 16) के प्रधीन 28-11-1979
को पूर्णिक सम्पत्ति के उचिन बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान
प्रतिक्त के लिए अन्तरित की गई है पौर मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार यूल्य,
उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के वश्वह
प्रशिश्त से अधिक है धोर धन्तरक (धन्तरकों) धोर धन्तरिती
(अन्तरितयों) के बीच ऐसे धन्तरण के निए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नाभिवित उद्देश्य से उक्त धन्तरच लिखित में वास्तविक रूप से स्थित नहीं किया गया है।---

- (क) अग्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के ससीन कर देने के सन्तरक के दायिश्व में कभी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए। भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अग्व आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर पिष्ठतिथम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर शिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए वा, जिपाने में सुविधा के सिए;

भतः भव, उन्त भिधितियम की खारा 269-ग के अनु-सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविधान व्यक्तियों, अर्थीन्:---

- (1) मौना लेन्ड डेबलपमेंट कार्पोरेशन के द्वारा श्रीमती मधुरीका प्रवीण चन्द शाह, कल्पना, 13, सौराब्द्र सोसायटी पालजी के नजदीक, श्रहमदाबाय। (श्रन्तरक)
- (2) श्री नवनीत लाल एम० शाह, 27, भवानी भवन, भवानीशंकर रोड, दादर, बम्बर्ड। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उयत संपत्ति के प्रार्थन के संबंध में कोई भी प्राप्तीय।---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन की शबधि या तत्सवंशी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की शबधि, को भी शबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संम्यत्ति में हित-बद्ध किमी भन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टोहस्ताक्षरी वे पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों सीर पदों का, जो जनत धिर्मित्यम के ग्रह्माय 20-क में परिभाषित हैं. वहीं अर्थ होगा जो उस ग्रह्माय में दिया गया है।

पनुषुषी

मोड नं० 21 से 24, जो 741.50 वर्ग गज जमीन पर एफ० पी० नं० 130, एस० पी० नं० 130/1/2, टी० पी० एस० नं० 10 से रखीयाल, ध्रहमवाबाद में स्थित है, ध्रौर रजिस्ट्री नं० 12604 से 28-11-1979 को रजिस्ट्री किये गये हैं।

एस० एन० मान्डल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज-^J, श्रहमदाबाद

तारीखा: 7-7-80

प्ररूप माई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

भायकर भिक्षितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर अध्युक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-र्रे, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 जुलाई 1980

निर्देश सं०पी० श्रार० नं० 1082 एक्वी०-23-I-80-81--श्रतः मुझे, एस० एन० मान्डल,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवात 'उक्त श्रिधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र॰ से ग्रिधिक है

स्नीर जिसकी सं० प्लाट नं० 48, है। तथा जो स्नीखा पोर्ट लाईन, न्यू बजार लाईन, स्रोखा पोर्ट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध सनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता सिकारी के कार्यालय, कल्याणपुर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिन्तियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 2–11–1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित महीं किया गया है:——

- (क) प्रग्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिश्चित्यम के ग्रिश्चीत कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उनत ग्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीव निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रयीत:-- (1) श्रीमती दीवाली बाई खीमवास बाझार लाईन के पीछे श्रीखा पोर्ट।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जेराम जीखाभाई झाला बाझार लाईन के पीछे श्रीखा पोर्ट।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रजान के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 विन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जो सकेंगे।

हपब्दीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों धीर पदों का, जो 'उन्त ध्रधिनियम', के भ्रष्याय 20-क में परिभाषित है, वही भर्य होगा, जो उस भ्रष्याय में विया गया है।

अनुसूची

चार ब्लोकपाली मिल्कत जो 400 वर्ग गज जमीन पर प्लाट नं० 48 से न्यू बाझार लाईन, झोखा पोर्ट पर स्थित है, य मिल्कत रिजस्ट्री नं० तारीख 2-11-1979 को रिजस्ट्री की गई है और बिकी खत में संपूर्णतः वर्णीत की गई है।

एस० एन० मण्डल सक्षम अधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, अहमदाब।द

ना**रीख**: 7—7—80

मोहरः

प्रकप धाई• टी• एन• एस•--

भागकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भवीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

ग्रह्मदाबाद, दिनांक 10 जुलाई, 1980

निर्देश सं० पी० प्रार० नं० 951, एक्वी०/23/IJ/80~

81—-यतः, मुझे, एस० एन० मान्डल, भायकर भ्रधिनियम, 1981 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से श्रधिक हैं और जिसकी सं० सी० एस० नं० 1058 है। तथा जो जतलपुर बड़ौदा में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 26-11-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उतित बाजार मृत्य से कम के बृश्यमान प्रतिक्रम के लिए धम्तरित की वई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यशापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमाम प्रतिक्रम से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रम का पन्द्रह प्रतिशत ग्रीधक है और श्रम्तरक (भ्रम्तरकों) गौर भ्रम्तरिती (भ्रम्तरितियों) के बीच ऐसे धम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्रम, निम्नसिखित उद्देश्य से स्वत भ्रम्तर्ग निक्ति में वास्तिक कप से किनत नहीं किया गया है:—

- (क) धम्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त धिविनियम के भ्रभीन कर देने के भ्रम्तरक के दायिक्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या पन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर प्रविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रविनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, खियाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः धन, उन्त ग्रविनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उन्त ग्रविनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---9—186GI/80

- 1. श्री रणछोडभाई नारणभाई मंजलपुर, बड़ीदा। (श्रन्तरक)
- 2. (1) श्री धनजीभाई णामजीभाई पटेल
 - (2) छगनभाई, जीवाभाई पटेल, 10, कस्तूरबा नगर, बड़ौदा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धविध, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी धविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा ध्रधोहस्ताकारी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उबत भ्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही भ्रंथ होगा जो उस भ्रध्याय में विया गया है।

प्रनुसूची

खुली जमीन जिसका सी० एस० नं० 1058 है श्रीर जो बड़ौदा में स्थित हैं, ये जमीन बिक्री खत नं० 5506 श्रीर 5507 से रजिस्ट्रीकर्ता कार्यालय, बड़ौदा में रजिस्ट्री की गई है श्रीर संपूर्णतः वर्णित की गई है।

> एस० एन० मान्डल, सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरक्षिण) भ्रजन रेंज-II, श्रहमदाबाद

तारीख : 10-7-1980

मोहरः

प्रकृप आई • टी • एन • इस • • • •

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की खारा 269-थ (1) के समीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 8 जुलाई, 1980

निर्द्रोग सं० पी० ग्रार० नं० 1083, एक्वी० 23/1/80-81-- प्रतः, मुझे, एस० एन० मान्डल, आयकर अधिनियम, 1961 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'खनत पश्चिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधान सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका 25,000/-रुपये से ग्राधिक है मृत्य ग्रीर जिसकी सं० पालडी टी० पी० एस०-6 एक० पी० नं० 189 रैकी सब प्लाट-ए है तथा जो पालडी जन मरवन्ट बस स्टेन्ड के पास, श्रहमदाबाद में स्थित हैं (ग्रीर इससे उगवद्व अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में रजिस्ट्री-करण ग्रोधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 14--11--1979 को पूर्वोक्त स्योत के उचित साकार मुख्य से कम दुश्य गत प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है पौर मुझे यह विष्यास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का **च**ित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अखिक है और अन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे ार रण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, निम्नलिकित उद्देश्य मे उस्त प्रश्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी पाय की बाबन छक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अग्तरक के दायित्व में कपी करने या उससे वचने से सुविधा के लिए; और/या
- (ख) तेपी िनी आप या किसी धनया अन्य आस्तियों को, किन्हें भारतीय धायकर ध्रिप्तियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर पश्चितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गण था या किया जाना थाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनु-सरण पें, मैं. उक्त पिचरियम की धारा 269-भ की उपघारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :---

- (1) श्री मचेशभाई राजेग्द्रकुमार वक*िल,* राजेन्द्र भवन, फतेहपुरा के सामने, सरखेज रोड, श्रहमदाबाद । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री पालडी शोपिंग सेन्टर एण्ड फ्लैंट श्रोनर्स एसोसियेशन के द्वारा—चेयरमैन: किणोर हुक्मीचन्द 3-श्री, हाईलेण्ड पार्क सोसाइटी, गुलबाई टेकरा, पोलीटैक्नीक के सामने, श्रहमदाबाद, सेकेंटरी: जयप्रकाश हीराचन्द, भुलाभाई पार्क, गीता मन्दिर रोड, श्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

एकत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रम्थ क्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पड़ी हरण: -- इन्यें प्रपृक्त मध्यों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्यायम दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजलेबाला मकान जो 703 वर्ग गज जमीन पर एक० पी० नं० 189 एस० पी० नं० ए का टी० पी० एस० नं० 6 से सरखेज रोड, पालडी, श्रहमदाबाद में स्थित है। ये मकान रजिस्ट्री नं० 12427 से तारीख 14-11-1979 को रजिस्ट्री किया गया है श्रीर बिकी खत में संपूर्णतः विणत है।

एस० एन० मान्डल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

तारीख: 8-7-1980

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1 कार्यालय

ग्रहमदाबाद, दिनांक 8 जुलाई 1980

सं० पी० श्रार० नं० 1084 एक्वी 23-1, 80-81:--श्रतः मुझे एस० एन० मान्डल,

आपकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 260-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका चित्र वाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

भीर जिसकी सं० टी० पी० एस०-6, एम० पी० नं० 189, सब प्लाट नं० बी० है तथा जो सरखेज रोड, भ्रहमदाबाद में स्थित है (और इससे ज्याबद्ध श्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकार के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 27-11-1979,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करा का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दृश्यमान प्रतिफल का पग्रह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित को वोच एसे अन्तरण के लिए तय पाया यया प्रतिफल, निम्नलिखा उद्देश्य से उक्त धन्तरण निवित में वास्तिवक कप से किंवन नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की वाबत, उक्त व्यक्तियम के भ्रमीत कर देने के भन्तरक के दायिल्य में क्रमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए। बोर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी घन या अध्य मास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर ग्रेष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम या घन-कर ग्रेष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व अध्यरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया बाया किया जाना वाहिए था, खिनाने में सुविधा के सिए।

सतः ग्रथ, उक्त धिविनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त धिविनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखन व्यक्तियों, अर्थात्।—— (1) दीनेशभाई राजेन्द्र कुमार बकील खुद श्रीर सगीर कुतील दोनेश भाई के अभिभावक फतेहपुरा के सामने, राजेन्द्र भवन सरखज रोड, श्रहमदाबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री पालडी शोपिंग सेन्टर ग्रौर ग्रोनर्स एसोसियेशन, के द्वारा, 1. चेयरमैन—किशोर हुक्मीचन्द 3-वी, हाईकोर्ट लेन्डपार्क, गुलबाई टैक्स ग्रहमदाबाद, 2. सेकेटरी,—जयप्रकाश किशनचन्द, तुलसीयानी भवन, भुलाबाई पार्क के नजदीक गीतामस्विर रोड, श्रहमदाबाद।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक किसी जन्म क्यक्ति द्वारा, बाबोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकेंगे।

ह्वडहोकरग --इसमें प्रयुवत गन्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रीवित्यम, क श्रुडवाय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस प्रशाय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका माप 293 वर्ग मीटर है फ्राँर जो एफ० पी० न० वि का टी० पी० एम० न० वी का टी० पी० एम० न० वी का टी० पी० एम० न० 4 मे नरखेज रोड अहमदाबाद में स्थित है। ये जमीन रिजस्ट्री नं० 12872 से तारीख 27-11-79 को रिजस्ट्री की गई है फ्राँर सम्पूर्णतः विणित की गई है।

एस० एन० मान्डल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) ग्रर्जन रोंज, अहमदाबाद

तारीख: 8--7-1980

मोहरः

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०——— भायकर ग्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

ग्रहमदाषाद, दिनांक 8 जुलाई 1980

निदेश संपी० श्रार० नं० 1085/एक्की 23-I/80-81---श्रतः मुझे एस० एन० मान्डल,

श्रायक्तर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से श्रिधिक है

स्रोर जिसकी सं०एफ० पी० नं० 189, सब प्लोट नं डी का पी० पी० एस० 6 है तथा जो सरखेज रोड, श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप सेविणत है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में राजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 द्या 16) के श्रधीन 27-11-1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है घीर प्रन्तरक (अन्तरकों) ग्रोर अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे यन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रत: श्रव, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, श्रथीत:——

- (1) श्री शर्मण भाई राजेन्द्र कुमार वकील राजेन्द्र भवन फतेहपुरा के सामने सरखेजरोड, ग्रहमवाबाद (ग्रन्तरक)
- (2) श्री उदयभानु को० ग्रोप० हाछसींग सोसाइटी के द्वारा 1. श्री श्ररविन्द जथराम गोस्वामी शारदा फ्लैट्स, भुदरपुरा, श्रांबावाडी।
- 2. श्री दौलतराय रेलुमल तुलसीयानी भवन, भुलाभाई पार्क के नजदीक, गीता मन्दिर रोड, ग्रहमदाबाद। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अन्निध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी
 प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पढदीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रष्टवाय में दिया गया हैं।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका माप 268.45 वर्ग मीटर है श्रीर जो एफ० पी० नं० 189, एस० पी० नं० डी का टी० पी० एस० नं० 6 से, सरखंज रोड, श्रहमदाबाद में स्थित है। ये जमीन, रजिस्ट्री नं० 12873 से तारीख 27-11-79 को रजिस्ट्री की गई है श्रीर संपूर्णतः विणत की गई है।

> एस० एन० मान्डल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद ।

तारीख: 8--7-1980

والمستوال والمستوال والمستوال والمستوال

प्ररूप आई. टी. एन. एस.--

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष् (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) π र्जन रेंज $\cdot \mathbf{I}_{j}$ अहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांग 11 जुलाई, 1980

निदेश मं० पी० आर० नं० 952/एक्वी 23-II/19-8/ 80-81:----श्रतः मुझे एस० एन० मान्डल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपीत्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- कु से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० नोंध नं० 890 बोर्ड नं० 1 ग्रथुगोर महोल्लो है तथा जो नानपुरा सुरत में स्थित हैं (ग्रीर इमन उपाबक श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रथीन 2-11-1979

को प्वोंक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर घेने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत:--:

(1) 1. श्री पालनजी खरशेदजी मेवाबाला श्रथुगोर महोल्लो,
 2. श्री सरोण खरशेदजी मेवाबाला श्रथुगोर महोल्लो,
 नानपुरा, सूरत।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती मलमाबाई युसुफभाई वेंगाली 81, नर्मद नगर, श्रादर्श सोसायटी श्रथवा लाईन्स, सूरत। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वावत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारी स से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

मिल्फात जो नोंध नं० 890 में अथुगोर महोल्लो नानपुरा, सूरत में स्थित है, जो सूरत में 2-11-79 को रिजस्ट्री की गई है।

एस० एन० मान्डल सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर, स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख 11-7-1980 मोहर: प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर भ्रा**युक्त** (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 11 जुलाई, 1980

धायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

अरि जिसकी यं० एस नं० 6/2 प्लीट नं० 39 है तथा जो हाथी कोलानी के पीछे, भानाजी भानजी में स्थित हैं (ग्रीर इसमें उपाबढ़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रोकित श्रिकारी के कार्यालय, जामनगर में रिजस्ट्री-बरण अधिनियम, 1908 (1908 या 16) के ग्रिधीन 26-11-1979,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धह प्रतिग्रत मे अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) म्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायिस्त्र में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अभ्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः श्रव, उन्त श्रिशितमम, की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उपत ग्रिशितमस की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अभीत् :--- (1) श्रो केशवजी लखमन भार 1. श्री खेताशी बेरशी हरिया 2. श्री कंचन बेग फूलचन्द हरिया के कुलमुखत्यार श्रीनिवास कोलोनी, गर्रा नं० 2 समर क्लब रोड, जामनगर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री खेताणो पंजा गाह् घाटकोपर (इस्ट) बल्लभ दाग लेन, श्ररिहंत बिल्डिंग, चौथा मंजला, एम० नं० 18, बस्बई।

(श्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई की बाखेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रत्रिध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूजना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त सम्दी ग्रीट पर्वो का, जो उक्त संधितियम के ग्रण्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही ग्रथं होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया हैं।

ग्रनुसूधी

3278 वर्ग फीट खुली जमीन जो एस० नं० 6/2, प्लोट नं० 39 से हाथी कालोपी के पीछे भागाजी भानजी वाडो, जामनगर में स्थित है। ये जमीन रजिस्ट्री नं० 2522 स तारीख 26-11-1979 को रजिस्ट्री की गई है और बिकी खत में संपूर्णतः विंगत की गई है।

> एम० एन० मान्डल, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर भ्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 भ्रहमदाबाद।

नारीखा: 11⊸7~1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालव, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज-I, अहमदाबाद

म्रह्मदाबाद, दिनांक 11 जुलाई, 1980

निदेण मं०पी० प्राप्तानं व 1087, एक्बी 23-रे. 80-81---अतः मझे एम० एन० मान्डल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकास 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 13 ए पैकी है तथा जो बाधेण्वरी माधवपरा मेईग रोड, पोरबन्दर में स्थित हैं। (ग्रीर इसमें उपाबड अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप संवर्णित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पोरबन्द में रिजिस्ट्रीकर्रा अधिकारी के कार्यालय, पोरबन्द में रिजिस्ट्रीकर्रा अधिनियिम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 6-11-1979,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे छरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक फप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः शबं, उक्त अधिनियमं, की धारा 269-गं के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्ः——

- (1) श्री मिस्त्रीं करसन भाई लीनाभाई छाया प्लोट, स्वस्तिक ग्रोईल माल के सामने, पोरबन्दर। (ग्रस्तरक)
- (2) हरजीवनदास नारनदास ठकरार श्रीर दूसरे गोपनाथ प्लोटः पोरवन्दर ।

(ग्रन्तरिती)

को ग्रह सूचना जारी करके प्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स, ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की दारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमूस्ची

328-13 वर्ग गज खुली जमीन जो प्लाट नं० 13ए से वाघेश्वरी प्लोट, माधपरा जाते हुए मेईन रोड पर, पोरबन्दर में स्थित है। ये जमीन रजिस्ट्रीकर्ता कार्यालय पोरबन्दर में विकी खत नं० 3329/6 से तारीख 6-11-1979 को रजिस्ट्री की गई है ग्रीर सपूर्णत: वॉणत की गई है।

एस० एन० मान्डल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद।

तारीख: 11--7-1980

प्रकप आई• टी• एन० एस•—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण) $% \left(\frac{1}{2} \right) = \frac{1}{2} \left(\frac{1}{2} \right) \left($

श्रहमदाबाद, दिनांक 11 जुलाई, 1980

निदेश सं०पी० श्रार० नं० 1088, एक्वी 23-1, 80-81---श्रतः मुझे एस० एन० मान्डल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रोर जिसकी सं० सी० एस० नं० 2, शीट न० 121, एस० नं० 6132 पैकी है तथा जो काली क्रीज, पश्चिम तरफ, जबेरी बाग, पोरबन्दर में स्थित हैं (श्रीर इसम उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पोरबन्दर, में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 13-11-1979,

को पूर्वाक्त संपर्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपर्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्रयमान प्रतिफल से, एसे स्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण िलिखत में वास्तिवक स्प से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उकत अधि-नियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मा, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नृतिशित व्यक्तित्यों मुर्थात्:—

- (1) श्री गीरधर लाल बल्लभवास कोटेचा पोरबन्दर। (भ्रन्तरक)
- (2) 1 शारदा बेन रमेणचन्द्र हींगलाजी आ भोजेश्वर प्लाट, पोरबन्दर ।
 - कुमारी हर्षाबेन शमजीभाई हींगलाजीश्रा भोजेश्वर प्लाट, 'ग्राम बीला' पोरबन्धर। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसुची

जमीन जिसका सी० एस० डब्ल्यु० नं० 2 शीट नं०, 121, एस० नं० 6132 पैंकी माप 466-66 वर्ग गज है और जो काली बीज पिष्चम तरफ, पोरबन्दर में स्थित है। ये जमीन बिक्री खत नं० 3379/13-11-79 से रजिस्ट्रीकर्ता कार्यालय पोरबन्दर में रजिस्ट्री की गई है और संपूर्णत: वर्णित की गई है।

एस० एम० मान्डल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण), श्रर्जन रॅज-I, अहमदाबाद

तारीख: 11-7-1980

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-।, अहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 11 जुलाई, 1980

सं० पी० ग्रार० नं० 1089 एक्वी 23-1 80-81--द्यतः, मुझे, एस० एन० मान्डल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ह के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करते का कारण 🗜 िक स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/~ रु. से अधिक हैं

xौर जिसकी सं० एस० नं० 80/1 है। तथा जो जामनगर में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जामनगर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के **प्र**धीन 3-11-1979,

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृल्य से कम के धरयमान ।तिफल के लिए अन्तरित की गर्इ है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार ग्ल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का न्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्दर्शय से उक्त अन्तरण लि**खित में वास्तविक** ⊩प से कथित नहीं किया गया ह[‡]:—⊸

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा 🛎 लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को लिए:

अतः, अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त ग्रधिनियम की बारा 269-व की उपधारा (1) के अधीत, निम्नलिखित व्यक्तिओं, अर्थात् !---10--- 186GI/80

(1) 1 श्री कांतिलाल ग्राए० संघवी।

2. ग्रमरतलाल ग्रार० संघवी गीरधर मन्दीर शेडके पाम संघवी निवास शेठ फली, लंघावाड धोरिया जामनगर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री कांतिलाल हीराचन्द करिया शेठ फली लंघावाड धोरिया जामनगर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, णा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में गया है।

अन्स्ची

दो मंजिलों वाला मकान जो 333.61 वर्ग मीटर जमीन पर एस० नं० 80/1 से गीरधारी जी मन्दिर के पास जाम नगर में स्थित है। दो मकान रिजस्ट्री नं० 2481 से तारीख 3-11-79 को रिजस्ट्री किया गया है, और बिक्री खत में संपूर्ण वर्णित किया गया है।

> एस० एन० मान्डल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ध्रायकर ध्रायुक्त, (निरीक्षण), भ्रजन रज-I, अहमदाबाद

तारीख: 1-7-1980

प्रकप धाई ० टो ० एत ० एस • -----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1 अहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 11 जुलाई 1980

सं० पी० श्रार० नं० 1090, एक्वी 23-I, 80-81:--श्रतः मुझे, एस० एन० मान्डल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- रुपये से घष्टिक है

ग्रौर जिसकी सं० सी० एस० नं० 121, एस० नं० 6132 पैकी है। तथा जो काली क्रिज, पश्चिम तरफ, जवेरी बाग पोरबन्दर में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, पोरबन्दर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 13-11-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार गूरूय से कम के दृष्यमान प्रतिफन के लिए अस्तरित की गई है और मुझें यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) घन्सरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त प्रश्नि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (का) ऐती किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या छक्त भ्रिधिनियम, या धन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अव, उपत अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उपत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थीय :—

- श्री गीरधर लाल बल्लभदास कोटेचा ग्रौर दूसरे पोरबन्दर । (ग्रन्तरक)
- श्री मोहनलाल कालिधास दाउदीया भोईवाड़ा, पोरबन्दर।
 - (1) कुमारी हर्पाबेन शमजीभाई हींगलाजीया भोगेश्वर प्लोट, 'ग्रीन वीला' पोरबन्दर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के सम्बन्ध में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसवड़ किसी प्रस्थ व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त गढ़दों भीर पद्धों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भर्ष होगा, जो उस भ्रभ्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका सी० एस० छन्छ०यू नं० 2, शीट नं० 121, एस० नं० 1632 पैकी 400 वर्ग गज है श्रीर जो काली ब्रिज के नजदीक पश्चिम तरफ, पोरबन्दर में स्थित है। ये जमीन रजिस्ट्रीकर्ता कार्यालय पोरबन्दर में बिक्री खत नं० 3371/13-11-79 से रजिस्ट्री की गई है श्रीर मिल्कत संपूर्णतः वर्णीत की गई है।

एस० एन० मान्डल, सक्षम प्राधिकारी सहायक द्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

तारीख: 11-7-1980

प्रकप धाई • टी • एन • एस • ----

वामकर विश्वित्यम, 1961 (1961 का 43) की बारा

269-च (1) के प्रजीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 14 जुलाई 1980

पी० भ्रार० नं० 1091, एक्वी 23-^I, 80-81---भ्रतः मुझो, एस० एन० मान्डल,

आयकर मिर्मियन, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसके परवाद 'उन्त मिर्मियन' कहा गया है), की धारा 269-क के मंत्रीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका छवित बाबार मृष्य 25,000/- व॰ से मिर्मिक है

भौर जिसकी सं० एस० नं० 599/1-2 है। तथा जो गोंडल जिला राजकोट में स्थित हैं (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता धिधकारी के कार्यालय, गोंडल में रिजस्ट्रीकरण धिधनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन 3-11-1979

को पूर्वांक्त सम्पत्ति के अचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मन्पत्ति का अचित बाजार मूस्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रम्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिता (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्तअन्तरण लिखित में वास्तविक क्षेप से कथित नहीं किया गया है: —-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त धार्धानियम के समीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर ध्रिमियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त ध्रिमियम, या धन-कर ध्रिमियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ण अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्चतः ग्रवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त श्रिष्ठिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

- (1) श्री नजमृद्दीन युसुफभाई मोती बाझार, गोंडल
 (2) श्री नुस्द्दीन युसुफभाई ज्युबीली बाग के नज-वीक, राजकोट।
- 2. श्री करीमाबाद को० श्राप० हाउसिंग सोसायटी प्रमुख: श्री श्रब्दुल मलेक कासम सब्जी मण्डी, गोंडल।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाबोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की वारीख से 45 बिन की धविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की वामील से 30 दिन की धविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना कें राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद्ध किसी धान्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास एक्सिया में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त भाषानियम के मह्याय 20 का परिभाषित है, वहीं मर्थ होगा, जो उस सम्यास में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन एस० नं० 599/1-2 जिसका माप 24079 वर्ग गज है और जो गोंडल, जिला राजकोट में स्थित है, ये जमीन बिकी खत नं० 2321/3-11-1979 से गोंडल रजिस्ट्रीकर्ता कार्यालय में रजिस्ट्री की गई है श्रौर संपूर्णतः धर्णीत की गई है।

एस० एन० मान्डल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण), श्रर्जन रेज-I, ग्रहमदाबाद

तारीख: 14-7-1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

काय् जिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

भहमधाबाद, दिनांक 14 जुलाई 1980

सं० पी० ग्रार० नं० 1092, एक्बी 23-1/80-81:---श्रतः मुझे एस० एन० मान्डल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या है), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 1 श्रीर 2 है। तथा जो तालुका मानावदर, गांव मानपुर, सबजिला केणोद में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, केशाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नवम्बर, 1979,

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के छ्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे छ्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का नम्निलिसत उद्देश्य से उसत अन्तरण कि लिए तम पाया गया प्रतिफल का नम्निलिसत उद्देश्य से उसत अन्तरण कि लिए तम पाया गया प्रतिक क्ष्म से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उकत अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और्रिया
- (क) पुरेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्नारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण भी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को मुधीन, निम्नुतिखित व्यक्तिस्पी मुध्ति:—— (1) श्री परपोत्तम केशवजी छाग मेन्दरदा, जिला जूना गढ।

(भ्रन्तरक)

- (2) 1. श्री अजलाल रामजी बाबर तीर्थ।
 - 2. श्री नगीनकुमार मामैयाभाई, मेन्दरदा ।
 - 3. जयन्ती लाल गोकूल दास, मेन्दरवा।
 - 4. भीमभाई ग्रमराभाई देवगढ़।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्त्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- अद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकने।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

801-19-84 वर्ग मीटर मकान श्रौर जमीन जो प्लाटा नं 1 श्रौर 2 से गांव मानपुर, तालुका मेन्दरदा जिला जूना गढ़ में स्थित है। ये मिल्कत बिक्री खत नं 1291/नवम्बर 1979 से रजिस्ट्रीकर्ता कार्यालय केशोद में रजिस्ट्री की गई है श्रौर संपूर्णत: वर्णीत की गई है।

> एस० एन० मान्डल, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-!, श्रहमदाबाद

तारीख: 14-7-1980

मोहरः

प्रकृप बाई = ही - एत - एस ---

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

म्प्रर्जन रेंज I-अहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 14 जुलाई, 1980

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 1093, एक्बी 23-1, 80-81:- ग्रतः मुझे, एस० एन० मान्डल, ग्रायकर श्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- रुपय से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं प्लाट नं 3 श्रौर 4 है। तथा जो गांव मानपुर, तालुका मेन्दरदा, सब जिला केशोद है स्थित हैं श्रौर इसके उपाबद्ध अनुमूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, केशोद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नवम्बर, 1979,

- (क) सम्तरण से हुई किसी प्राप्त की बाबत उक्त अधि-नियम के सन्तीन कर देने के सम्तरक के दायिस्व में कमी करते या जससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ब) एसी किसी प्राय था किसी धन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रविनियम, या धनकर ग्राधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बारा प्रकट नहीं किया मया था किया अन्तरिती बारा प्रकट नहीं किया के जिए।

पत: धव, उकत प्रशिवित्यम की घारा 269-ग के धनुतरव में, में, उकत प्रवित्यिम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रशीत:—- (1) श्री सुरंग कुमार परपोतम छाग मेन्दरदा, जिला केशोद।

(भ्रन्तरक)

- (2) श्री 1. ब्रजलाल, रशमजी, बाबर तीर्थ।
 - 2. वोशी जययन्लाल गोकल दास, मेन्दरदा।
 - नगीनकुमार, भमैयाभाई, मेन्दरदा।
 - 4. भीमभाई ग्रमराभाई, देवगढ़।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोस्त संपत्ति के ग्रर्जन के किए कार्यवाहियां करता हं।

उनत सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी धाओप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
 हितबद्ध किसी प्रस्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताकरी
 के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्वो का, को जक्त भिनियम के भव्याय 20-क में परिभाषित हैं. वहीं भर्य होगा जो उस भव्याय में विया गया है।

अनुसूची

801-19-84 वर्गमीटर, मकान और जमीन जो प्लाट नं० 3 और 4 से गांव मानपुर, तालुका, मेन्दरदा जिला जूनागढ़ में स्थित है, ये मिल्कत बिकी खत नं० 1292/ नवम्बर, 1979 से रिजस्ट्रीकर्ता कार्यालय केणोद में रिजस्ट्री की गई है और संपूर्णतः वर्णीत की गई है।

> एस० एन० मान्डल सक्षम प्राधिकारी यहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज-1 श्रहमदाबाद।

तारीख: 14-7-1980

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०----

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज 1, अहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 14 जुलाई, 1980

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 1094, एक्वी० 23-1, 80-81:— ग्रतः मुझे एस० एन० मान्डल, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का ·43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियमं कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्यत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रुपये मे अधिक है,

ग्रौर जिसकी सं. रेल्वेपुरा, लतीफ डेहला, साकर बाझार, एस० नं० 163, एम० एस० नं० 708 है। तथा जो रेलवे पुरा, ग्रहमदाबाद, में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद, में रजिस्ट्रीकरण, ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन नवम्बर, को 1979

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के तीच ऐम अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त श्रिष्ठि-नियम के अधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; शीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या ग्रन्य घास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धनकर प्रधिन नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाएँ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः धवं, उक्त धिविनयम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त धिविनयम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के धिधीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) मैसस जेठमल बग्सीलाल भागीवार—-श्री दामोदर लाल, रतनलाल साबू लतीफ डेहसा, साकर बाझार ग्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती सीतावेबी, बाशोमल दौलतानी 13, पंचाल नगर, नवा बाङ्ज झहमवाबाद-380013। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजंन के किए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उनत सम्बत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबा किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --इतमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रिष्टि नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही सर्य होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान जो 48 वर्ग गज जमीन पर एस० नं० 1634 म्यूनी एस० नं० 708/19 से रेलवे पुरा, लतीफ डेहला साकर बाझार, ग्रहमदाबाद में स्थित है, ये दुकान रजिस्ट्री नं० 10831 से तारीख नवम्बर, 1979 को रजिस्ट्री की गई है श्रीर विक्री खत में संपूर्णतः वर्णीत की गई है।

एस० एन० माण्डल, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण,) अर्जन रेज-1 महमदाबाद।

तारीख: 14-7-80

मोहरः

प्रकप आई • टी • एस • एस • ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के बधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, तहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, कलकत्ता कलकता, दिनांक 25 ग्रप्रैल, 1980

निदेश सं० ए० सी०/रेंज-IV/कल/1980-81:---यतः मुझे के० सिन्हा,

आगण्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त धिरियम' कहा गया है), की धारा 269-जा के ग्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- क्यमें से प्रधिक है

भीर जिसकी सं० 73 है तथा जो तिलक रोड, राणिगंज, में स्थित है। भीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बॉणत है। रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय राणिगंज में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 2-11-79,

अधान, ताराख 2-11-75,
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूह्य से कम के
बृब्यमान प्रतिपत्त के लिए प्रस्तित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उजित बाजार मूह्य, असके दृह्यमान प्रतिफल से ऐसे
बृब्यमान प्रतिफल क' पन्डह प्रतिकृत से प्रधिक है और
सन्तरक (सन्तरकों) भीर अग्नरिती (सन्तरितियों) के बीच
ऐसे सन्तरण के जिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
बहेश्य से उशा अन्तरक लिखित में वास्तविन कम से खिला
मही किया गया है।——

- (क) प्रश्तरण से हुई किसी माय को गावत उपत प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रश्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किमी धन या अग्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिर्धिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था; जिपाने में सुविधा के लिए।

अतः भवः, उनत अधिनियम की वारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की वारा 269-भ की उप-धारा (1) के अधीन निध्नलिखित अपनितयों, अर्थात्:— 1. श्रीमती सरोज देवी० सानथेलिया।

(भ्रन्तरक)

2. श्री रायजीभाई संकरभाई पेटेल।

(मन्तरिती)

को यह सूचता जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थान के लिए कार्यवाहियाँ करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इंग सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की भविष या तत्संबंधी व्यक्तियों पर गूचना की तामील से 30 दिन की अविधः, जो भी भविष बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर छक्त स्थावर सम्पत्ति
 में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, ध्रघोहस्थाअरी के पास निखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धी भरण :--इसमें प्रयुक्त सम्बद्धां और पद्धों का, जो उस्त समिक नियम के धव्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अब्याय में विवा गया है।

प्रनुसूची

्री 73 तिलक रोड, राणिगंज, में 1 काठा, 2 छटाक 28 कसोयार फुट जमीन पर मकान का सब कुछ जैसे 1979 का ढलिल सं० 4657 में श्रौर पूर्णरूप से वर्णित है।

> के० सिन्हा, सक्षम प्राविकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज IV कलकत्ता।

तारीख: 25-4-80

प्रकप माई• टी• एन• एस•---

आयमर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) की बारा 269-घ(1) के धवीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 30 मई, 1980

निदेश सं० 702/एक्वी/घ्रार-III/80-81/कलकत्ताः---यतः, मुझे घ्राई० बी० एस० जुनेजा,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य 25000/-रु से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 1/216 है तथा जो गरियाहाट रोड, कलकत्ता में स्थित है। श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से विणित है, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रालिपुर में, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिनियम, 1908 (1908 कारण 16) के श्रधीन, दिनांक 9-11-1979,

को पूर्वोक्त संपति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति कल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपिल का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत अधिक है भौर धन्तरल (अंतरकों) और धन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, से निन्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण सिखित में बास्तविक रूप से काषण नहीं किया गया है!--

- (क) अन्तरण से तुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या
- (ख) ऐभी किमी घाय या किसी घन या घाय पास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर मिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अत्र, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-च की उगधारा (1) के सधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, प्रथीत :—

া श्री बिमुति मुपन भट्टाचार्य।

(भ्रन्तरक)

2. श्रोमती प्रतिमा बसु।

(भ्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करवा है।

उन्त संपत्ति के अजन के संबंध में कोई भी भाक्षेप ।---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सीबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर छक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंबे।

स्पट्टीकरण: -- इतमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त प्रविनयम के अध्याम 20-क में परिभाषित हैं, वही अयं होगा जो उस अध्याम में दिया गया है।

अनुसूची

करीय 2 कट्टा 9 छटाक 25 स्कोः फुट जमीन जो सं० 1/216 गरियाहाट रोड, कलकत्ता (योधपुर पार्क) पर भ्रम्ययस्थित श्रौर उसका श्रंश विशेष है।

> ग्राई वि० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सह। यक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) 54, रफीअहमद किंदवाई रोड,कलकत्ताIII-16

तारीख: 30-5-1980

प्रकृप बाई॰ टी॰ एन॰ इस॰-----

आयक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मधीन स्वना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रानीत रोंग कलकला, III-16

कलकत्ता, दिनांक 9 जुन, 1980

निदेश सं० 704/एक्त्री ग्रार०- /80-81/कलकत्ताः---यतः मुझे, ब्राई० वि० एस० जुनेजा,

आयकर पश्चिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-च के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास फरते का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका खिचन बाजार मूह्य 25,000/- रु० से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 3 है तथा जो राजमोहन स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध अनुमूची में श्रोर, पूर्णरूप से र्वाणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 28--11-1979,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के छनित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रतिकृत के लिए भन्तरित की गई है भीर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यदापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रम्तरक (प्रश्तरकों) पौर धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में बास्तवि ह कप से कवित नहीं किया गया है :---

- (क) अध्वरण से हुई किसी ग्राय की वावत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अश्तरक के टाबिस्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए । भीर/या
- (ख) ऐसो किसो आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय गायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत प्रक्षिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं यन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाडिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः अब, उपत अधिनियम की बारा 26% ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की बारा 289० म की उपचारा (1) के सधीन, निम्नलिभित व्यक्तियों अर्थात ।---

1.श्री हारून रसीद

(ग्रन्तरक)

2 कुमारी जैनुस्सा बेगम।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचता जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए भार्येवाहियां करता है।

उन्त सम्पत्ति के धर्मन के संबंध में को है भी धार्कीय :---

- (क) इस स्वता के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविधि या नत्मंबंधी व्यक्तियों पर सुकता की तामील मे 30 दिन को भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्योक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :
- (६४) इस सूचना के काजपत्र म प्रकाशान की तारीका से 4.5 दिन के भोतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी मन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकोंगेः

स्पब्धीव्यरवा---इसमें प्रमुक्त शब्दों भीर पर्यो का, जो उक्त सर्धि-नियम के प्रध्याय 20-क में परिशावित है, वही व्यवं होगा, जो उस ग्रह्माय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रेमिसेस 3, राजमोहन स्ट्रिट, कलकत्ता का श्रद्याश जिस में 3 कठ्ठा 6 छटाक जमीन श्रीर मकान है।

> श्राई० वि० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) 54, रफी अहमद किदवई रोड, कलकत्ता-III-16

तारीख: 9-6-1980

मोहर:

11---186GI/80

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के म्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रोंज, कलकत्ता

कलभना, दिनांक 1 जुलाई, 1980

सं० ए० सी० 20 रेंज-IV कल/1980-81:——यतः मुझे, के० सिन्हा,

भ्रायक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिने इसमें इसके पश्वात् 'उकत प्रधितिया' कहा गया है), की धारा 269-अ के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिपका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से भ्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 63/10 है तथा जो जि० ढि० रोड पो० बालि, स्थित है। ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कायिलय हाबड़ा में, रिजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक 12-11-1979,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफत का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बोच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण मे हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त प्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उपसे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रीधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रीधिनियम, या धन-कर ग्रीधिनियम, या धन-कर ग्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिस्ति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के खिए।

अतः, अव, उना श्रिधितियम की धारा 269-ए के प्रमुसरण में, में, उना श्रिधितियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के श्रिधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, प्रयोतः :-- 1. श्रीमती एमिखा जालाल

(ग्रन्तरक)

2. श्री मेवा लाल सार्ड, बिश्वनाथ प्रसाद सार्ड। (श्रन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इ.स. सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की श्रवधि जो भी
 श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्कि करण: ---इसमें प्रयक्त गब्दों भौर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम, के श्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वही सर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

63/10, ढि॰ दि॰ रोड थाना बालि जि॰ हाबडा में में 2 का॰ 10 छ॰ 18 स्के॰ फि॰ जमीन का सब कुछ जैसे 1979 का दलिल सं॰ 1821 में श्रीर पूर्ण रूप में बर्णित है।

> के० सिन्हा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक त्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज, कलकत्ता

तारीख: 1-7-1980

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कलकशा

कलकत्ता, दिनांक 4 जुलाई 1980

निर्देश सं० ७४४/ए मीक्यू-प्रार०-III/80-81/कल०---यतः मुझे के० सिन्हा भ्रामकर म्रिप्तिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रक्षिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को,यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से ग्रधिक है भौर जिसकी सं० 21/1/जि० है तथा जो चक्रबेइया लेन कलकत्ता में स्थित है (श्रौर इपसे उपावद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है.) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय म्रालिपुर में, रजिस्ट्रीकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के जधीन, तारीख 13 नवम्बर 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भ्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और

प्रस्तरक (भ्रन्तरकों) ओर भ्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गथा प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरग लिखित में वास्तविक रूप से कथित

नहीं किया गया है :---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त भ्रधि-नियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसे किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा श्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः, श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थौतः :--

- 1. श्री मुरारी मोहन तन्दन, रतन चन्द्र दास। (श्रन्तरक)
- 2. श्री सक्षन गर्मा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्यक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ब्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सविधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो खका अधि नियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है ही ग्रथें होगा, जो जस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 2 कट्ठा 10 छटाक जमीन जो सं० 21/1/जि०, चक्रबेरिया लेन, कलकत्ता पर अबस्थित जो दलिल सं० 6085/1976 के म्रनुसार है।

> कें० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) 54, रफीग्रहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

नारीख: 4-7-1980

प्ररूप आई० टी० एन०एस०----

माबकर पश्चिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर मायुक्त (निरीक्षक)

म्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 4 जुलाई 1980

निर्देश सं० 714/एसीक्यूब्रार०-III/80-81/कल---यतः मुझे के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर नात् 'उन । प्रजिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख है प्रधीत सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर नंगीन जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- हैं० से अधिक है

श्रौर जिसको सं० 1/538 है तथा जो गरियाहाट रोड, कलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध ग्रनुमुची में

श्रीर, पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारों के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान श्रीतंकाल के लिए अम्बरित को गई है और मुझे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित काजार मूल्य, उसके दुष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूश्यमान प्रतिफल का पखह प्रतिशत से यधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिशियों) के बोच ऐसे यन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फत निम्तिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रिक का से क्यित नहीं किया गया है:——

- (क) भन्तरप से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त स्वीत-नियम के सभीन कर बन के सम्बद्ध के वाधिरण में सभी करने या उससे वचने में सुनिधा के विष्ट; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी घन या अन्य ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्राधिनियम, या धन-कर ग्राधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिली द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः भव, उथा भिविश्वयम, की बारा 269-व के अनुसरण वें, में: उक्त अधिनियम भी भारा 269-व की उपवारा (1) के अधीन, निम्निक्षिण व्यक्तियों, सर्थात्।—— 1. श्रीमसी एला सेन ।

(ग्रन्तरक)

 श्री सलिल कुमार गुप्त, ग्राल गुप्त, मृनाल कान्ति गुप्त, पुरवी गुप्त।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेपः---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 विन को प्रविध या तस्सम्बन्धो व्यक्तियों पर सूचका की तःमीन ने 30 दिन की ग्रविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-शद्ध किसी प्रन्य क्यक्ति द्वारा स्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में निष्णा सकरेंगे।

श्यब्दीतरण: --इसर्ने प्रयुक्त शब्दों सौर पदों का, ओ उपत सिवित्यम के सम्बाय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस सम्बाय में दिया गया है।

प्रनुसूची

करीब 3 कट्ठा 15 छटाक 35 स्के० फुट जमीन जो 1/538 गरियाहाट रोड़, जोधपुर पार्क, कलकत्ता में अवस्थित है।

कें० सिन्हा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, कलकक्ता-16

तारीख: 4-7-1980

प्रकृत प्राई० टो० एत० एस० -----

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्बालय, सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज,

कलकत्ता, दिनांक 4 जलाई 1980

निर्देश सं० 715/अक्यू म्रार०III/80-81/कल—यतः मृझे के० सिन्हा,

भ्रोयकर श्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिष्ठितियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के श्रिष्ठीन पक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से श्रिष्ठिक है

श्रौर जिसकी सं० 2 है तथा जो उमानन्द रोइ, कलकत्ता में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रालिपुर में, रिजस्ट्री करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 28 नवम्बर 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रनिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भाधि-नियम, के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किमी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः, ग्रब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-में की उपधारा (1) के श्रधीन निध्नलिखित व्यक्तियों, ग्रमीस्ः-- 1. श्रीमती माया घोष।

(श्रन्तरक)

2. श्री देमकी दमी, शिव कुमार शर्मा श्रीर राजेश कुमार शर्मा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के झर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के श्रष्टवाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रष्टवाय में दिया गया है।

अनुसूची

समूचा एक तला मकान साथ 3.19 कट्ठा जमीन जो सं० 2, उमानन्व रोड़, कलकत्ता पर श्रब स्थित है ग्रौर दलिल सं० 1-5273/1979 के श्रनुसार है।

> के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

तारीख: 4-7-1980

प्ररूप आई० ठी० एन० एस० - -

म्रायकर मधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के ग्रंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षण, पड्डायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-III, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 8 जुलाई 1980

निर्देश मं० 716/एसीक्यू-प्रार०-III/80-81/कल- यतः मुझे श्राई० वी० एस० जूनेजा ग्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्पात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका छिनत बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से श्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 23 ए, बी, सी, डी, है, तथा जो लेंसडाउन प्लेस, कलकत्ता में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 23 नवम्बर 1979 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और प्रन्तरित (प्रन्तरितयों) के बीव ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त मिध-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी घाय या किसी घन या घम्य आस्थियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जामा चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन निम्नि चित्र व्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्रीमती निहारबाला घोष ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री परमानन्द हरलालका।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मिति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, ओभी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रश्चोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वब्दीकरण: --इनमें प्रयुक्त सब्दों श्रीर पदों का, जो उकत श्रधि-नियन के अध्याय 20क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

करीब 6 कट्ठा 10 छटाक 23 वर्ग फुट जमीन साथ भ्रांशि हदो तल्ला और भ्रांशिक तीन तल्ला मकान जो सं० 23 ए, बी, सी, डी, लेंसडाउन प्लेस, कलकत्ता पर श्रब स्थित है।

> म्राई० वी० ए.स० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जनरेज-III, 54,रफी अहमद किदवई रोड, कलकत्ता-16

ता**रीख**: 8-7-1980

प्रका शाई • टी • एत • एस •----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की सारा

269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16 कलकत्ता-16, दिनांक 8 जुलाई 1980

निर्देश सं 718/एसीवय-प्रार०-III /80-81/कल---यतः मझे, भ्राई० वी० एस० जुनेजा, धायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'छक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृहय 25,000/- रुपए से श्रधिक है ग्रौर जिसकी सं० 1/55 है तथा जो डोबर प्लेस, कलकत्ता में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय कलकला में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 2 नवम्बर 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा, विकित सभाति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्राययान प्रतिकत स, ऐते (रमनात मिकतका पख्दह प्रतिशत से ग्रधिक हैं। भौर भन्तरक (भ्रन्तरकों) और भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त प्रन्तरंग लिखिंग में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी ब्राय या किसी धन या अग्य आस्तियों को, जिम्हें भारतीय ब्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत प्रधिनियम, या धनकर प्रधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविद्या के लिए;

प्रतः, श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नित्यिखत व्यक्तियों, अर्थात्:— 1. श्रीमती पारुल बसु।

(ऋलारक)

2. श्री परेण नाथ मील ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्यक्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के पर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेपः---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीज से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दाका
- (ख) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उकत स्थाधर सम्पत्ति में हितखब किसी अन्य व्यक्ति बारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित से किये जा सकेंगे।

स्प्रदीकरण ं ---इसमें अयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधि -नियम के भाष्माय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रथं होगा, नो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 2 कट्ठा 10 छटांक 26 स्को॰ फुट जमीन साथ उस पर बनाया महान 1/55 डोबर प्लेस, कलकत्ता पर ग्रवस्थित और जो दालिल सं०-5672/1979 के अनुसार है (र्रें अंग) ।

> श्नाई० वी० एस० जुनेजा, स्थम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-III, 54, रफी अहमद किदबाई रोड, कलकत्ता-16

तारीखा: 8-7-1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-----

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंजाा, कलकता

कलकत्ता, दिनांक 8 ज्लाई 1980

निर्देश सं० 719/एसीक्यग्रार**ः**]]]/80-81/कल--यतः मुझे, ख्राई० वी० एस० जुनेजा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'छक्त अधिनियम' कहा वया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर नम्पति, जिसका उचित बाजार मृह्य २५,०००/- २० से अधिक ै ग्रौर जिसकी सं० 1/55 है तथा जो डोबर प्लेस, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से र्वाणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारो के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्दीकर्ता अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2 नवम्बर 1979को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भ्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (प्रनरकों) भौर अन्त-रिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है: ---

- (क) भ्रम्लरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रिष्टिनियम के भ्रिष्टीन कर देने के भ्रम्लरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रीधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रीधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः प्रव, उक्त ग्रधिनियम, की बारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-व की उपघारा (1) अधीन, निम्निक्षित व्यक्तियों, अर्थातः— 1. श्रीमती पारुल बसु।

(भ्रन्तरक)

2. श्री रामलाल सोल।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

छन्त सम्पति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप !--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजाल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंग।

स्मण्डी हरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो ग्रायकर ग्रिवियम 1961 (1961 का 43) के ग्रध्याय 20-के में परिमाधित हैं, वही अर्थ होगा जो उस ग्राष्ट्रयाय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 2 कट्ठा 10 छटांक 26 स्को० फुट जमीन साथ उसपर बनाया मकान 1/55, डोबर प्लेस, कलकत्ता पर श्रव स्थित श्रौर जो दलिल सं० I-5672/1979 का श्रनुसार (1/3 श्रंग)।

स्राई० बी० एस० जुनेजा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), स्रजैन रेंज-III, 54 रकी अहमद किस्याई रोड, कलकत्ता-16

तारीख:8-7-1980

से प्रधिक है

प्रेंहेप ब्राई॰ टी॰ एन॰ एस॰--

श्रायंकर श्रेषितियम 1961 (1961 को 43) की धारा 269-च (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेज, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 8 जुलाई 1980

निर्देश सं० 720/एसीन्यू-प्रार०- /80-81/कल--यतः मुझे प्राई० वी० एस० जुनेजा बायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रुपय

ग्रौर जिसकी सं० 1/55 है तथा जो डोबर प्लेस, कलकशा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध मन्सूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय कलक्ता में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 2 नवस्बर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित काजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिस में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या खससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या प्रान्य भ्रास्तियों की जिन्हों भारतीय भ्रायकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम वा धनकर अधिनियम वा धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्रारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

त्रतः, त्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन नियमलिखित व्यक्तियों, प्रयोह:---

12---186**GI**/80

1 श्रीमती पारल बसु।

(ग्रस्तरक)

2. श्रीमती नीला मील।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामी न से 30 दिन की श्रविध जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा:
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी अन्य व्यक्ति बारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त णब्दों और पदों का जो उक्त प्रधि-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 2 कट्ठा 26 स्को० फु० जमीन साथ उस पर बनाया मकान 1/55 डोबर प्लेस, कलकत्ता पर श्रब स्थित श्रौर जो दिलल मं० I-5672/1979 का श्रनुसार है (1/3 श्रंण)।

ग्राई० बी०एस०जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-III; 54,रफी अहमद किदबई रोड कलकसा-16

तारीखाः

प्ररूप आई. दी. एन. एस.-----

भायकर श्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रवीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 स्रप्रैल, 1980

तिदण सं० 2/नवम्बर/79—यतः मुझे श्रो० ग्रानद्राम आयकर ग्राधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यात् 'उक्त ग्राधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मन्त्रति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से ग्राधिक है

ग्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 46/3 पिरमनुर गांव है, जो सेलम जिले में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सेलम (जे० एस० ग्रार०-III) (डाक नं० 3781/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख नवम्बर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत निम्निविद्य उद्देश्य में उसन अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त श्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या ग्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर ग्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः श्रव, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयोत्ः →

- 1. (1) श्री के० सडम गवुडर।
 - (2) श्री एस० जयरामन।
 - (3) श्री मैनर एस० गोपाल किस्टब्नन।
 - (4) श्रो मैनर एस० मुरूगेसन।
 - (5) श्री के० मारिमुत्तु।
 - (6) श्री मैनर एम० दरमराज।

(ग्रन्तरक)

2. श्री एस० शमुगम।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के म्रजँन के लिए कार्यवाहियाँ गुरु करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि ओ भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी भन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं प्रयं होगा, जो उस ध्रध्याय में विया गया है।

अनुसूचो

डाकुमेंट नं० 3781/79 जे० एस० ग्रार०-III, सेलम मे ग्रिग्रिकलचरल भूमि सर्वे नं० 46/3 (21388स्को० फुट) पिरमनुर गांव, सेलम।

> स्रो० श्रानंद्राम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) ग्रजीन रेंज, मद्रास

तारीखा : 16-4-1980

प्ररूप आई० दी० एन० एस०---

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269घ (1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 मई 1980

निर्देश सं० 64/दिसम्बर/79—यतः मुझे श्रो० श्रानन्द्राम वायकर प्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अक्षोन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० 142---150, कालारामपट्टी मेयन रोड है, जो कि चिवलिपालयम, सेलम-I में स्थित हैं (भ्रौर इससे उपाधद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय सेलम (डाकुमेंट सं० 5501/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख दिसम्बर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के कृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक छप से क्षित नहीं किया गया है:—

- (क) धम्तरण से हुई फिसी भाय की बाबत, उनत श्रीक-नियम के भ्रधीन कर देने के धम्तरफ के वायिश्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रत्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर घषिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधिनियम, या धनकर प्रविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए,

मतः प्रव, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नजिबित व्यक्तियों, अवित्:— 1. श्रीमती महालक्ष्मी।

(ग्रन्तरक)

2. श्री के० पी० गोपालन, श्री के० पी० दरमलिनगम (म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिंत- बद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टोकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिशिवयम के ग्रष्टयाय 20-क में परिकाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

> ग्रां० ग्रानन्द्राम सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, मद्रास

नारीख: 16-5-1980

प्ररूप आई ० टी० एन० एस० ---

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सुरकार

कार्याल्य, सहायक आयुकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 26 मई 1980

निर्देश सं० 12/नवम्बर 79/—यतः मुझे स्रो० श्रानन्द्राम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है।

ग्रौर जिसकी सं० 37, पी० वी० ग्रय्यर स्ट्रीट है, जो मद्रास-1 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती ग्रधिकारी के कार्यालय, मद्रास नार्थ (डाकुमंट सं० 4654/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख नवम्बर 1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया भया धितफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा का लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- श्री बी॰ पी॰ मुतुक्तुमारस्वामी ग्रौर ग्रदरस।
 (ग्रन्तरक)
- श्री रनबाव मेद्रस्सा चेरिटी तालिम ट्रस्ट।
 (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोध से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रत्युक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में गरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

(भूमि श्रौर निर्माण-37,पी० वी० ग्रय्यर स्ट्रीट, मद्रास-1) (डाकुमेंट सं० 4654/79)।

> ग्रो० ग्रानन्द्रांम सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-ा, मदास

तारीख: 16-5-1980

प्ररूप आईं० टी० एन० एस० -

आयुकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 मई 1980

निर्देश सं० 22/नवम्बर/79—यतः मुझे ग्रो० ग्रानन्द्रांम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक हैं

यौर जिसकी सं० सर्वे नं० 151/1, 2 यौर 3 कलैजर करुणानिधी है, जो नगर, तल्लाकुलम, मदुरै में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध मनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता मधिकारी के कार्यालय मदुरै (डाकुमेंट सं० 4970/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, तारीख नवम्बर 1979

को पूर्वाक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एस दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—— 1. श्री के० एल० जगदीसन।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती छाजिमा एस० के० स्रामिशा बी। (स्रन्तिरती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 4970/79 एस० ग्रार० ग्रो० मदुर भूमि ग्रौर निर्माण सं० नं० 151/1, 2 ग्रौर 3 केलेन्जर करुणानिधी नगर, तल्लाकुलम, मदुरै।

> श्रो० ग्रानन्द्राम स**क्षम प्राधिकारी,** महायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज -1, मद्रास

तारीख: 29-5-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 23 जून 1980

निर्देश सं० 49/नवम्बर/79—यतः, मुझे, ओ० भ्रानन्द्राम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 314 ए मेलमासी स्ट्रीट है, जो पबुमंडपम, मदुरै में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, पुदुमंडपम मदुरै (डाकुमेंट नं० 2021/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख नवस्वर 1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिम की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उच्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवृक्ष रूप से किथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर धने के अन्तरक के धायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण गों, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निणिख्त व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1 (1) श्री एन० सिवसुत्रमनियम।
 - (2) श्रीमती श्रानंदवरूली।
 - (3) श्री एस॰ नारायनस्वामी।

(श्रन्तरक)

2. श्री ए० कितरेसन।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारों करके पूर्वाक्स सम्परित के अर्जन के निप् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सुम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हु⁵, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अमुसूची

डाकुमेंट नं० 2021/79 एस० श्रार० ओ**० पुरुमंड**पम: मद्रै।

भूमि और निर्माण — डोर नं० 314 ए, सेलमासी स्ट्रीट पुतुमंडपम, महुरै।

> श्रो० श्रानन्द्राम सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रामुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 23-6-1980

प्रारूप बाई॰ टी॰ एन॰ एस॰~

आयकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

पारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-I, मद्रास मद्रास, दिनांक 23 जून 1980

निवश सं० 50/नवस्वर/79—यतः मुझे, श्रो० श्रानन्द्राम श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इपके पश्यात् 'उनत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका स्वित बाजार मृत्य 25,000/- रू॰ से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० 23, सम्बदमूर्ती जो स्ट्रीट पुदुमन्डर्पम मदुरै में स्थित है (श्रौर इससे उपावद श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, पुदुमन्डपम, मदुरै (डाकुमेंट नं० 2020/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख नवस्बर 1979

की पूर्वोक्त सम्पति के छिचत बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अश्तरित की गईं है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत अधिक है और धन्तरक (धन्तरकों) और धन्तरिती (धन्तरितयों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त धन्तरण किचित में वास्त्रिक रूप से कवित नहीं किया वया है:—

- (क) अध्यरण से हुई किसी माय की वावत उपत अधिनियम के मधीन कर देने के घन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए। और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन था भन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या घन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

जतः, समः, उत्त मधिनियम की धारा 269-म के समुसरण में, मैं, उत्तर प्रधिनियम की धारा 269-म की छपछ।रा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. (1) श्री एन० सिवसुबरमनियम।
 - (2) श्रीमती ग्रानन्दवल्ली ।
 - (3) श्री एस० नारायनस्थामी।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती के० मिल्लिगा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रार्थन के संबंध में कोई भी माक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की धविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की धविधि, जो भी
 धविधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी धन्य स्थित द्वारा, प्रधोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकेंगे।

स्पव्यक्षिकरण :--इसमें प्रमुक्त कन्दों घीर पर्दों का, जी उक्त घषितियम के ग्रम्याय 20क में परिभाषित है, बही घर्ष होगा, को उस घम्माय में वियो गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 2020/79 एस० श्रार० श्रो० मुदुमन्डपम, मदुरै

भूमि श्रौर निर्माण डोरनं० 23, सम्बद मूर्ती स्ट्रीट, पुदु-मन्डपम, मदुरै।

ग्रो० म्रानंद्रांम सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1, मद्रास

तारीख: 23-6-1980

मोहरः

प्रवास प्राप्ते द्वाव प्रवास ज्वास -----

ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961का 43) की धारा 269घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 24 जून 1980

निदेश सं० 43/नवम्बर/79—यतः मुझे ग्रो० श्रानंद्राम, प्रायकर ग्रिधिनि यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिल्लका उवित बाजार सूच्य 25,000/-रुपए मे ग्रिधिक है ग्रीर

ग्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 588/1 सिवकासी है, जोमें स्थित है (श्रीर इससे उणाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिवकासी (डाकुमेंट नं० 1088/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख नवम्बर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उनित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उनित बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी याय की बाबत, उक्त ग्रिध-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए, ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर शिधनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त शिधनियम, या धन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः ग्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निभनिलाखन व्यक्तियों, श्रथीन्:---

- 1. (1) श्रीमती गुरुवम्माल।
 - (2) श्रीमती मुक्तम्माल।
 - (3) श्री पलबिसामी तेवर।
 - (4) श्रीगती क्षेत्रमात्र।
 - (5) श्रीमतीः पतिरक्तनी।

(भ्रन्तरक)

- 2. (1) श्री एस० ग्रार० मेता।
 - (2) श्री अशोक मेता।
 - (3) श्री अनिल मेता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्
 किसी ध्रन्य व्यक्ति द्वारा ध्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम के श्रध्याय 20क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 4098/79 एम० द्यार० श्रो० सिवकासी भूमि 81 सेंटम सर्वे नं० 588/1, सिवकासी।

> श्रो० <mark>ग्रानद्राम</mark> सक्ष**म प्राधिकारी** सहासक श्रायकर <mark>श्रायुक्त, निरीक्षण</mark> श्रर्जन रोजे I, मद्रास,

तारीख: 24-6-1980

प्रकप धाई । टी । एत । एस ---

स्थायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुसना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज 1, मद्रास

महास दिनांक 24 जून 1980

गिर्देण सं० 53/नवम्बर/79---यतः मुझे यो० श्रानंद्राम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्तम श्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 26 बी है. जो महाल 629 स्ट्रीट महुरै में स्थित है (श्रौर इससे उगबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जे० एस० श्रार II, महुरै (डाक न० 4318/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख नबस्बर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रग्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रम्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की दावत उपत प्रक्रितियम के प्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (॥) ऐसी किसी आय या किसी धन या घन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर घ्रिष्ठनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घ्रिष्ठनियम, या धन-कर घ्रिष्ठनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चातिए था, छिपाने में मुक्षिधा के लिए।

1. श्री एस० रामचंद्रन चेट्रियार।

्(ग्रन्तरक)

2. श्री टी० ग्राग्ट किरुप्तनः

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाद्वियां शुरू करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी धाबीप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित सें किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, श्री उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अयं होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

डाकुमट नं० 4318/79 जे० एस० श्रार०II मदुरै, भूमि ग्रौर निर्माण डोर नं० 26-बी, महाल 6/9 स्ट्रीट। मदुर।

श्रो० श्रानंद्राम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज II, मद्रास

तारीख: 24-6-80

कायकर क्षधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के घषीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-I, मद्रास

मवास दिनांक 24 जून 1980

निर्देश सं० 19 निम्बबंर/79--मतः मुझे प्रो० आनांदारम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'तक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मन्पति, जिसका उचित बाबार मूख्य 25.000/- ए० से अधिक है, और जिसकी संख्या 11 सम्बद्ध मूरती है तथा जो स्ट्रीट मदुरे में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पुवमंरूपम, मदुरै (डाक नं० 2103/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान यतिक के निए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास हरने का हारण है कि प्रयाप्त्रीका पंति का उचित बाजार मुल्य, अन्ते दुरम्पात मतिकत में, ऐसे दुरममान प्रतिकत्त का पन्द्रह प्रतिगत से प्रधिक है प्रीर घन्तरक (प्रन्तरकों) प्रीर घन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-कत निमानिखित उद्देषय से उकत प्रस्तरण तिखित में वास्तविक

(क) अन्तरण में हुई किसी आज की बाबन उनत अधि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या

म्ब्य से तथित नहीं किया गया **है:--**

(ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी घन या भ्रम्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय घायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रब, उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं उक्त प्रधितियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयौत्:--

1. श्री एस० नातम् नि श्रम्माल।

(अन्तरक)

2. मैसर्स मदुरै पलनिमप्पा थेरेडिंग कारपोरेशन। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्यक्ति के श्राजैन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताशारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वरदीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के प्राध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही मर्च होगा जो उस धह्याय में विया गया है।

अनुसुची

डाकुमेंट नं० 2103/79 एस० धार० घ्रो० पुदुमडयम, भृमि ग्रौर निर्माण डोरन० 11, सबदम्तीं स्ट्रीट, मदुरै।

> भ्रो० भ्रानंद्राम सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 1, मद्रास

लारीख: 24-6-1980

मरेहर:

प्ररूप भाई० टी० एन• एस०-

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के धधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1, भद्रास मद्रास, दिनांक 8 जुलाई 1980

निर्वेश सं० 20/नवम्बर/79—यतः मुझे श्रो० श्रानांद्राम आयकर श्रविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रशिवियम' कहा नया है), की धारा 269-आ के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उनित बाजार मूल्य 25,000/- क्पये से अधिक है श्रीर जिसकी सं० 15 नजपती राय रोड है, जो सोक्कीकुलम मदुरै में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती ग्रधिकारी ने कार्यालय मदुरै (डाकनं० 5121/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नवम्बर

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए सम्तरित की नई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिशत प्रक्षिक है और प्रन्तरक (भन्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरक किए तय पाया गया प्रतिफल किन निम्नलिखित उहेश्य से उक्त अन्तरण मिखित में बास्तिक कप से किया नहीं किया गया है।——

- (कः) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, चक्त बाबि-नियम, के ध्रधीन कर देने के सन्तरक के वासिश्य में कमी करने या जससे अचने में सुविद्या के लिए। और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यया था या किया आमा चाहिए था, जियाने में सुविधा के बिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 म के धनुसरण में, में, अपत अधिनियम की धारा 269 म की उपचारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अथीत्:—-

- श्री यू० सिवसुबरमिवयम मुदलियार श्रीर साथिमों। (श्रन्तरक)
- श्री पी० एल० कन्नप्प चेहियार। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोशन सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की भ्रविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 3.0 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद्ध किसी प्रस्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्हीकरण: --इमर्में प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रीधनियम के श्राध्याय 20-कर्मे यका परिभाषित हैं, वही श्रायं होगा जो उप श्रध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूधी

डाकुमेंट नं० 5121/79 एस० श्रार० श्रो० भूमि ग्रीर निर्माण डोरनं० 15, लजपति राय रोड, महुरै।

> ग्रो० आनंद्राम सक्षम प्रा**धिकारी** स**हायक ग्रायकर ग्रायुक्त** (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1, मद्रास

तारीख: 8-7-80

प्ररूप आई०टी ०एन ०एस ० -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-l1 मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 जुलाई 1980

निर्देण सं० 85/नवम्बर/79—यतः मुझे श्रो० ग्रानंद्राम प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 87 गेरिंगटन रोड़ है, जो चेटपट, मद्रास-31 में स्थित है (श्रौर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, मद्रास सबुत (डाक नं० 1828/79) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, तारीख नवस्वर 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किश्य नहीं किया गया है:——

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उ∓त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; शौर/या
- (छ) ऐसी किसी आय या किसी धन या भ्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः प्रवं, उक्त श्रीधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात्:--- 1. श्री के० राजगोपालन।

(भ्रन्तरक)

 श्री ए० वी० एम० हाजी मोहम्मद इबराहिम। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रज्न के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदीं का, जो उन्त ग्रधिनियम के ग्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रर्थ होगा जो उस ग्रष्ट्याय में दिया गया है।

अ**नुसूच**ी

डाकुमेंट नं० 1828/79 एस० ग्रार० ग्री० मद्रास संबुत भूमि ग्रीर निर्माण डोर नं० 87 गेरिंगटन रोड चेटपट, मद्रास-31।

> श्रो० श्रानंद्राम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण), श्रर्जन रोज-I, मद्रास

तारीख: 8-7-1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

1. श्री लूमिस फेरनेंडस।

(भ्रन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना 2. श्री पीटर फेरनेंडस।

(भ्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, मद्राम

मद्रास, दिनांक 8 जुलाई 1980

निर्देश मं० 81/नवम्बर/79--यतः मुझे, ग्रो० ग्रानंद्राम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहां गया है), की धारा 269- ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी स० 16 मनल-स्ट्रीट है, जो तूर्तीकोरीन में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय जे ० एस० ग्रार० ग्रो० तूर्तीकोरिन (डाक नं० 3026/79) में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, तारीख नवस्वर 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय् या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

का यह सूचना जारी करके पृथांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि ला भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पृव्कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वम्त्वी

डाकुमेंट नं० 3026/79 जे० एस० ग्राप्ट श्रो०- II तूतीकोरीन

भूमि श्रौर निर्माण टि० एस० नं० 937, 938, 941, 942, 943, 945, (भाग) डोर नं० 16, मनल स्ट्रीट तूती-कोरीन।

> श्रो० श्रानंद्राम सक्षम श्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, मद्रास

अप्तः अख, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातुः——

तारीख: 8-7-1980

प्ररूप आहाँ. ट्री. एन. एस.----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंच II, महास

मद्रास, दिनांक 8 जुलाई 1980

निर्देश सं० 105/4—-यतः मुझे राधा बालकृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 19/44 है, जो बी० बी० स्ट्रीट कोयम्बेट्रमें स्थित है (ग्रीर इससे उपावज ग्रन्सुची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय कोयम्बट्र में (डाक्सेंट सं० 5517/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख नम्बर 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निष्कित में वास्तिवक रूप से किथानु नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आयु या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरण में, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्मुलिखित व्यक्तित्यों नुर्थात्:--- 1. श्री के० शाहल हमिद।

(भ्रन्तरक)

2. श्री ए० सी० मुनरमद कुट्टि।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोपः ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहां वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण 19/44, बी० बी० स्ट्रीट कोयम्बेटूर (डाकुमेंट सं० 5517/79)

राधा बालकृष्णन सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोंज - मन्नास

तारीख: 8-7-1980

प्ररूप आइं. टी. एन. एस.----

1. श्री ग्राए० जमबुलिंगम।

(भ्रन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना 2. श्री ग्रार० श्रीनिवासन।

(भ्रन्तरिती)

भारत सरकार

फार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 जुलाई 1980

निर्देश सं० 10554—यत: मुझे राधा बालकृष्णनं, भायकर गिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

त्रीर जिसकी सं० 8, बेंनकटरामन है, जो स्ट्रीट पोल्लाची में स्थित है (ग्रीर इससे उपाधद्ध में ग्रीर पूर्ण क्ष्प से बाँणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, पोल्लाची (डाक्सेंट सं० 2768/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर 1979 को पृत्रांक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक अप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—— को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः ---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्यव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहों अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि ग्रौर निर्माण बेनकटरामन स्ट्रीट पो लाज्यी। (डाक्षुमेंट सं० 2768/79)।

> राधा बालकृष्णन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II मद्रास

तारीख: 8-7-1980

प्रचप माई• टी• एन• एस•----

आयकर मिमिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज IV, मद्राक्ष

मद्रास, दिनांक 11 जुलाई 1980

निर्देश सं० 10493—यतः मुझे राधा बालकृष्णन आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-इपए से अधिक है

स्रौर जिसकी मं० टी० एस० 12/16 सी० एन० एस० रामस्वामी अध्यनगर रोड़ है, जो कोयम्बेट्र में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध ; श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बेट्र (डाकूमें ट सं० 3536/79) भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) अधीन तारीख 16 नवम्बर 1979

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है जि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमा प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से घष्टिक और घन्तरक (घन्तरकों) और अन्तरिती (ग्रम्वरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गा। प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उनत श्राधि-नियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रम्तरक के वायित्य में कभी करने था उससे बचने में मुविधा के लिए; आरंग्या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रत्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्राथकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चर्हिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः भव, उनतं अधिनियम की घारा 269-म के अनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम की बारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निन्नलिखित व्यक्तियों अधीत:—

1. श्री ए० राजगोपाल ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री वी० कनठस्वामी।

(भ्रन्तरिती)

उन्त सम्मित के अर्बन के मंबंध में कोई भी आक्षेत:--

- (क) इस सूचना के राजपक्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की मनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की मनिध, जो भी मनिध बाद म तमाप्त होती हो, के भीतर पूर्यों का व्यक्तियों में किसी श्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी बसे 45 दिन के मोतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबह किमी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, अजोद्गताश्वरी के पास लिखित में किए जा मर्केंगे।

स्पष्टीकरण:--- इत्नें प्रयुक्त शब्दों मोर वदों का, जो उक्त सिस्तियम के प्रध्याय 20 के में परिभाषित है, बढ़ा प्रयंद्वीया जो उस प्रध्याप्र में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि स्रोर निर्माण टी० एस० सं० 12/16-सी० एन० एस० रामस्वामी ऋय्यनगार रोड़ कोयम्बेटूर। (डाकूमेंट सं० 3536/79)

> राधा बालकृष्णन सक्षम प्राधिकारी महायक स्नायकर स्नायुक्त, निरीक्षण स्रर्जन रेंज, मद्रास

दिनांक : 11-7-1980

प्रकृप मार्ड, टी. एन. एस.

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घु (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

काय्राल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेज-1 महास

मद्रास, दिनांक 11 जुलाई 1980 निर्वेश सं० 10493—-यतः मुझे, राधा, आलकृष्णन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० टी० एस० सं० 12/16 सी० एन० एस० रामस्वामी श्रव्यनगार है, जो रोड़ कोयम्बद्द में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी कार्यालय, कोयम्बद्द (डाक् मेंन 3535/79) में भारीन रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 को 16) के स्थीन तारीख नवम्बर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण निलिखत में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त जिथ-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मा, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित त्युक्तियों सुथित्:--14—186GI/80

1. श्री रा० राजगोपाल।

(भ्रन्तरक)

2. श्री बी० तिम्मय्यन।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 विन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारींस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त मों हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकींगे।

स्पव्होकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गयर है।

अनुसूची

भूमि टी०एस० सं० 12/16 सी एन० एस० रामस्वामी अध्यनगार रोड, कोयम्बटूर। (डाक्मेंट सं० 3535/797

> राधा बालक्रुप्णन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्तः (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 11-7-1980

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के प्रधीन मूचना

> भारत सरकार कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मद्रास

> > मद्रास, दिनांक 10 जुलाई 1980

निर्देश सं० 7778—यतः मुझे राधा बालकृष्णन जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्न अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से रिषक है

श्रीर जिसकी सं० 10, माडल स्कूल रोड़ है, जो मद्रास-6 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूत्री में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय टी० नगर (डाक्सेंट सं० 1549/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख नयम्बर 1979 को पूगका सम्पत्त के उचित खाजार मूख्य से कम के दृष्यमान प्रतिफ न के लिए परनरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पयापूर्वोक्त मध्यति का उचित खाजार मूख्य से कम के दृष्यमान प्रतिफ न के लिए परनरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पयापूर्वोक्त मध्यति का उचित खाजार मूख्य, इसके दृष्यमान प्रतिफ का पत्वह प्रतिगत ग्राधक है और मन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (ग्रन्तरितिथों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित खंद्य से हवन परगरण विश्वा में शस्तिवत्न कप से कथित नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के धन्तरक के दायिस्व वें कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिल्हें भारतीय घायकर मिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिंधिनियम, या घन-कर घिंधिनिय, मा 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए वा, खिपाने में सुविधा के निए।

वतः ववः उन्त अधिनियम की घारा 269-ग के सनुतरण में, में, जन्त अधिनियम की घारा 269-व की उपघारा (1) के वदीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :— 1. श्री एस० एन० मृतु।

(भ्रन्तरक)

2. श्री एस० टी० पाठियन।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धार्जन :---

- (क) इस पूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी आ से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख ने 45 विन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहरनाक्षरी के पान लिखित में किए जा सकोंगे।

श्यकीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के शब्दाय 20-के में पारभा पत है, वही धर्म होगा जा उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि भ्रीर निर्माण -10 माडल स्कूल रोड़ मद्रास-6। (डाक्सेंट सं० 1549/79)।

> राधा बालकृष्णन सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज मद्रास

तारीख: 10-7-80

प्ररूप आर्ड. टी. एन्. एस.-----

1. श्री द्यार० कृष्णन पठयाची।

(ग्रन्तरक)

2. श्री टी० राजाराम नायडु।

(भ्रन्तरिती)

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष् (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, मदास

मद्रास, दिनांक 11 जुलाई 1980

निर्देश सं० 8815--यतः मुझे राधा बालकृष्णन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रत. से अधिक है

श्रीर जिस्की सं० 10 बी/1, रामचन्द्रापुरम तेन्नूर है, जो दिचिरापल्ली में स्थिति है (ग्रीर इससे उपावश्व धनुसूची में न्नीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता म्रधिकारी के कार्यालय, दिचि (डाकुमेंट सं० 5759/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन नवम्बर 1979

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्रेयह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उददेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर धने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (स) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के बनुसरण में, मैं, खक्त अधिनियम की भारा 2.69-घ की उपभारा (1)के अधीन, निम्नलिशित व्यक्तियाँ अर्थात्:--

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन को लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास जिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में गया है।

वनस्परि

भिम भौर निर्माण-10 बी/1 रामचन्द्रापुरम तिलैनगर द्रीची। (डाक्**मेंट सं० 5759/79**)।

> राधा बालकृष्णन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मब्रास।

तारीख: 11-7-80

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

भागकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांकः 11 जुलाई 1980

निर्देश सं० 7771--यत:, मुझे राधा बालकृष्न,

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से ग्रिक है

श्रोर जिसकी स० 285, है, जो मींड रोड, मदास में स्थित है (श्रोर इससे उपाबस अनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री कर्ता श्रीध कारी के कार्यालय टी० नगर मद्रास (डाकुमेंट 1570/79) में भारतीय रिजस्ट्रीकर श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16 के श्रीधीन 16 नवम्बर 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रिंसफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्मह प्रतिश्वत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक कर से किया गया है।—

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधि-नियम के भाषीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या सससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर भिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिष्ठिनियम, या धन-कर भिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थ भन्सरिती द्वारा भकट नहीं किया गया था या किया जाना थाहिए था, श्रिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, ग्रब, उक्त ग्रधिनियम, की घारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री नटराज चेट्टीयार

(अन्तरक)

(2) श्री सी० मनशिराम

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के प्रजेंन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्याक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदो का, जो उक्त श्रीवित्यम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं प्रथं होगा जो छस अध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

भूमि ग्रौर निर्माण — 285 मौंड, रोड मद्रास । (डाकूमेंट सं० 1570/79)

> राघा **बालकृष्टन,** सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-^II, मद्रास ।

मोहरः

तारी**ख**: 11-7-80

प्ररूप आई ० टी० एन० एस०----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 जुलाई 1980

निदेश सं० 10550—यत:, मुझ राधा बालकुष्नं

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 11, श्री राजलकणमा रैस मिल है, जो कन-निमालयम में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबज्ञ में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय अवनाणी (डाकु-मेंट सं० 1183/79) में भारतीय रिजस्ट्रीकर श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16, के श्रीधन 16 नवम्बर 79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विषवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितियाँ उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक क्ष्य से कि थत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

भतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ण के अनुसरण में, मं, जक्त अधिनियम की धारा 269-ण को उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात्:——

(1) श्री राम कठिखेल

(भ्रन्तरकः)

(2) श्री कें० पलनिस्वामी भ्रीर अवरस

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि निर्माण और मेशिनरी श्री राजलकशमी रैस मिल वनजिमालयम, कोयम्बटूर।

(डाकुमेंट सं० 1683/79)

राधा बालकृष्नं सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज II मद्रास ।

तारीख: 11-7-80

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भ्रारा 269-भ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर मायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जनरेंज II, मद्राप्त

मद्रास, दिनांक 11 जुलाई, 1980

निदेश सं० 10550—यतः, मुझे राधा बालक्षकां, भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० 11, श्री राजलकशमी राई मिल है, जो वनजिपालयम में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय कोयम्बतूर, (डाकुमेंट सं० 1684/79) में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16के श्रधीन) नवम्बर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिध-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या ग्रम्य ध्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ध्राय-कर ध्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रतः ग्रव, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रयीत :--- (1) श्री एम० ग्रप्पुस्यामी महागिम

(मन्तरक)

(2) श्री के० पलनिस्यामी श्रीर भ्रदरस

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

खनत संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 विन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रघोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त मधि-नियम, के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रथं होगा जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसची

भूमि निर्माण ग्रौर मेणिनरी 2,श्री राजल्कशमी राईस मिल वनजिपालयम

(डाकुमेंट सं० 1684/79)

राधा बाल कृष्नं, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज II, मद्रास ।

तारीखा : 11-7-80

प्ररूप भाई • टी • एन • एस • ---

आयकर समिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269-ष (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज II, मद्राम

मद्राप्त, दिनांकः 11 जुलाई, 1980

निदेश सं० 10550---यतः, मुझे राधा बालकृष्नं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (त्रिसे इसमें इसके पश्चात 'उना अधिनियम' कहा गया है), की धारा ४६९-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका 25,000/- च● उचित बाजार मूल्य से आधिक है ग्रौर जिसकी सं० II, श्री राजलकणमी राईस मिल में जो वन-जीपालयम में स्थिय है। (भ्रौर उससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोयम्बट्टर में ((डाकुमेंट सं० 1683/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रविनियम, 1908 (1908 का 16) के अबीन नवस्बर 1979 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के वृश्यमान प्रति-फल के लिए प्रश्न**रित की गई है घोर मुझ** यह जिण्लास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रातफल का पन्द्रह प्रतिगत प्रधित्त है धीर अन्सरक (धन्तरकों) और अन्सरिती (ब्रन्तरितियों) के बीच ऐसे चन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिकान, निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित हों वास्तविक रूप से कथित नहीं किया यया है।---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत **उक्त** प्र**धिनियम के पधीन कर देने के घन्तरक** के दायिस्य में कभी करने या उससे घणने में सुविधा के सिए: प्रौर/या
- (च) ऐसी किसी बाग या किसी बन या ध्रम्य ब्रास्तियों को जिन्हें भारतीय घाय-कर घछिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घछिनियम, या छन-कर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुनिशा के निए।

जतः चन, उन्त प्रधिनिनम की घारा 269-म के बनुसरण में मैं, चनत विचिनम, की घारा 269-म की उपवारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अमितयों, अर्थात् :---

- (1) राम अध्युस्वामी प्रेम कूमार
- (धन्तरक)

(2) के० पलनिस्वामी

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जुन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की क्षामील से 30 दिन की धर्विध, जो भी धर्विध बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, घडोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्यी करण 1-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रक्याय 20-क में परिभाषित हैं। वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण मेशिनरी श्री राजलकणमी गईस मिल वनजीपालयम ।

(डाकुमेंट सं० 1685/79)

राधा बालकृष्नं, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज II, मद्रास

तारीख: 11-7-80

मोहरः

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2 मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 जुलाई, 1980

निदेश सं० 10494—-यतः मुझे, राबा बालहाब्नं, श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से श्रधिक है

स्रोर जिसकी सं० एस० एफ० 221/1ए, है, जो माकतनपट्टी में स्थित है (स्रोर इसमे उनाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्री हर्ती स्रिक्ष होरी के कार्यालय कोयम्बट्टर (डाकुमेंट सं० 3539/79) में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण ऋक्षिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रिधीन नवम्बर 1979

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, खबस श्रधिनियम के श्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (का) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्थ भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनयम, या धनकर श्रिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयात् :—

'''(1) तमिलसेलवन श्रीर श्रदरस

(म्रन्तरक)

(2) श्रीपी०पी० डोमिनिक

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति <mark>के धर्जन के</mark> लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जेन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास विखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो छक्त अधिनियम के श्रष्टपाय-20क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

अमुसची

भूमि एस० एफ० 221/1ए, माब्रुतनपट्ी (डाकुमेंट सं० 3539/79)

> राधा बालकृष्नं सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त, निरीक्षण श्रजन रेज-2, मद्रास

तारीखाः 11-7-80

प्रकप आई० टी० एन० एस•-

भायकर मिविनियम, 1961 (1961का 43) की आरा

269-व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर भापुक्त (निरीक्तण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

मब्रास, विसंक 11 जुलाई 1980

·निवेश सं० 10494---पतः, कुने, राज्ञा कालकृष्नं, भायकर भिवित्यम, 1981 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'ज्वतं अधिवियम' कहा वया है), की बारा 269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित 25,000/-रुप ए से प्रक्रिक है माजा र मुल्य और जिनकी सं० एस० एफ० सं० 221/1ए है, जो मासुतन-पट्टी में स्थित है (श्रीर इससे उपावद अनुसूचि में श्रीर पूर्ण रूप ने र्वाणत है), रजिस्क्रीकर्ता प्रक्षिकारी के कार्यालय कोयस्बटूर (डाक्नुमेंट-सं • 2540/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अविभिन्नम, 1-908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के स्वित काजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है घीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पक्ति का चित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और भन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिश्वित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण में दुई किसी प्राम की बाबत उक्त प्रधि-नियम, के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के बिए; ग्रीर/यां,
- (च) ऐसी किसी प्राप या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायक्तर प्रक्रिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर ग्रंधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाम प्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिकाने में सुविधा के लिए;

भराः अब, व्यक्त प्रधिनियम की धारा 269-य के अनुतरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-य की उपजारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रधीत्:--- (1) तमिल सेलनन ग्रीर श्रदरस

(श्रन्तरकः)

(2) श्री डी॰ भमलम

(भन्तरिती)

को यह सूचमा जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के वर्षेण के लिए कार्यवास्थितं करता हूं।

उन्त सन्पत्ति 'के 'शर्जन के सम्बन्ध में शोई 'बी श्राक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत में प्रकाशन की सारी करें 45 दिन की भविष्ठ या सरसंबंधी क्यिक्स पर सुचना की तामीन से 30 बिन की अवश्वि, जो भी भविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के चीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिकारा;
- (क) इत्र सुकता के राज्यत में प्रकाशन की तार्दिक के अ दिन के चीतर उक्त स्थावर तकाति में दितक अस्ति धन्य व्यक्ति द्वारा, प्रवोद्दलाशरी के पास लिकिङ में किए जा सर्वेगे।

स्ववदी सदन :--- इसमें प्रशुक्त काव्यों भीर पदों का, जो उक्त स्वि-नियम के अवध्यान 20 के में परिवाणित है, कही सर्व होता, जो उस सकतात में दिया तथा है।

अगस्य रे

भूमि एम॰ एफ॰ 221/1ए॰ मानुतन बट्टी (डामुमेंटसं० 3540/79)

> राक्षा बालक्र^रनं सक्षम प्राधिकारी, महाबक स्नाबकर स्नायुक्त (निरीक्षण) क्रजेन रेंज-2, मद्रान

स्री**ख**: 11÷7-80

मोहर:

15-186G1[80

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ(1) के प्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2, मद्रास

मद्रास, विनांक 11 जुलाई, 1980

निदेश सं ० 10565---यतः, मुझे, राजा बालकृष्नं

अयमर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिमका उचित बाजार मूल्म 25,000/- वे के प्रधिक है और जिसकी सं 21, 29 ए, के 0 पी 0 एन 0 कालोनी, है, जो जो तिरुचूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण क्य से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तिरुचूर (जाकुमेंटरी नं 0 3309/79) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवस्वर 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिक्रल के लिए प्रकारत की गई है भीर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्दह प्रविश्वत से अधिक ह और यह कि अन्तरक (प्रन्तरकों)

भौर मस्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए एप पाया गया प्रतिकत, तिस्तिचिद्धत छद्देश्य में उक्त प्रस्तरण लिखित: में वास्तविक, का से कमित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के श्रन्तरक दायित्य में कमी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए; और/पाः
- (बा) ऐसी किसी आय या किसी घन या भ्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या भ्रम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में चुविधा के लिए।

णतः प्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अधुसरण में, में, एक्त प्रक्षितियम की शारा 269-म की छपदारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री ग्रापाजी नाहुार ग्रौर ग्रदरस
- (ग्रन्तरक)

(2) श्री मीनाक्षी

(भ्रम्तरिती)

को बहु सूबना जारी करके पूर्वोक्त सम्बक्ति के अर्बन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

दनत सम्वत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारी से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी धविध बाद के समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ले किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी खसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितकड किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास लिकित में किए जा अकींगे।

अनुसूची

भूमि घौर निर्माण — 29, 29ए के॰ पी. राव कालोनी तिस्चूर (डाकुमेंट सं॰ 3309/79)।

> राधा बालकृष्मं सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 11-7-80

मोहर: ्

प्रसप शाई० टी॰ एन॰ एस०-----

मांयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ध्रायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 जुलाई 1980

निवेश सं 0 10498—यत:, मुझे राधा बालक्कानं, पायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूर्ण 25,000/-६० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी स० प्लाट 94, है, जो लाल बहादुर कालोनी पीलमेठु में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप ते बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कोयम्बटूर (डाकुमेंट स० 5703/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नवम्बर 1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोका समाति का उचिन बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्त से अधिक है, भीर वह कि मन्तरिक (धन्तरिकों) भीर अन्तरिक्ती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्दर्श में लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिबान छोश्य से उन्तर अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किश्त नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किशी आग की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; और या
- (बा) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या प्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त ग्रधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गपा या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुक्थिं के लिए;

त्रतः, धव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की बारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन विस्कृतिवित व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) श्री टी० एन॰ रामनातन

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ग्रार० गान्तामनी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में सनाष्त्र होती हो, के भीतर पूर्वीका
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से न्या कि दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रघोहस्ताझरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्हीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त प्रधिनियम', के ब्रह्माय 20-क में यका परिकारित : हैं, बही अर्थ होगा, जो उस ब्रह्माय में दिका गवा है।

प्रनुसूची

भूमि ग्रीर निर्माण-94 लाल बहादुर कालोनी, कोयम्बटूर (डाकुमेंट सं० 5703/79)।

> राधा बाल रूप्नं, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायक्षर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्राजैन रेंज-II, मद्रास ।

तारीखा: 8-7-80

प्ररूप आवं• टीं• एन• एस०⊶

जावतर जीभीनवन, 1961. (1961 को 43) की भारत 269-न (1) के जधीन त्याना

भारत तरकार

कार्ज्ञास्त्र सहायक जावकर नायुक्त (निरक्षिन). भर्जन रेंज II, नदास

मद्रास, दिनांक 8 जुलाई 1980

निवेश सं ० 10517—यतः, मुझे, राधा बाल हिण्नं वाबक्कर किंपिसका, 1964 (1961 का 43). (जिले इसमें इसके, परवातः 'उनक किंपिनवा' नाह्य गवा हूरी, की भारा 269-वा के अभीन तक्षण प्राधिकारी की वह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार बृत्व 25,000/- रा. से विधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 401, है, जो डाक्टर सुब्बरायन रोड, कोयम्ब-टूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बर्णिस है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कार्यालय, बांदिपुरम (डाकुमेंट सं० 3487/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नवम्बर 1979

को पूर्वांक्स सम्पत्ति के उर्वेचत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई ही और मुभ्ने यह विश्वास करने का करण है कि वथाप्योंकत सम्मितः कम उर्वित बाजार मूल्यः उसके कलकता प्रतिकल से एके दृश्यमान प्रतिकल का पत्यह प्रतिकृत से विश्वा है और अन्तरक (बन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिकों) के बीध एसे अन्तरण के लिए तब गया गया प्रतिकल, निकालिकात उद्देच से उक्त अन्तरण लिकित में वास्तीयक रूप से करिशत नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुदूर किसी नाम की बाबत, उक्त जिथिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कनी करने था उससे बचने में सृतिभा तिए; और/वा
- (ब) ऐसी किसी आव वा किसी भन वा जन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आव-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्स अधिनियम, वा भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा वा किया जाना वाहिए था छिषाने में स्वैत्यक्त के स्किए;

- (1) श्री ग्रलमेलु ग्रम्माल, सरस्वती ग्रम्माल (ग्रन्तरक)
- (2) श्री नंजस्माला

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्क सम्बर्गत के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्कारा;
- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के ते 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्धित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा, अधोहस्ताक्ष्ररी के वास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वब्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित ह¹, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिंबा गया हु¹।

नगतनी

भूमिन्द्रौर निर्माण 401, डाक्टर सुब्बरायन रोड़, कोयम्बट्टूर (डाकुमेट सं० 3487/79)।

> राधा बालकृष्नं सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भागुक्त (निरीक्षण) ्रभजन रेंज II, मद्रास

ज्ञाः जज्ञ, उनस अधिनियम की धारा 269 म को, जमुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269 म की उपधारा (1) के नभीन निम्नितिस्ति व्यक्तिस्तों जर्थातः—

तारीखाः 8-7-80

प्रकृप आईके औंक प्रमूक एकका---

जानकर अजिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 268 (1) ने सबीन कुलना

भारत सरकार

कार्यालय, सद्धायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज II, मदास

मद्रास, दिनांक 8 जुलाई 1980

निदेश सं • 10517—यतः, मुझे राधा बालकृष् न आवकर अधिनिवन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इयके पश्चात् 'उक्तः पश्चिमियम' कहा गवा है), की 'बारा 269-ख के मबीन सक्षन प्राधिकारीं को, यह विश्वास करने का कारण है कि क्वाबर सम्पत्ति, जिसका उधित वा बार मूक्त 25,000/- व० बे बाबिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट 401 है, जो डाक्टर सुब्बरायन रोड़, कोयम्बट्टर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय बांदिपुरम (डाकुमेंट सं० 3488/79) में भारतीय रिजस्ट्री-करण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन नवस्थर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिन्त नाजार मूल्य से क्रम के वृश्यनात शिल्लन के जिय मन्तरित को गई हैं: घोर मुझे यह विश्वास- करने कां कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का जिल्ला वाजार मूल्य, उतके वृश्यमान प्रतिकान का पत्त्वह प्रतिकत अधिक है घोर पत्तरिक (धन्तरिकों) घोर प्रस्तरिकी (धन्तरिवां) के बीच वेसे धन्तरिक के सिए तय पाया नया प्रतिकान, निम्निजित उद्देश्य से क्ष्मत प्रत्तरिक शिक्ति महीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण सि हुई किसी बाय की बाबत खक्त प्रक्षि-नियम के अधीन कर रेत के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में मुक्षिया के लिए; बीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर खिलियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोजनार्थ प्रकारती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिबेथा, खिथाने में सुविधा के जिए;

मतः अम, उच्त पविनियम की घारा 26 क्र-म के अनुसरण में, में, उच्न प्रविनियम की घारा 26 क्र-म की उपज्ञांचा (1). के. अधीन मिक्नसिखित व्यक्तियों, अवीत ।--- (1) श्री ग्रलमेलु ग्रम्माल, सरस्वती

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ग्रखम्माल भीर भदरस

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचता जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाखेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की धविद्या तत्सच्यक्की व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविक्ष, जो भी धविद्य बाद में समाप्त होती हैं, के भी तर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
 - (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45-विन के मीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितका किसी प्राप्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहरूताकरी के पास-लिखित में किये जा सकेंगे।

रप्रस्तिकरणः:—इम्रसँ प्रमुक्त सन्दर्भ भीर पर्वो का, जो उत्तर्कः

-- व्यक्तिप्यम के अध्याव 20-कः में परिवाधिकः

के पद्दी- धर्म- होगा, को उस- धरमान में दिवा।
गया है।

अनुसू**चो**

भूमि श्रौर निर्माण 401, डाक्टर सुन्बरायन रोड़, कोयम्बदूर (डाकुमेंट सं० 3488/79)।

राधा बालकृष्णन सक्षम प्राधिकारी सहाबक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज II, मद्रासः।

ना**रीच** : *8*-7-80

त्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री सी० श्रीधरन

(ग्रन्टरक)

जाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन त्यना (2) श्री डाक्टर बी० एम० बीरबाहु

(भ्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 जुलाई 1980

निदेश सं० 10555—यतः मुख्य राधा नालकृष्णन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं 15/8, है, जो पेहनाल, ले० ग्राउट कोयम्बट्र 11 में स्थित हैं (ग्रीर इसो उगाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बिजितहै), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कोयम्बट्र (डाकु-मेंट सं 0 3451/79) में रजिस्ट्रीकर, ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 17 नवम्बर 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि मधापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में यास्तिषक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंकत सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकरेंगे।

स्वष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त क्षव्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गढ़ा है।

अन्त्ची

भूमि और निर्माण 15/8, पेवमाल ले ग्राउट कोयम्बट्र-11 (डाक्नमेंट सं० 3451/79)

राधा बालकृष्णन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षक) ग्रर्जन रेंज II, मद्रास

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण को, की, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:---

तारीख: 8-7-80

प्रारूप ग्राई० टी० एन० एस०----

मामकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज , मद्रास मद्रास, दिनांक 11 जुलाई 1980

निदेश सं० 7749—यतः मुझे राधा बालकृष्णन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनिरम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वातर सम्मत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 25,000/- दगए से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 41, है, जो कसतूरी रंग श्रव्यंगार रोड़ा मद्रास 18 में स्थित है (श्रीर इससे उपायद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण विज्ञत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय मैलापुर (डाकु-मेंट सं० 1943/79) में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नवस्वर 79

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरित (अन्तरिको) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के भीच ऐसे अन्तरम के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उश्चेय ने उका प्रत्तरण निश्चित में तास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण में हुई किनी आप की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दावित्व में किनी किरने या अससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः श्रम, उनत श्रिधिनियम की घारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, श्रायकर श्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रमि: —— (1) श्रीमती एम० सकुन्तला

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ए० बल्जतमती

(भ्रन तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीनत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रार्वत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजात में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की प्रविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर तूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति शारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में शितवंद किसी भ्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्वक्तीकरण: --- इसमें प्रमुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रीक्ष-नियम के घष्ट्याय 20-कं में परिभाषित हैं, वहीं सर्वे होगा जो उस मध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण 41 कस्त्री रंग ब्रय्यगार रोड मदास (डाकुमेंटसं० 1943/79)

> राधा बालकृष्णन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जनरेंज ∏, मद्रास

तारीख: 11-7-1980

प्रास्प आई॰ टी॰ इतः एस॰-----

भायकर पंचितियम, 1961 (1961 का 43) की बारा

269व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्क)

म्रर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, विनांक 8 जुलाई 1980

निदेश सं० 10560—यतः मुझे राधा बालहृष्णन आयक्तर प्रिवित्रयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम भ्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25/900/- व्यय सं अधिक है

क्रीर जिसकी सं 6/30 है, जो सौरिकालयम कोयम्बट्र में क्षित है (क्षोर इसमे उपाबक अनुसूची में क्षोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिल्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय कोयम्बट्ट्र (शाकुमेंट सं 5490/79) में रजिल्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 16 नवम्बर 79

की पूर्वेक्त सम्पत्ति के सिवत काजार मूल्य से कम के कृष्यमान असिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत 'उक्त ग्रिख-नियम', के श्रधीन कर देने के श्रम्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/पा
- (का) ऐसी किसी झाय या किसी धन हा क्रम्य झास्तियों को, जिन्ह भारतीय अवस्थकर मिसिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त झिनियम, या धनकर झिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया अस्या था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः, ग्रम, उनत ग्रधिनियम की धारा 269-ग में ग्रनु-सरण में, में, उनत ग्रधिनियम की धारा 269-ग की उन्नधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीतः-- (1) श्री वरदराजन

(ग्रन्तरक)

(2) श्री भार० डोरैस्वामी

(ग्रन्तरिसी)

को यह स्मूलका जारी शास्के पूर्वोक्त सम्पक्ति के आर्कन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपस सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूक्का के सक्रवल में अनक्रकान की लारीक्वा से 45 दिन की अवधि या तर्स्संधी क्यक्तियों पर सूक्ता की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधिक्याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में के किसी व्यक्ति व्यक्ति कारा;
 - (क) व्हस सूचना को आजपन्न में प्रकासन-की-साम्प्रका तो 45 वित्त को भीतर इन्सा-स्थापर-सम्बद्धि को हितकह किसी प्राप्त न्यस्ति हारा, अध्योत्हरतकारी को भास निविद्या में किए सा लोकी।

स्वत्रद्योक्तरण :--इसमें प्रयुक्त सन्दों भीर प्रदों का, जो उनत स्रक्षि-निमम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही स्रवं होंगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण 6/30, सौरियालबम कीयम्बटूर (डाक्टु-बेंट सं० 5-490/79)

> राधा बालकृष्णन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज II, मद्रास ।

तारीब: 8-7-80

प्ररूप आई. टी. एम्. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 जुलाई 1980

निदेश सं० 10506—यतः मुझे, राधा बालक्षण्यन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्नौर जिसकी सं० 35, है जो लक्षणन नगर धनपती में स्थित है (श्रीर इससे उपाबस अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय धांदिपुरम (डाकुमे सं० 3326/79) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन नवम्बर 79

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुत्रिया के लिए;

अतः अब, उसत अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मा, उसत अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों अर्थातः——
16—186GI/80

(1) श्री भ्रार० लकशमणन

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एस० बालकृष्णन

(भ्रन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्**ची**

भूमि ग्रीर निर्माण 35, लकशमणन नगर कोयम्बटुर (डाकु० सं० 3326/79)।

राधा बालक्रुष्णन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज II, मद्रास

सारीख: 8-7-80

मोहरः

प्रकप भाई • ही • एन • एस • ---

ग्रायकर भ्रष्टिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के भ्रषीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सद्घायक श्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज 11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 जुलाई 1980

निवेश सं० 1803—यतः मुझे, राधा बालकृष्णन, आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की खारा 269-ख के अधीत सक्षत्र प्राधिकारी की, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 5, है, जो डाक्टर राधाकृष्णन रोड, मद्रास-6 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मंगलूर (डाकुमेंट सं० 1963/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1979को

पूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्वह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफन निम्नलिबित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक एप से कथित नहीं किया गया है:---

- (५) प्रत्नरग मे त्रृई िक नी यात्र की नावन जनन प्रक्रि-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या जससे बचने में मुजिधा के निए; ग्रीर/या
 - (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रत्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रंधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्य प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिराने में सुविधा के निए;

अतः, प्रवः छर्न प्रधिनियम की धारा 269-ए के भ्रनुसरण में. मैं, उन्त प्रधिनियम की घारा 269-ए की उत्तर्धारा (1) कें अधीन निम्नुलिखिन व्यक्तियों अर्थात '—— (1) श्री ललिता पदमिनी

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती कमला बगवनदास

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के मर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उन्त सम्पत्ति के पर्जन हे सम्बन्ध में कीई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 किन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में ये किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी प्रत्य व्यक्ति हारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसर्ने प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उवत प्रधिनियम के भ्रष्टाय 20-क में परिभाषित है, वहीं भ्रषे होगा, जो उस भ्रष्टाय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि ग्रौर निर्माण 5, डाक्टर राधाकृष्ण रोड, मद्रास-4 (डाकुमेंट सं० 1963/79) ।

> राधा बालकृष्णन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षक) ग्रर्जन रंज II, मद्रास ।

तारीख: 11-7-80

मोहरः

प्रकृप धाई० डी • एन • एस • ----

भायकर प्रश्निनियम, 1961 (1961 का 43) की झारा 269-व (1) के घंधीन सूचना

भारत सरकार

वायां तथा सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज II, महास

मद्रास, दिनांक 10 जुलाई 1980

निदेश सं० 7803—यतः मुझे, राधा बालकृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पम्बात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 289-च के घडीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर संपत्ति जिसका उच्छि बाजार मृह्य 25,0000/-र० से घडिक है

श्रीर जिसकी सं० 4 डाक्टर राधा कृष्णन रोड, है, जो मद्रास-4 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्सा ग्रधिकारी के कार्यालय मौलापूर (डाकुमें० सं० 1964/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन नवम्बर 1979

को पर्चोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफत के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिफल प्रविक्त है और पन्तरक (अन्तरकों) और पन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्निविध्व उद्देश्य से धक्त अन्तरण निधित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण वें हुई किसो प्राय की बावत खेक्छ अधिक नियम, के प्रधीन कर देने के प्रश्वरक के दायित्व में कमी करनें था उससे बचने में बुविधा के किए। घौर/या
 - (अ) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या स्वतः अधिनियम, या धन-फर भिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उन्त अतिनियम की धारा 289-ग के प्रनृ-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उक्कारा (1) के अधीन, निम्निविधा गाहिरयों, अर्थात् 1(1) श्री एस० लिलता।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती जोति जयकिशन बगवनठामि

(श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी चरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूबना के ज्ञाजपत्न में प्रकाशन की तारोचा से 45 जिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के चीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद किसी जन्य क्यन्ति द्वारा, अधोहक्ताक्षरी के पास जिल्वित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिरण।---इसमें प्रयुक्त सन्दों भीर पदों का, जो उन्त प्रधिनियम के प्रत्याय 20-क में परिकाणत है, बही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में देया गया है।

अनुसन्ती

भूमि श्रीर निर्माण-4, डाक्टर राधा कृष्णन रोड, 9 स्ट्रीट मद्रास।

(डाकुमें० सं० 1964/79)

राधा बालकृष्णन सक्षम प्राधिकारी सहामक झायकर झायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज II, मद्रास ।

तारीख: 10-7-80

प्ररूप आर्ड, टी. एन. एस.-

अगयुक्ट अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

म्रजन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 जुलाई 1980

निदेश सं० 8830—यतः मृझे, राधा बालक्षण्णन, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की घारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० 1 ए, है, जो बालकृष्णन नगर मभारघुटी में स्थित है (ग्रीर उससे उपाबद्ध में ग्रीर पूर्ण रूप से व्यणित है), रजिस्ट्री कर्ता ग्राधिकारी के कार्यालय मन्नारघुटी (डाकुमेंट सं० 2814/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16 के ग्राधीन 16 नयम्बर 1979

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितात से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितात से अधिक एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्त्रण किखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-नियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए:

जतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण को, को, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के कृषीण, निम्मीलिक्त व्यक्तियों अधितः— (1) श्री वैदयलिनगम

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एकानन्दन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृषांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि भौर निर्माण—1 ए० बालकृष्णन नगर, मन्नारघुठी (जाकुमेंट सं० 8830/79)

राधा बालकृष्णन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-II, मद्रास

तारीख: 11-7-1980

मोहरः

प्ररूप माई० टी० एन० एस०----

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269य (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर <mark>भ्रायुक्त (निरीक्षण)</mark> भ्रजन रेंज-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 जुलाई 1980

निवेश सं० 8817—यतः मुझे राघा बालकृष्णन, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से प्रधिक है

मार जिसकी सं० सी० 40, 7 कास है, जो नारत ईस्ट एकसटनमन द्रिषी में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध में भीर पूर्ण रूप
से बांणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय किश्ची
(डाकु० सं० 3274/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) ग्रधीन 16 नवम्बर 79
को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूथ्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्त्रह प्रतिशत से ग्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर
ग्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल तिम्नलिखिन उद्दश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देते के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उनत प्रविनियम, की धारा 269-ग के प्रतुसरण में, में, उनत प्रविनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीम निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

(1) श्री रामचन्द्रन।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री बाबुराम

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्तिके ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति झारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसो प्रत्य व्यक्ति द्वारा प्रिधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्यब्दोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर नदों का, जो उक्त श्रधि-नियम, के श्रव्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

प्रनुसूची

भूमि ग्रीर निर्माण-सी-40, 7 कास नारत ईस्ट एम-सटनमन द्रिची (डाकु० 3274/79)

> राधा बालकृष्णन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज II, मद्रास ।

तारीख: 11-7-1980

प्रकृष धाईं । टी । एन । एस ---

भायकर निवित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-म (1) के भंधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर भायुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 जुलाई 1980

निदेश सं० 7755—यतः मुझे राधा बालकृष्णन, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- इपये से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 50, एडवरड एल्लियटस रोड है, जो मद्रास 4 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय मैलायूर (डाकुमेंट सं० 1898/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16 के ग्रधीन 16 नवम्बर 79

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफन के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिकृत सधिक है और धम्तरक (धम्तरकों) और धन्तरिती (धम्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में बास्तिक का से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के भन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविता के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी घन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अथः सब, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अबुधरण में, में, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपवारा (1) अधीन निम्नसिखित व्यक्तियों अर्थात्।— (1) श्री जी० मरीय दास

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीए० ग्रार० वेनकटेसन

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्प्राप्त के घर्षत के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी पाओप:---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र के प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पण्टीकरण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों मीर पदों का, जो उक्त श्रिक्षित्यम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भ्रधें होता, जो उस श्रब्धाय में दिया गया है।

भ्रमुस्ची

भूमि भ्रौर निर्माण 50 एडवरड एल्लिटस रोड, मद्रास-4 (डाकुमेंट सं० 1998/79)

> राधा बालकृष्णन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज II, मद्रास

तारीख : 11-7-1980

प्रकृप आई० टी० एन० एस०-

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के भ्रघीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मब्रास, दिनांक 11 जुलाई 1980

निदेश सं० 10565— पतः मुझे राधा बालकृष्णन, प्रायकर प्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्ये से अधिक है

म्रोर जिसकी सं० 29, 29ए०, के० पी० एन० कालोनी है, जो तिरुषूर में स्थित है (म्रोर इससे उपाबद्ध में भ्रोर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय तिरुषूर (डाकुमेंट सं० 3309/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के म्रधीन नवम्बर 79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पण्डह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गा प्रतिकन, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त श्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रपोजनार्थ भ्रनारिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना खाहिए था, कियाने में सुनिया के लिए;

श्रत. श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-म के श्रनुसरण में, में, उक्त भ्रधिनियम, की धारा 269-म की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात :--- (1) श्री ग्रापाची नाठार।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सी० बी० रामनातन।

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वींक्स सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूवना के राज्यत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति म हितबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, भधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रीधिनियम, के शब्दाय 20-क में परिभाषित है, बही श्रयं होगा, जो उस श्रद्धाय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण-29, 29 ए० के० पी० एन० कालोनी, तिरुवूर।

(डाकुमेंट सं० 3312/79)

राधा बालक्रष्णन सक्षम ग्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1/, मद्रास ।

तारीख: 11-7-1980

मोहरः

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 16th June 1980

No. P./1744-Admn.IJ.—Consequent upon his selection for the post of Denuty Keeper in the National Gallery of Modern Art, Shri Chand Kiran, a permanent Research Assistant (Hindi) and at present officiating as Junior Research Officer (Hindi) on an ad hoc basis is hereby relieved of his duties in the office of Union Public Service Commission with effect from 16-6-1980 (FN) with instructions to report for duty to the Director, National Gallery of Modern Art, Jaipur House, New Delhi immediately.

S. BALACHANDRAN Under Secy.

for Secy.

Union Public Service Commission

New Delhi-11, the 3rd July 1980

No. A-32014/3/79-Admu.I.—The President is pleased to appoint the following officiating Senior Personal Assistants (Grade B of CSSS) of the cadre of Union Public Service Commission to officiate as Private Secretary (Grade A of CSSS) in the same cadre on a purely provisional, temporary and ad-hoc basis w.e.f. the dates mentioned against their names or until further orders, whichever is earlier.

- 1. Shri Joginder Singh, 27-6-80 to 26-8-80.
- 2. Shri R. L. Thakur, 20-6-80 to 19-8-80.

The 5th July 1980

No. A-32014/1/80-Admn.I.—The President is pleased to appoint the following Personal Assistants (Grade C of CSSS) of the cadre of UPSC and at present officiating in the Selection Grade for C Stenographer to officiate as Sr. P.A. (Grade B of CSSS) in the same cadre on a purely provisional temporary and ad-hoc basis for the period mentioned against their names or until further orders, whichever is earlier.

- 1. Shri Jatinder Lal w.e.f. 1-7-80 to 26-8-80.
- 2. Shri T. R. Sharma, w.e.f. 27-6-80 to 19-8-80.
- 2. The above mentioned persons should note that their appointment as Sr. P.A. (Grade B of CSSS) is purely temporary and on ad-hoc basis and will not confer upon them any title for absorption in Grade B of the CSSS or for seniority in that grade. Further the ad-hoc appointments to Grade B of the CSSS for the period mentioned against their names are also subject to the approval of DOP & A.Rs.

S. BALACHANDRAN Under Secy.

Union Public Service Commission

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 19th July 1980

No. 9 RCT 21.—The Director, Central Vigilance Commission, hereby appoints Shri Mange Lal, a permanent Assistant of this Commission as Section Officer in an officiating capacity with effect from 16th July, 1980 to 13th October, 1980 or until further orders, whichever is earlier.

K. L. MALHOTRA

Under Secv. (Admn.)

for Director Central Vigilance Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, the 18th July 1980

No. 14029/12/80-NE.II.—In continuation of this Ministry's Notification No. 14029/36/79-NE-II, dated the 8th May, 1980, the President is pleased to extend the period of ad-hoc appointment of Shri H. Guha, as Adviser (Animal Husbandry) in the NE Council Secretariat Shillong upto 31st December, 1980 on the existing terms and conditions or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

Madan JHA Director (NEC).

DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R. CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 16th July 1980

No. A-19020/1/80.Ad.V.—The President is pleased to appoint Shri SADANAND SINHA (IPS-1956 ORRISA) as Dy. Inspector General of Police in the Central Bureau of Investigation with effect from the forenoon of 26-6-1980 and until Jurther orders.

No. A-19021/4/80.Ad.V.—The President is pleased to appoint Shri S. K. CHTTERJEE IPS/ORRISA-1964 as Superintendent of Police in the Central Bureau of Investigation with effect from the Afternoon of 12-5-80 and until further orders.

The 17th July 1980

No. A.22013/1/80-Ad.II.—The services of Shri Mohan Lal Gursahani, Grade 'A' (CSSS) Stenographer are placed at the disposal of Ministry of Home Affairs with effect from 16-7-80 (AN).

Q. L. GROVER Admin, Officer(E)/CBI

DTE. GENERAL C.R.P.--FORCE

New Delhi-110001, the 19th July 1980

No. O.II-1466/80-Estt.—The President is pleased to appoint on deputation Shri D. M. Mishra, an I.P.S. Officer of Orissa Cadre as Inspector General of Police in the C.R.P.F.

2. Shri Mishra took over charge of the post of IGP S/II C.R.P.F. Calcutta on the forenoon of 19th June '80.

K. R. K. PRASAD Asstt. Dir. (Adm)

OFFICE OF THE INSPECTOR-GENERAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110019, the 4th June 1980

No. E-32015(3)/1/73-PERS.—On his appointment as DIG (Fire), CISF, Shri Bal Raj Mehta relinquished the charge of the post of Fire Adviser/CISF, New Delhi with effect from the afternoon of 19th June, 1980.

The 5th June 1980

No. E-38013(3)/23/79-PERS.—On transfer Shri N. Ram Das relinquished the charge of the post of Assistant Commandant Trg Reserve (SZ) at Madras Port Trust, Madras with effect from the afternoon of 20th May 80.

The 9th June 1980

No. E-38013(3)/9/80-PERS.—On transfer to Bombay Shri G. N. Zutshi relinquished the charge of the post of Asst. Commandant, CISF HQrs. New Delhi w.e.f. the afternoon of 11th June, 1980.

The 5th July 1980

No. E-32015(1)/1/80-PERS.—On attaining the age of superannuation Shri Bal Raj Mehta relinquished the charge of the post of DIG (Fire), CISF HQrs, New Delhi w.e.f. the afternoon of 30th June, 1980.

The 11th July 1980

No. E-38013(3)/9/80-PERS.—On transfer to Bhila; Shri C. S. Varadaraja relinquished the charge of the post of Asstt: Commandant, CISF Unit, MPT Madras w.e.f. the afternoon of 17th June, 1980.

No. F-38013(2)/1/80-PERS.—On transfer to Durgapur Shri S. K Chatterice relinquished the charge of the post of Commandant, CISF Unit, Farakka Barrage Project, Farakka w.e.f. the afternoon of 23rd June, 1980.

No. F-38013(3)/9/80-PERS.—On transfer to Bhilai Shri A. S. Bhatti relinquished the charge of the post of Asstt: Commandant, CISF Unit, RC&F Trombay with effect from the afternoon of 19th June 1980,

No. E-38013(3)/9/80-PERS.—On transfer to Tuli (Nagaland) Shri K. S. Minhas relinquished the charge of the post of Asstt. Comdt, CISF, Trg Reserve at CISF Unit, FCI Sindri with effect from the afternoon of 21st June 1980.

No. E-38013(3)/9/80-PERS.—On transfer from CISF HQRS, New Delhi Shri G. N. Zutshi assumed the charge of the post of Assistant Commandant, CISF Unit, RC&F, Trombay w.e.f. the forenoon of 23rd June 80.

No. E-38013(3)/9/80-PERS.—On transfer from Farraka Shri S. K. Tah assumed the charge of the post of Asstt. Comdt. CISF Unit. Calcutta Port Trust, Calcutta w.e.f. the afternoon of 24th June, 1980 vice Shri Sheo Raj Singh. Asstt. Comdt. who on transfer to Dewas relinquished the charge of the said post w.e.f. the same date.

No. E-38013(3)/9/80-PERS.—On transfer from Durgapur Shri U. P. Behera assumed the charge of the post of Assistant Commandant, CISF Unit, Paradip Port Trust w.e.f. the afternoon of 26th June 1980.

No. E-32015(1)/3/77-PERS.—On attaining the age of superannuation and on expiry of the term of re-employment, Col. B. D. Bhanot relinquished the charge of the post of Commandant, CISF Unit, NFL, Naya Nangal w.e.f. the the afternoon of 24th June 1980.

No. E-16013(1)/1/78-PERS.—On repatriation to the State Cadre Shri Shiv Mohan Singh, IPS (MP: 54) relinquished the charge of the post of Dy. Inspector-General (NW Zone), CISF, New Delhi with effect from the forenoon of 27th June 1980.

No. E-16016/3/79-PERS.—The President is pleased to appoint Shri H. L. Jham to officiate as Assistant Director (Accounts), CISF HQrs, New Delhi who assumed the charge of the said post w.e.f. the afternoon of 4th July, 1980.

The 14th July 1980

No. E-38013(3)/17/79-PERS,—On transfer from Namuup Shri D. Mukherjee assumed the charge of the post of Asstt. Comdt. CISF Unit, RSP Rourkela w.e.f. the forenoon of 11th June, 1980.

No. E-29020/4/76-PERS.—On his appointment as Asstt. Director (Accts) CISF HQrs. New Delhi, Shri H. L. Jham relinquished the charge of the post of Accounts Officer, CISF Hqrs, New Delhi w.e.f. the afternoon of 4th July, 1980.

(Sd.) ILLEGIBLE Inspector General

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the July 1980

No. 11/11/80-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri A. Mukhopadhyay, an Officer belonging to the West Bengal Civil Service, as Deputy Director of Census Operations in the Office of the Director of Census Operations, West Bengal, Calcutta, by transfer on deputation, with effect from the forenoon of 24 June, 1980, until further orders.

The headquarters of Shri Mukhopadhyay will be at Calcutta.

The 15th July 1980

No. 11/29/80-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri Jagdish Panda, an Officer belonging to the Orissa Civil Service, as Deputy Director of Census Operations in the Office of the Director of Census Operations, Orissa, Cuttack, by transfer on deputation, with effect from the forenoon of 16 June, 1980, until further orders.

The headquarter of Shri Panda will be at Cuttack, 17-186 GI/80

No. 11/15/80 Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri S. M. Anantharamu, an Officer belonging to the Karnataka Civil Service, as Deputy Director of Census Operations, in the office of the Director of Census Operations, Karnataka, Bangalore, by transfer on deputation, with effect from the forenoon of 3rd July, 1980, until further orders.

The headquarter of Shri Anantharamu will be at Hassan.

No. 11/120/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri N. C. Sinha, an officer belonging to the Uttar Pradesh Civil Service, to the post of Assistant Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Uttar Pradesh, Lucknow, by transfer on deputation, with effect from the forenoon of the 22nd April, 1980 until further orders.

2. The headquarters of Shri Sinha will be at Lucknow.

No. 11/32/80-Ad. I.—The President is pleased to appoint the following Officers belonging to the Tamil Nadu Civil Service as Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Tamil Nadu, Madras, with effect from the dates indicated against each:—

,_	Name of Officer	Date of appointment	
	(1)	(2)	
1.	Shri G. Joseph Edwin .	Forenoon of the 2nd May, 1980.	
2.	Shri M. Rajagopalan	-do-	
3.	Shri M. Gopala Krishnan	Forenoon of the 9th May, 1980.	

2. The headquarters of S/Shri Joseph Edwin, Rajagopalan and Gopala Krishnan will be at Salem, Thanjavur and Vellore respectively.

P. PADMANABHA Registrar General India,

MINISTRY OF LABOUR LABOUR BUREAU

Simla-171004, the 2nd August 1980

No. 23/3/80-CPI.—The All India Consumer Price Index for Industrial Workers on base: 1960=100 increased by four points to reach 386 (three hundred and eighty six) during the month of June, 1980. Converted to base 1949=100 the index for the month of June, 1980 works out to 469 (four hundred and sixty nine).

A. S. BHARDWAJ Jt. Director Labour Bureau

MINISTRY OF FINANCE DEPTT. OF ECONOMIC AFFAIRS SECURITY PAPER MILL

Hoshangabad-461 005, the 15th July 1980

No. C-8/4137.—Shri V. M. Pardeshi Inspector Control is appointed to Officiate as Assistant Chief Control officer in the Scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on ad-hoc basis from 12-5-80 to 28-6-80 in the vacancy caused due to the ad-hoc appointment of Shri S. S. Johari Asstt. Chief Control Officer as Chief Control Officer and from 29-6-80 to 31-7-80 in the leave vacancy of Shri S. S. Johari, Asstt. Chief Control Officer.

During the above period Shri Pardeshi will draw his pay at the rate of Rs. 740/- P.M. under FR-22 C plus all other allowances admissible under the rules.

The 17th July 1980

No. PF/PD/3/4138.—In continuation of this office Notification No. PD/3/3108 dated 17-18/6/80 the officiating period of Shri S. K. Anand, A.W.M. is hereby extended up to 9-7-1980 against the leave vacancy of Shri P. P. Sharma.

S. R. PATHAK General Manager

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE C.G.D.A.

New Delhi-110 022, the 15th July 1980

No. 23011(1)/66/AN-I.—The following officers have been confirmed in the Junior Time Scale of Group 'A' of the Indian Defence Accounts Service with effect from the dates noted against each :-

Sl. No., Name & Date of confirmation

1, G. K. Menon 07-11-1979

Smt. Priti Mohanty 18-07-1979 Suhas Bancrjee 15-07-1979 Ashok Kumar Chopra 12-07-1979

Rajendra Prosad Jain 08-11-1979

Amit Cowshish 15-11-1979

Pradecp K. Das 13-12-1979

8. Dilip Kumar Biswas 01-11-1979

Addl. Controller General of Defence Accounts (AN)

MINISTRY OF DEFENCE

DG OF HORS. CIVII. SERVICE ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta-700069, the 14th July 1980

No. 13/80/A/E-1(NG)/80.—The Director General, Ordnance Factories is pleased to appoint Shri Shawkat AHMED. Permanent Assistant in the C.S.S. Cadre of the Ministry of Shipping and Transport, New Delhi as Assistant Staff Officer (Group 'B' Gazetted) with effect from 26-6-80 (F.N.) and posted at O. F. Board, Calcutta.

> D. P. CHAKRAVARTI ADGOF/Admin.

for Director General, Ordnance Factories

MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER (SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 15th July 1080

No. 12(406)/63-Admu.(G).—On his appointment as Deputy Director (IEFMLT) Prototype Development Training Centre. Madras, Shri M. Bhoothalingam relinquished charge of the post of Assistant Director (Gr. I) (Leather/ Footwear) in the Small Industries Service Institute, Madras with effect from the forenoon of 16th June, 1980.

> M. P. GUPTA Dy, Director (Admn.)

DIRECTORATE GFNERAL : ALL INDIA RADIO New Delhi, the 19th July 1980

No. 7(165)/58-SI.—Smt R. G. Karve, Programme Executive, Commercial Broadcasting Service, All India Radio. Bombay retired from service with effect from the afternoon of 31st December, 1979.

> MOHINDER SINGH Dy. Director of Administration for Director General

MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 14th July 1980

No. A.19024/6/79-A.III.—The short term appointment of Shri R. Ramakrishnan to the post of Chief Chemist has been extended upto 30-9-80, or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier,

> B. L. MANIHAR for Agricultural Marketing Adviser to the Govt, of India

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY NUCLEAR FUEL COMPLEX

ECIL P.O.

Hyderabad-500 762, 1st February 1980

ORDER

Ref. NFC/PA. V/2606/2112/SSTP/113.—1. WHEREAS Shri G. H. Michael, while functioning as Tradesman 'B' in SSTP, NFC, applied for leave for 19 days from 4-10-'78 to 22-10-'78 on medical grounds and the same was sanction-

- 2. WHEREAS the said Shri Michael failed to attend duty on 23-10-78 on expiry of the leave but sent a letter dated 15-1-79 for extension of leave from 23-10-78 on medical grounds which, however, was not accompanied by the necessary medical certificate;
- 3. WHEREAS the competent authority did not approve of the request for extension of leave;
- 4. AND WHEREAS a communication was sent to Shri Michael asking to report for duty immediately vide Memorandum No. NFC/TP/M-125/528 dt. 4-3-79;
- AND WHEREAS the said meorandum No. NFC/TP/ M-125/528 dt. 4-3-79 sent by Registered Post (Acknowledgement due) was received on 13-3-79 by Mrs. Betty Michael, wife of the said Shri G. H. Michael;
- 6. AND WHEREAS in reply to the above memorandum dt. 4-3-79, Mrs. Michael sent a letter dt. 16-3-79 stating that the said Shri G. H. Michael was taking treatment in a village and that a second medical certificate was submitted to the Plant-Incharge;
- 7. AND WHEREAS no such medical certificate was received by the Plant-Incharge;
- 8. AND WHEREAS a medical certificate dt. 24-3-79 issued by Dr. P. Somasekhara Rao, Ballampalli, was received by Administrative Officer, NFC, according to which Shri G. H. Michael was undergoing treatment from 22-10-78 to 24-3-79 and was fit to attend duties from 25-3-79;
- 9. AND WHEREAS the said Shri Michael did not report for duty on 25-3-79 or sent any application for leave;
- 10. AND WHEREAS one more memorandum No. NFC/TP/M-125/712 dt. 14-6-79 was sent to the said Shri Michael asking him to produce a medical certificate from a Civil Surgeon or TB Specialist;
- 11. AND WHEREAS the above Memorandum No. NFC/TP/M-125/712 dt. 14-6-79 sent by Registered Post Ack Due was also received by Mrs. Michael on 19-6-79;
- 12. AND WHEREAS the said Shri Michael failed to produce required medical certificate and continued to remain absent;
- 13. AND WHEREAS the Disciplinary Authority proposed to hold an inquiry against Shri Michael under para 41.2(ii) of NFC Standing Orders and a Charge-Sheet vide Memorandum No. NFC/PA.V/2112/SSTP/1868 dt. 17-11-79 was sent by Registered Post (Acknowledgement Due) to his last known address viz. 11-3-107, Mohammadguda, Namalagundu, Secunderabad;
- 14. AND WHEREAS the said Memorandum No. NFC/PA.V/2112/SSTP/1868 dt 17-11-79 addressed to Shri Michael was returned undelivered by Postal authorities with a remark that "Party left. Hence Returned to the sender";
- 15. AND WHEREAS the said Shri Michael continued to remain absent and failed to inform the Nuclear Fuel Complex of his whereabouts;
- 16. AND WHEREAS the said Shri Michael has been guilty of voluntarily abandoning service;
- 17. AND WHEREAS because of his abandoning service without keeping Nuclear Fuel Complex informed of his present whereabouts, the undersigned is satisfied that it is not reasonably practicable to hold an inquiry as provided in para 41 of the NFC Standing Orders and/or Rule 14 of the CCS (CCA) Rules, 1965:

18. NOW, THEREFORE, the undersigned in exercise of the powers conferred under para 42 of NFC Standing Orders read with DAE order No. 22(1)/68-Adm.II dt. 7-7-1979 and/or under Rules 19(ii) of CCS(CCA) Rules, 1965, hereby removes the said Shri G. H. Michael T/B, SSTP, NFC, from services with immediate effect.

Sd/-

(N. KONDAL RAO) Chief Executive

Shri G. H. MICHΛEL, H. No. 11-3-107, Mohammedguda Namalagundu Secunderabad.

cc:—1. Project Manager, Tube Plants, NFC.
2. DCSO, NFC.
3. APO, Admn. I, NFC.

Menager (Finance), NFC.
 APO, Tube Plants, NFC.

cc:-Chief Executive, NFC

-General Manager (Tubes), NFC.

Immediate

ECIL P.O.

Hyderabad-500 762, the 28th November 1979 **MEMORANDUM**

Ref. NFC/TP/M-185/1928.—In terms of Office Order No. Admn/27/79 dt. 16-11-79 read with Para 1(a) of the offer of appointment, viz. letter No. PAR/0702/4555 dt. 18-10-79, I hereby terminate the services of Shri U. Man Mohan, SA/A, Billet Preparation, Tube Plants, with immedinte effect.

He is required to surrender bus pass, security badge and other government material issued to he the Production Manager-I, Tube Plants. to him immediately to

forwarded.

(G. V. SUBRAHMANYAM) General Manager (Tubes)

Shri U. Man Mohan, SA/A, Billet Preparation, Tube Plants, NFC.

-Thru' Prodn. Manager-I, Tube Plants.

cc:-1. Project Manager, Tube Plants, NFC.

2. Manager, Finance, NFC.

3. *Prodn. Manager-I, Tube Plants. A "No Dema nd" certificate 4. DCSO, NFC. 5. APO, Admn. II 6. APO, Admn. III 7. APO, Admn. V m y please be

8. APO, Admn. I

- 9. APO, Tube Plants.
- 10. Medical Officer, NFC.
- 11. Welfare Officer, NFC.
- 12. Guard file.

*The items surrendered by Shri U. Man Mohan may be forwarded to the concerned sections.

REGISTERED POST A/D

ORDER

ECIL P.O.

Hyderabad-500 762, the 11th June 1980

Ref. NFC/PA. V/2606/1111.—WHEREAS Shri Mohanlal, while functioning as Wetcleaner in ZSP, has been remaining absent from duty from 5-8-1979 without any intimation/proper permission.

2. AND WHEREAS a communication was sent by NFC Administration to Shri Mohanlal asking him to report for duty immediately vide note No. NFC/PA.IV/ZSP/M-104/2943 dated 18-11-1979.

- 3. AND WHEREAS the said note dated 18-11-1979 was sent by registered post/acknowledgement due to his two known addresses viz H. No. 17-4-508, Yakutpura, Hyderabad-500 258 and Mahandipur, Suni Path Post, Rohtuk District, Haryana, were returned undelivered by postal authorities with remarks "Party Left" and "cannot" be delivered without father's name. Hence "returned" respectively.
- 4, AND WHEREAS Shri Mohanlul had sent a letter dated 25-11-1979 from Mahandipui, Haryana stating that he had come to Haryana after getting dejected with Hydera-bad and had not stated clearly either he wanted to resume duty or wanted to quit his services in NFC.
- 5. AND WHEREAS the Disciplinary Authority proposed to hold an inquiry against Shri Mohanlal under para 41.2(ii) of NFC Standing Orders and a charge-sheet vide Memorandum No. NFC/PA.V/2606/885 dated 17-5-1980 was sent by Registered Post (Ack. Due) to the following addresses viz. Shri Mohanlal, H. No. 17-4-508, Yakutpura, Hyderabad-500 258 and Shri Mohanlal, S/o Late Shri Chandan Singh, Mahandipur, Suni Path Post, Rohtak District, Haryana,
- 6. AND WHEREAS the copy of the said memorandum No. NFC/PA.V/2606/1751/885 dated 17-5-1980 addressed to H. No. 17-4-508, Yakutpura, Hyderabad-500 258 was returned undelivered by Postal authorities with a remark "Party left" and the copy addressed to Shri Mohanlal, son of Late Shri Chandan Singh, Mahandipur, Suni Path Post, Rohtak District, Haryana was also returned undelivered by postal authorities with a remark "no person with such a name in Mahandipur. Hence returned".
- 7. AND WHEREAS the said Shri Mohanlal continued to remain absent and failed to inform Nuclear Fuel Complex of his whereabouts.
- 8. AND WHEREAS the said Shri Mohanlal had been guilty of voluntarily abandoning service.
- 9. AND WHEREAS because of his abandoning service without keeping Nuclear Fuel Complex informed of his present whereabouts, the undersigned is satisfied that it is not reasonably practicable to hold in inquiry as provided in para 41 of the NFC standing Orders and/or Rule 14 of the CCS (CCA) Rules, 1965.
- 10. NOW, THEREFORE, the undersigned in exercise of the powers conferred under para 42 of NFC Standing Orders read with DAE Order No. 22(1)/68-Adm.II dated 7-7-1979 and/or under Rule 19(ii) of CCS (CCA) Rules, 1965, hereby removes the said Shri Mohanlal, W/C, ZSP, from services with immediate effect.

(Sd/)

(U. VASUDEVA RAO) Senior Administrative Officer

Shri Mohanlal H. No. 17-4-508, Yakutpura, Hyderabad-500 258.

Shri Mohanlal S/o Late Shri Chander Singh Mahandipur, Suni Path Post, Rohtak Distt, Haryana,

cc:-1. Sr. Manager, (Z), NFC.

- 2. Dy. Manager, ZSP.
- 3. Manager (Finance) NFC
- 4. Dy. Chief Security Officer, NFC.
- 5. Asst. Personnel Officer-IV/I NFC.

cc :---Chief Executive, NFC.

Hyderabad-500 762, the 9th July 1980

No. NFC:PAR: 3303:4680.—The Chief Executive, Nuclear Fuel Complex, appoints Shri C. R. Gopala Rao, Junior Accounts Officer, in the office of the Controller of Accounts, Ministry of External Affairs, New Delhi, as an Assistant Accounts Officer (Rs. 650—960), in the Nuclear Fuel Complex, Hyderabad on deputation basis, with effect from July 2, 1080 (EN) weight from July 2, 1080 (EN) weight from July 2, 1080 (EN) from July 2, 1980 (FN), until further orders.

> P. S. R. MURTY Administrative Officer

TARAPUR ATOMIC POWER STATION TAPP-401504, the 27th June 1980

No. TAPS/1/18(3)/77-R.—The Chief Superintendent Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy, extends the adhoc appointment of Shri P. Ganapathy as Assistant Personnel Officer with effect from 25-5-1980 to 19-6-1980, vice Shri N. Srinivasan, Asstt. 25-5-1980 to 19-0-1900, Personnel Officer proceeded on leave.
P. UNNIKRISHNAN

Chief Administrative Officer

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 17th June 1980

A:\\38013/1/80-EA(i).--Shri M. M. Joglekar. No. Regional Controller of Aerodromes, Bombay Airport, retired from Government Service on 30th June, 1980 (AN) on attaining the age of superannuation.

(ii) Shri N. L. Gupta, Aerodrome Officer, Civil Aerodrome, Juhu retired from Government Service on 30th June, 1980 (AN) on attaining the age of superannuation.

Dy. Director of Administration

New Delhi, the 19th July 1980

No. A.12025/6/77-ES.—The President is pleased to appoint Shri Satindra Singh to the grade of Deputy Director Air Safety (Engg.) on adhoc basis for a period of six months with effect from 11-6-1980 or till the regular appointment is made, whichever is earlier.

No. A. 32013/8/79-EC.—In continuation of this Department Notification Nos. A. 32013/9/78-EC dated 8-1-80, dated 14-5-80 A. 32013/8/79-EC, dated 11-2-1980, and 20-3-1980 and No. A. 32013/8/79-EC(Pt.) dated 14-5-1980, the President is pleased to continue the ad-hoc appointment of the undermentioned officers to the grade of Technical Officer beyond the dates mentioned against each and upto 30-9-80 or till the regular appointment to the grade are made, whichever is earlier:

2. T. R. Shastri A.C.S., Bombay 28-5-80		Sl. Name Io.	Station of posting	Period of ad-hoc appoint- ment
2. T. R. Shastri A.C.S., Bombay 28-5-80 3. M. Aruldos A.C.S., Madras 27-3-80 4. K. Chandra Chudan RC & DU, New Delhi 27-3-80 5. N. R. N. Iyengar RC & DU, New Delhi 27-3-80 6. C. L. Malik A. C. S., Bombay 30-4-80 7. H. A. Shetty A. C. S., Bombay 30-4-80 8. K. N. S. Mani A. C. S., Madras 30-4-80 9. B. K. Dey RC & DU, New Delhi 30-6-80 10. A. Shanmugham A.C.S., Madras 30-4-80 11. K. R. Ramanujam A.C.S., Bombay 30-4-80 12. O. P. Chabra A.C.S., Palam 30-4-80 13. V. S. Mitra RC & DU, N. Delhi 30-4-80 14. K. Rangachari A.C.S., Madras 31-5-80 15. M. L. Dhar C. R. S., Dopot New Delhi 31-5-80 16. V. Subramaniam Regional, Director, Bombay, Region, Bombay, Region, Bombay, Region, Bombay, Region, Bombay 31-5-80 17. S. D. Bansal RC & DU, New Delhi 31-5-80 18. K. S. Naryanswamy A.C.S., Calcutta 31-5-80 19. H. S. C, Rao A.C.S., Bombay 31-5-80 20. S. P. Saheni		S/Shri		
3. M. Aruldos A.C.S., Madras 27-3-80 4. K. Chandra Chudan RC & DU, New Delhi 27-3-80 5. N. R. N. Iyengar RC & DU, New Delhi 27-3-80 6. C. L. Malik A. C. S., Bombay 30-4-80 7. H. A. Shetty A. C. S. Belgaum 30-4-80 8. K. N. S. Mani A. C. S., Madras 30-4-80 9. B. K. Dey RC & DU, New Delhi 30-6-80 10. A. Shanmugham A.C.S., Madras 30-4-80 11. K. R. Ramanujam A.C.S., Bombay 30-4-80 12. O. P. Chabra A.C.S., Palam 30-4-80 13. V. S. Mitra RC & DU, N. Delhi 30-4-80 14. K. Rangachari A.C.S., Madras 31-5-80 15. M. L. Dhar C. R. S., Dopot New Delhi 31-5-80 16. V. Subramunlam Regional, Director, Bombay, Region, Bombay, Region, Bombay, Region, Bombay, Region, Bombay 31-5-80 17. S. D. Bansal RC & DU, New Delhi 31-5-80 18. K. S. Naryanswamy A.C.S., Calcutta 31-5-80 19. H. S. C, Rao A.C.S., Bombay 31-5-80 20. S. P. Sahani RC & DU, New Delhi 31-5-80 21. H. S. Gahley <td>1.</td> <td>V. C. Reddy</td> <td>. A.C.S., Hyderabad</td> <td>30-4-80</td>	1.	V. C. Reddy	. A.C.S., Hyderabad	30-4-80
4. K. Chandra Chudan RC & DU, New Delhi 27-3-80 5. N. R. N. Iyengar RC & DU, New Delhi 27-3-80 6. C. L. Malik A. C. S., Bombay 30-4-80 7. H. A. Shetty A. C. S. Belgaum 30-4-80 8. K. N. S. Mani A. C. S., Madras 30-4-80 9. B. K. Dey RC & DU, New Delhi 30-6-80 10. A. Shanmugham A.C.S., Madras 30-4-80 11. K. R. Ramanujam A.C.S., Bombay 30-4-80 12. O. P. Chabra A.C.S., Palam 30-4-80 13. V. S. Mitra RC & DU, N. Delhi 30-4-80 14. K. Rangachari A.C.S., Madras 31-5-80 15. M. L. Dhar C. R. S., Dopot New Delhi 31-5-80 16. V. Subramaniam Regional, Director, Bombay, Region, Bombay, Region, Bombay, Region, Bombay, Region, Bombay 31-5-80 17. S. D. Bansal RC & DU, New Delhi 31-5-80 18. K. S. Naryanswamy A.C.S., Calcutta 31-5-80 19. H. S. C. Rao A.C.S., Bombay 31-5-80 20. S. P. Sahani RC & DU, New Delhi 31-5-80 21. H. S. Gahley A.C.S., Lu know 31-5-80 22. D. S. Gill </td <td>2,</td> <td>T. R. Shastri</td> <td>. A.C.S., Bombay</td> <td>28-5-80</td>	2,	T. R. Shastri	. A.C.S., Bombay	28-5-80
5. N. R. N. Iyengar RC & DU, New Delhi 27-3-80 6. C. L. Malik A. C. S., Bombay 30-4-80 7. H. A. Shetty A. C. S. Belgaum 30-4-80 8. K. N. S. Mani A. C. S., Madras 30-4-80 9. B. K. Dey RC & DU, New Delhi 30-6-80 10. A. Shanmugham A.C.S., Madras 30-4-80 11. K. R. Ramanujam A.C.S., Bombay 30-4-80 12. O. P. Chabra A.C.S., Palam 30-4-80 13. V. S. Mitra RC & DU, N. Delhi 30-4-80 14. K. Rangachari A.C.S., Madras 31-5-80 15. M. L. Dhar C. R. S., Depot New Delhi 31-5-80 16. V. Subramaniam Regional, Director, Bombay, Region, Bombay, Region, Bombay, Region, Bombay, Region, Bombay 31-5-80 17. S. D. Bansal RC & DU, New Delhi 31-5-80 18. K. S. Naryanswamy A.C.S., Calcutta 31-5-80 19. H. S. C. Rao A.C.S., Bombay 31-5-80 20. S. P. Sahani RC & DU, New Delhi 31-5-80 21. H. S. Gahley A.C.S., Lu know 31-5-80 22. D. S. Gill RC & DU, New Delhi 31-5-80	3.	M. Aruldos .	. A.C.S., Madras	27-3-80
5. N. R. N. Iyengar RC & DU, New Delhi 27-3-80 6. C. L. Malik A. C. S., Bombay 30-4-80 7. H. A. Shetty A. C. S. Belgaum 30-4-80 8. K. N. S. Mani A. C. S., Madras 30-4-80 9. B. K. Dey RC & DU, New Delhi 30-6-80 10. A. Shanmugham A.C.S., Madras 30-4-80 11. K. R. Ramanujam A.C.S., Bombay 30-4-80 12. O. P. Chabra A.C.S., Palam 30-4-80 13. V. S. Mitra RC & DU, N. Delhi 30-4-80 14. K. Rangachari A.C.S., Madras 31-5-80 15. M. L. Dhar C. R. S., Depot New Delhi 31-5-80 16. V. Subramaniam Regional, Director, Bombay, Region, Bombay, Region, Bombay, Region, Bombay, Region, Bombay 31-5-80 17. S. D. Bansal RC & DU, New Delhi 31-5-80 18. K. S. Naryanswamy A.C.S., Calcutta 31-5-80 19. H. S. C. Rao A.C.S., Bombay 31-5-80 20. S. P. Sahani RC & DU, New Delhi 31-5-80 21. H. S. Gahley A.C.S., Lu know 31-5-80 22. D. S. Gill RC & DU, New Delhi 31-5-80	4.	K. Chandra Chuda	nn . RC & DU, New Delhi	27-3-80
7. H. A. Shetty A. C. S. Belgaum 30-4-80 8. K. N. S. Mani A. C. S., Madras 30-4-80 9. B. K. Dey RC & DU, New Delhi 30-6-80 10. A. Shanmugham A.C.S., Madras 30-4-80 11. K. R. Ramanujam A.C.S., Bombay 30-4-80 12. O. P. Chabra A.C.S., Palam 30-4-80 13. V. S. Mitra RC & DU, N. Delhi 30-4-80 14. K. Rangachari A.C.S., Madras 31-5-80 15. M. L. Dhar C. R. S., Dopot New Delhi 31-5-80 16. V. Subramuniam Regional, Director, Bombay, Region, Bombay, Region, Bombay, Region, Bombay, Region, Bombay 31-5-80 17. S. D. Bansal RC & DU, New Delhi 31-5-80 18. K. S. Naryanswamy A.C.S., Calcutta 31-5-80 19. H. S. C. Rao A.C.S., Bombay 31-5-80 20. S. P. Sahani RC & DU, New Delhi 31-5-80 21. H. S. Gahley A.C.S., Lu know 31-5-80 22. D. S. Gill RC & DU, New Delhi 31-5-80	5.	N. R. N. Iyengar	. RC & DU, New	27-3-80
7. H. A. Shetty A. C. S. Belgaum 30-4-80 8. K. N. S. Mani A. C. S., Madras 30-4-80 9. B. K. Dey RC & DU, New Delhi 30-6-80 10. A. Shanmugham A.C.S., Madras 30-4-80 11. K. R. Ramanujam A.C.S., Bombay 30-4-80 12. O. P. Chabra A.C.S., Palam 30-4-80 13. V. S. Mitra RC & DU, N. Delhi 30-4-80 14. K. Rangachari A.C.S., Madras 31-5-80 15. M. L. Dhar C. R. S., Dopot New Delhi 31-5-80 16. V. Subramuniam Regional, Director, Bombay, Region, Bombay, Region, Bombay, Region, Bombay, Region, Bombay 31-5-80 17. S. D. Bansal RC & DU, New Delhi 31-5-80 18. K. S. Naryanswamy A.C.S., Calcutta 31-5-80 19. H. S. C. Rao A.C.S., Bombay 31-5-80 20. S. P. Sahani RC & DU, New Delhi 31-5-80 21. H. S. Gahley A.C.S., Lu know 31-5-80 22. D. S. Gill RC & DU, New Delhi 31-5-80	6.	C. L. Malik .	. A. C. S., Bombay	30-4-80
9. B. K. Dey . RC & DU, New Delhi 30-6-80 10. A. Shanmugham . A.C.S., Madras 30-4-80 11. K. R. Ramanujam . A.C.S., Bombay 30-4-80 12. O. P. Chabra . A.C.S., Palam 30-4-80 13. V. S. Mitra . RC & DU, N. Delhi 30-4-80 14. K. Rangachari . A.C.S., Madras 31-5-80 15. M. L. Dhar . C. R. S., Dopot New Delhi 16. V. Subramuniam . Regional, Director, Bombay, Region, Bombay Airport, Bombay. 17. S. D. Bansal . RC & DU, New Delhi 18. K. S. Naryanswamy . A.C.S., Calcutta 31-5-80 19. H. S. C. Rao . A.C.S., Bombay 31-5-80 20. S. P. Sahani . RC & DU, New Delhi 31-5-80 21. H. S. Gahley . A.C.S., Lu know 31-5-80 22. D. S. Gill . RC & DU, New Delhi 31-5-80	7.	H. A. Shotty		30-4-80
10. A. Shanmugham A.C.S., Madras 30-4-80 11. K. R. Ramanujam A.C.S., Bombay 30-4-80 12. O. P. Chabra A.C.S., Palam 30-4-80 13. V. S. Mitra RC & DU, N. Delhi 30-4-80 14. K. Rangachari A.C.S., Madras 31-5-80 15. M. L. Dhar C. R. S., Dopot New Delhi 31-5-80 16. V. Subramuniam Regional, Director, Bombay, Region, Bombay, Region, Bombay Airport, Bombay 31-5-80 17. S. D. Bansal RC & DU, New Delhi 31-5-80 18. K. S. Naryanswamy A.C.S., Calcutta 31-5-80 19. H. S. C. Rao A.C.S., Bombay 31-5-80 20. S. P. Sahani RC & DU, New Delhi 31-5-80 21. H. S. Gahley A.C.S., Lu know 31-5-80 22. D. S. Gill RC & DU, New Delhi 31-5-80	8.	K. N. S. Mani	. A. C. S., Madras	30-4-80
11. K. R. Ramanujam A.C.S., Bombay 30-4-80 12. O. P. Chabra A.C.S., Palam 30-4-80 13. V. S. Mitra RC & DU, N. Delhi 30-4-80 14. K. Rangachari A.C.S., Madras 31-5-80 15. M. L. Dhar C. R. S., Dopot New Delhi 31-5-80 16. V. Subramaniam Regional, Director, Bombay, Region, Bombay Airport, Bombay Airport, Bombay 31-5-80 17. S. D. Bansal RC & DU, New Delhi 31-5-80 18. K. S. Naryanswamy A.C.S., Calcutta 31-5-80 19. H. S. C. Rao A.C.S., Bombay 31-5-80 20. S. P. Saheni RC & DU, New Delhi 31-5-80 21. H. S. Gahley A.C.S., Lu know 31-5-80 22. D. S. Gill RC & DU, New Delhi 31-5-80	9.	B. K. Dey	. RC & DU, New Delhi	30-6-80
12. O. P. Chabra A.C.S., Palam 30-4-80 13. V. S. Mitra RC & DU, N. Delhi 30-4-80 14. K. Rangachari A.C.S., Madras 31-5-80 15. M. L. Dhar C. R. S., Depot New Delhi 31-5-80 16. V. Subramuniam Regional, Director, Bombay, Region, Bombay, Region, Bombay Airport, Bombay. 31-5-80 17. S. D. Bansal RC & DU, New Delhi 31-5-80 18. K. S. Naryanswamy A.C.S., Calcutta 31-5-80 19. H. S. C. Rao A.C.S., Bombay 31-5-80 20. S. P. Saheni RC & DU, New Delhi 31-5-80 21. H. S. Gahley A.C.S., Lu know 31-5-80 22. D. S. Gill RC & DU, New Delhi 31-5-80	10.	A. Shanmugham	. A.C.S., Madras	30-4-80
12. O. P. Chabra A.C.S., Palam 30-4-80 13. V. S. Mitra RC & DU, N. Delhi 30-4-80 14. K. Rangachari A.C.S., Madras 31-5-80 15. M. L. Dhar C. R. S., Depot New Delhi 31-5-80 16. V. Subramuniam Regional, Director, Bombay, Region, Bombay, Region, Bombay Airport, Bombay. 31-5-80 17. S. D. Bansal RC & DU, New Delhi 31-5-80 18. K. S. Naryanswamy A.C.S., Calcutta 31-5-80 19. H. S. C. Rao A.C.S., Bombay 31-5-80 20. S. P. Saheni RC & DU, New Delhi 31-5-80 21. H. S. Gahley A.C.S., Lu know 31-5-80 22. D. S. Gill RC & DU, New Delhi 31-5-80	11.	K. R. Ramanujam	. A.C.S., Bombay	30-4 - 80
14. K. Rangachari A.C.S., Madras 31-5-80 15. M. L. Dhar C. R. S., Depot New Delhi 31-5-80 16. V. Subramaniam Regional, Director, Bombay, Region, Bombay Airport, Bombay. 31-5-80 17. S. D. Bansal RC & DU, New Delhi 31-5-80 18. K. S. Naryanswamy A.C.S., Calcutta 31-5-80 19. H. S. C. Rao A.C.S., Bombay 31-5-80 20. S. P. Saheni RC & DU, New Delhi 31-5-80 21. H. S. Gahley A.C.S., Lu know 31-5-80 22. D. S. Gill RC & DU, New Delhi 31-5-80	12.	O. P. Chabra .		30- 4-80
15. M. L. Dhar C. R. S., Depot New Delhi 31-5-80 16. V. Subramaniam Regional, Director, Bombay, Region, Bombay Airport, Bombay. 31-5-80 17. S. D. Bansal RC & DU, New Delhi 31-5-80 18. K. S. Naryanswamy A.C.S., Calcutta 31-5-80 19. H. S. C. Rao A.C.S., Bombay 31-5-80 20. S. P. Saheni RC & DU, New Delhi 31-5-80 21. H. S. Gahley A.C.S., Lu know 31-5-80 22. D. S. Gill RC & DU, New Delhi 31-5-80	13.	V. S. Mitra	RC & DU, N. Delhi	30-4-80
Delhi Regional, Director, Bombay, Region, Bombay Airport, Bombay Airport, Bombay Region, Region, Bombay Region, Reg	14.	K. Rangachari	. A.C.S., Madras	31-5-80
Bombay, Region, Bombay Airport, Bombay. 17. S. D. Bansal	15.	M. L. Dhar .		31-5-80
Delhi. 18. K. S. Naryanswamy. A.C.S., Calcutta 31-5-80 19. H. S. C. Rao . A.C.S., Bombay 31-5-80 20. S. P. Saheni RC & DU, New Delhi 31-5-80 21. H. S. Gahley A.C.S., Lu know 31-5-80 22. D. S. Gill RC & DU, New Delhi 31-5-80	16.	V. Subramaniam	Bombay, Region, Bombay Airport,	31-5-80
19. H. S. C. Rao A.C.S., Bombay 31-5-80 20. S. P. Saheni RC & DU, New Delhi 31-5-80 21. H. S. Gahley A.C.S., Lu know 31-5-80 22. D. S. Gill RC & DU, New Delhi 31-5-80	17.	S. D. Bansal .		31-5-80
19. H. S. C. Rao A.C.S., Bombay 31-5-80 20. S. P. Saheni RC & DU, New Delhi 31-5-80 21. H. S. Gahley A.C.S., Lu know 31-5-80 22. D. S. Gill RC & DU, New Delhi 31-5-80	18.	K. S. Naryanswamy	. A.C.S., Calcutta	31-5-80
21. H. S. Gahley A.C.S., Lu know 31-5-80 22. D. S. Gill RC & DU, New Delhi 31-5-80	19.	H. S. C. Rao .		31-5-80
22. D. S. Gill RC & DU, New Delhi 31-5-80	2 0.	S. P. Sahani	RC & DU, New Delhi	31-5-80
22.	21.	H. S. Gahley	A.C.S., Lu know	
23. S. K. Das A. C. S., Calcutta 31-5-80	22.	D. S. Gill	RC & DU, New Delhi	31-5-80
	23.	S. K. Das	A. C. S., Calcutta	31-5-80

No. A.38015/3/80-ES.—Shri D. V. Kulkarni, Administrative Officer (Group 'B' post) in the office of the Regional Director, Bombay Region, Bombay Airport, Bombay, relinquished charge of his duties in the afternoon of the 30th June, 1980 on attaining the age of superannuation.

> R. N. DAS Asstt. Director of Administration

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Madras-1, the 12th June 1980 (CUSTOMS/ESTABLISHMENT)

No. 2/80.—S/Shri V. RAMAN, K. HANUMANTHA RAO, S. LAKSHMANAN and P. MASILAMANI are promoted to officiate as Appraisers on a regular basis with effect from 2-6-80 F.N. in Madras Custom House.

No. 3/80.—Shri GANGARAM DEV, Quasi Permanent Appraiser is confirmed as Appraiser with effect from 10-11-77 against a temporary post made permanent vide Ministry's letter F. No. A.11012/5/76-Ad.IV, dated 19-11-76.

The 5th July 1980

No. 7/80.—Shri R. MURALIDHAR, a Union Service Commission candidate is appointed as Direct Recruit Appraiser (Non-Expert) in this Custom House with effect from 2-7-80 forenoon in a temporary capacity and until further orders. He will be on probation for a period of two

> A. C. SALDANHA Collector of Customs

Indore, the 17th July 1980

No. 8/80.—Consequent upon their promotion as Superintendent, Central Excise. Group 'B' the following Inspectors of Central Excise (S. G.) have assumed their charge as Superintendent of Central Excise, Group 'B' with effect from the dates as shown against their names :

S. No.	Name of Officer		Place of posting	Date of Assumption of charge
	S/Shri			
ι.	D. C. Dight .	٠	Superintendent (Tech) C. Ex. Hqrs. Office, Indore.	30-5-80 (F.N.)
2.	C. R. Rajvidya		Superintendent, M. O. RI, Bhopal	12-6-80 (F.N.)
3.	D. P. Tiwari		Inperintendent M.O.RI, Indore	12-6-80 (F.N.)
4.	P. S. Sengar .	•	Superintendent (Prev. Divl. Office, Ujjaln	12-6-80 (F.N.)
5.	A. R. Karankar,	i	Supdt. (Legal), Central Excise Hqrs, Office, Indore.	16-6-80 (F.N.)
6.	V. S. Shrivastava	•	Superintendent, R.B.CI, Divl., Offler, Jabalpur.	30 -5-8 0 (F.N.)
7.	R. P. Ghatnekar		Superintendent (Prev. C. Ex. Hqrs. Office, Indore.	30-5-80 (F.N.)
8.	V. R. Bedekar .	٠	Superintendent (Vig.) (C. Ex. Hqrs. Office, Indore.	20-5-80 (F.N).

No. 9/80.—Shri V. H. Hingorani, Superintendent, Central Excise, Group 'B' of M.P. Collectorate, Indore, having attained the age of Superannuation, has retired from Government Service in the afternoon of 30th June, 1980.

S. K. DHAR Collector

Kanpur, the 11th July, 1980

No. 1/80.—Consequent upon their promotion to the grade of Superintendent Central Excise Group 'B' in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-10 00-EB-40-1200, the following Inspectors (Senior grade) Central Excise assumed/took over the charge of Superintendent Central Excise Group 'B' on the dates ad places mentioned against each:

SI No.	Name		Place of posting	Date of Joining
	S/Shri			
1.	J.D. Misra .		Hgrs. Office Kanpur,	17-9-79 (F.N.)
2.	R, C. Rawat .	٠	Kanpur-Division II	4-8-79 (F.N.
3	M. U. Khan .	•	Kanpur-II Division	27-8-79 (F.N.)
4.	L. R. Verma	-	Kanpur-II, Division	30-7-79 (F.N.)
5 .	G. P. Mall .		Sitapur Division	15-9-79 (F.N.)
6.	R. L. Bhatia .	•	Chhibramau Range Farrukhabad Division	24-9-79 (F.N.
7.	R. P. Pai .	•	Hqrs. Office Kanpur	8-10-79 (F.N.
8.	M. A. Siddiqui.		- D o-	24-10-79 (F.N.)
9.	R. D. Saxena .		Gursahaiganj Range Division Farrukhabad	7-1-80 (F.N.
10.	A. L. Mehta		Kanpur Division-I	20-2-80 (F.N.)
11.	V. N. Bhatli .	•	Agra Division	28-11-79 (F.N.
12.	S. R. Sharma .		Farrukhabad Division	21-1-80 (F.N.)
13.	J. S. Saxona .		Hdqrs. Office Kanpur	2-2-80 (F.N.
14.	R. B. Awasthi .		Kanpur Division-I	7-12-79 (F.N.
15.	R. N. Misra .		Hqdrs, Office Kanpur	28-11-79 (F.N.)
16.	S. K. Ghoshal .		-Do-	22-12-79 (F.N.)
17.	B. J. Son Gupta		Kanpur Division-I	30-11-79 (F.N.)
18.	Jagdish Singh .		Kannauj Range Division Farrukhabad	13-11-79 (F.N.)
19.	Sunder Lal .		Hdqrs. Office Kanpur	10-3-80 (F.N.)
20.	R. K. Sharma ,		Kanpur-II Division	29-2-80 (F.N.)
21.	M. L. Kannaujia	,	Hdqrs. Office Kanpur	19-2-8
22.	J. C. Bhatla .		I.D.O. Aligarh	(A.N.) 17-5-80 (F.N.)

No. 2/80.—Consequent upon their promotion to the grade of Administration officer/Asstt. Chief Accounts Officer/Examiner of Accounts of Central Excise Group 'B' in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200, the following office Superintendents Central Excise assumed/took over the charge of Administrative Officer Central Excise Group 'B' on the places and dates mentioned against each:

Sl. No.	Name	 Place of Posting	Date of joining
1.	S/Shri D. S. Saxona	LD.O. Aligarh	4-1-80
2.	Sita Ram .	Hdqrs. Office, Kanpur	(F.N.) 9-5-80 (F.N.)

J. RAMAKRISHNAN Collector, Central Excise, Kanpur

Baroda, the 18th May 1980

No. 3/80.—Shri N. S. Pathak, Superintendent of Central Excise, Group 'A' D. C. Ahmedabad's Office has retired on attaining the age of superannuation pention in the afternoon of 30-4-1980.

No. 4/80.—Shri G. K. Naik, Superintendent of Central Excise Group 'B', Surat Division has retired on attaining the age of superannuation pension in the afternoon of 30-4-1980.

No. 5/80.—Shri M. M. Patel, Superintendent of Central Excise, Group 'B' Ahmedabad Division-I has retired on attaining the age of superannuation pension in the afternoon of 30-4-1980.

The 10th June 1980

No. 6/80.—Shri G. R. Desai, Assistant Collector of Central Excise, (Hdqrs.) Group 'A' retired on attaining the age of superannuation pension in the afternoon of 31-5-1980.

The 11th July 1980

No. 7/80.—Shri B. G. Gohel, Superintendent of Central Excise, Group 'B' Baroda Division-III has retired on attaining the age of superannuation pension in the afternoon of 30-6-1980 (A.N.).

No. 8/80.—Shri B. N. Kosalkar, Adm. Officer of Central lineise, Group 'E' Ahmedalad Du. III has retired on attaining the age of superannuation pension in the afternoon of 30-6-1980 (A.N.).

J. M. VERMA Collector of Central Excise Baroda

DIRECTORATE OF INSPECTION & AUDIT CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 21st July 1980

No. 26/80.—Shri D. P. Juyal lately posted as Superintendent Central Excise Group 'B' in Meerut Collectorate, on transfer to the Headquarters Office of the Directorate of Inspection & Audit (Customs & Central Excise) New Delhi vide Directorate's Order F. No. 1041/41/79 dated 26-4-80, assumed charge of the post of Inspecting Officer (Customs & Central Excise) Group 'B' on 8-7-80 (forenoon).

K. L. REKHI Director of Inspection

CENTRAL WATER & POWER RESEARCH STATION Pune-24, the 10th July 1980

No. 602/32/80-Adm.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group 'B') (Gazetted), the Director, Central Water & Power Research Station, Pune, hereby appoints the following Research Assistants (Engineering) to the grade of Assistant Research Officer (Engineering) in the Central Water & Power Research Station, Pune, in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on a regular basis, in an officiating capacity with effect from the dates shown against each:—

Date of taking over

1. Shri S. D. Kulkarni	9-6-1980
2. Shri A. P. Dange	1-7-1980
3. Shri V. G. Bhave	6-6-1980
4. Shri P. B. Mehandale	9-6-1980

The above officers will be on probation in the cadre of Assistant Research Officer (Engineering), Central Water & Power Research Station, Pune, for a period of two years with effect from the dates shown against each.

M. R. GIDWAN1
Administrative Officer
for Director

CENTRAL ELECTRICITY AUTHORITY New Delhi-110022, the 11th July 1980

No. 1/48/80-Adm.III.—The Chairman, Central Electricity Authority appoints Km. Savitri Suhramanian as Indian Interpreter in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in the Central Electricity Authority, New Delhi with effect from the forenoon of 30th June, 1980 until further orders.

B. M. LALL Under Secy.

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS (DEPIT. OF COMPANY AFFAIRS)

COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Ishwardas Finance and Investment Private Ltd.

(In Liqn.)

Kanpur, the 15th July 1980

No. 6754/1035L.C.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (4) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Ishwardas Finance and Investment Private Ltd. (in Liqn.), unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

O. P. CHADHA Registrar of Companies U.P., Kanpur

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Sound Finance Private Limited

Bombay, the 15th July 1980

No. 16985/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Sound Finance Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

(Sd.) ILLEGIBLE
Asstt. Registrar of Companies
Maharashtra, Bombay

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

New Delhi, the 26th June 1980 INCHME TAX .

F. No. JUR-DLI/II/80-81/10969.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 123 of the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) and of all other enabling powers in this behalf and in modification of earlier orders on the subject the Commissioner of Income-tax, Delhi-II, New Delhi hereby directs that the Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax mentioned in Col. 1 of the Schedule herein below shall perform all the functions of Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax under said Act in respect of such areas or of such persons or classes of persons of such incomes or classes of income or of such cases or classes of cases as fall within the jurisdiction of the ITOs of the District/Circles mentioned in Col. 2 of the said Schedule:—

SCHEDULE

Rango	Income-tax Distt./Circles
 Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Range-II F, New Delhi. 	 Companies Circles—XVIII, XXI & XXV, New Delhi.

This Notification shall take effect from 19-6-1980.

N. S. RAGHAVAN] Commissioner of Income-tax, Delhi-II, New Delhi

New Delhi, the 7th July 1980 IMCOME TAX

F. No. JUR/DLI-III/80-81/11505—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 123 of the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) and of all other enabling powers in this behalf and in modification of earlier orders on the subject the Commissioner of Income-tax, Delhi-III, New Delhi hereby directs that the Inspecting Assistant Commissioners of Income-tax mentioned in Col. 1 of the Schedule herein below shall perform all the functions of Inspecting Assistant Commissioner of Incometax under the said Act in respect of such areas or of such persons or classes of persons of such Incomes or classes of Income or of such cases or classes of cases as fall within the jurisdiction of the I.T.O3. of the District/Circles mentioned in Col. 2 of the said Schedule:—

SCHEDULE

	Name of the Range	Income-tax District/Circles
	(1)	(2)
1.	Inspecting Assistant Commissioner of In- come-tax, Range-IVA, New Delhi.	Distt. v(1), v(2), v(3), v(4), v(5), v(6), v(7), v(9), v(10), v(13), v(14), v(15), v(15) Addl., v(18) & Addl. Survey Circle-IV, New Delhi.
2.	Inspecting Assistant Commissioner of In- come-tax, Range-IVG New Delhi.	 Cases of the Districts and Circles of this charge to be assigned to I.A.C. u/s 125 of the I. T. Act. Spl. Cir. VI Addl. & Spl. Cir. XVI, New Delhi. Distt. v(8), New Delhi.

This order shall take effect from 8-7-1980.

P. K. MITRA
Commissioner of Income-tax,
Delhi-III, New Delhi

INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-400 020, the 14th July 1980

No. F.48-Ad(AT)/80.—Shri M. L. Roy, officiating Assistant Superintendent, Income-tax Appellate Tribunal, Calcutta Benches, Calcutta is appointed to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Gauhati Bench, Gauhati on regular basis (against promotion quota) with effect from the forenoon of 1st July, 1980 in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200, until further orders.

Shri M. L. Roy will be on probation for two years with effect from the 1st July, 1980.

B. B. PALEKAR President

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTŢ, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 21st July 1980

Ref. No. 906/ACQ/KNP/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at as per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 9-11-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Smt. Usha Jha w/o Sri Ram Kumar Jha r/o 95/5, Parade, Kanpur.

(Transferor)

(2) Smt. Veena Kumari w/o Sri Vinod Kumar r/o 117/L/464, Navin Nagar, Kaka Deo, Kanpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One House bearing No. 117/L/464 (double story) measuring about 522 Sq. Yds., situated at Kaka Deo, Kanpur.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 21-7-1980.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 18th July 1980

Ref No. G.I.R. R-147/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot of land measuring 650-1/9 Sq. yds. situated at 156-B, Civil Lines, Bareilly

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bareilly on 28-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Km. Bimla Rani Kapoor

(Transferor)

(2) (1) Rajendra Singh (2) Inderjit Singh (3) Bhopendra Singh

(Transferce)

(3) Above seller

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land measuring 650-1/9 Sq. yards situated at 156-B, Civil Lines, Bareilly, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and the Form 37 G No. 6554 which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Bareilly, on 28-12-1979.

A. S. BISEN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 18-7-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTIN ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL MP

Jaipur, the 10th July 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1658.—Whereas I, VIJAY MATHUR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. House No. 5 situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of

1908), in the office of the Registering Officer at

Indore on 23-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (2) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

18—186GI/80

(1) Shri Krishna, S/o Shri Triambak Doble, R/o Bhoj Marg. Free Ganj, Ujjain.

(Transferor)

(2) Km. Indira, D/o Shri Morandmal Ramchandani, R/o 24, Baxi Colony, Indore.

(Transferee)

(3) (1) Shri Dilip Wankar,
 (2) Shri C. R. Wankar, & (3) M/s Rainbow Out Centre.
 [Person(s) in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

House No. 5, Netaji Subhash Marg, Indore.

VIJAY MATHUR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 10-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Jaipur, the 8th July 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1659.—Whereas I, VIJAY MATHUR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 3-A situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 6-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) (1)

(1) Smt. Jija Bai, Widow of Shri Gopalraoji Kale, (2) Smt. Sundara Bai Wd/o Shri Rambabu Gupta, (3) Smt. Saubhagyawati Vatsala Bai, W/o Shri Purshottam Garhade, R/o 3-A Premnagar, Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Sheela Devi, Wd/o Shri Anant Prakash Polekar, R/o 12, Reshamwala Lane, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Ground floor of House No. 3-A, Prem Nagar Colony, Indore.

> VIJAY MATHUR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bhopal.

Date: 10-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 10th July 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1600.—Where J, VIJAY MATHUR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. H. No. 3-A situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Indore on 22-11-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) (1) Smt. Jija Bai, Wd./o Shri Gopalraoji Kale, (2) Smt. Sundara Bai, Wd./o Shri Ram Babu Gupta, (3) Smt. Saubhagyawati Vatsala Bai, W/o Shri Purshottam Gawhade, R/o 3, Prem Nagar Colony, Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Renu, W/o Shri Prem Kumar Samtani, R/o 24-Prem Nagar Colony, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

First Floor of House No. 3-A, Prem Nagar Colony, Indore.

VIJAY MATHUR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 10-7-1980

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 10th July 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1661.—Whereas J, VIJAY MATHUR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

H. No. 3-Λ situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Indore on 14-11-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have renson to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Jijabai, Wd/o Shri Gopalraoji Kale,
 (2) Smt. Sundarabai, Wd/o Shri Ram Babu Gupta,
 (3) Smt. Saubhagyawati Vatsala Bai, W/o Shri Purshottam Gawhane, R/o 3-A Premnagar Colony, Indore.

 (Transferors)
- (2) Smt. Vishnabai, W/o Jayapaldas Hinduja, R/o H. No. 167, Palshikar Colony, Indore.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Second Floor of House No. 3-A, Premnagar Colony, Indore.

VIJAY MATHUR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 10-7-1980

- (1) Shri Sagarmal, S/o Shri Dwarkadas Parasrampuria, R/o 168 Mahatma Gandhi Marg, Indore. (Transferor)
- (2) Shri Prahlad S/o Shri Brajmohan, R/o 197 Tilaknath, Indore

Objections, if eny, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICH OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL Bhopal, the 10th July 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/8-81/1662.--Whereas, I, VIJAY **MATHUR**

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Municipal H. No. 168 situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 6-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

3rd & 4th Floor of H. No. 168, Mahatma Gandhi Marg, Indore.

> VIJAY MATHUR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bhopal.

Date: 10-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 10th July 1980

Ref. No. 1AC/ACQ/BPL/80-81/1663.—Whereas, J, VIJAY MATHUR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

H. No. 168 situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Indore on 20-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sagarmal s/o Shri Dwarkadas Parasrampuria, R/o 168 Mahatma Gandhi Marg, Indore. (Transferor)
- (2) Shri Bhagwandas s/o Shri Brajmohanji Agarwal, R/o 197 Tilakpath, Indore.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2nd Floor of H. No. 168, Mahatma Gandhi Marg, Indore.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Date: 10-7-1980

FORM ITNS-----

(1) Shri Inyat Ali S/o Shri Ibrahimiji Bohara, R/o 29 Marothia Bazar, Indore.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Shabbir Hussain, S/o Mulla Tahir Ali, R/o Shitala Mata Bazar, Indore.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 10th July 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1664.—Whereas, I, VIJAY MATHUR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

House situated at ndore

situated at As Per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 23-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2nd Floor of H. No. 4/2, Marothiya Bazer, Indore.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Date: 10-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 10th July 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1665.—Whereas, I, VIJAY MATHUR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated at Indore

situated at as per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed thereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kanpur on 19-11-1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Inayat Ali s/o Ibrahimji Malekwala, R/o 29, Morthia Bazar, Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Julekha W/o Shri Shabbir Hussain, R/o 34,Shitalamata Bazar, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the accretation of the said property may be made in writing to the undersigned --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

3rd Floor of H. No. 4/2, Marothia Bazar, Indore.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Date: 10-7-1980

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 10th July 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1666,—Whereas. I, VIJAY MATHUR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 20-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;——18691GI/80

 Shri Rajendrakumar Dagdi S/o Shri Bhanwarlalji Dagdi, R/o 50-Radhanagar, Indore

(Transferor)

S/Shri

- 2. (1) Shankarlal,
 - (2) Jaikishan
 - Ss/o Shri Fatandasji
 - (3) Smt. Padmini Devi W/o Shri Deepchandji R/o North Raj Mohalla, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House situated on plot No. 50, Gopal Dagh Colony, Indore-

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Date: 10-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Smt. Gangamani Bai W/o Shri Anadiranjan Mahanti,, R/o Mohan Nagar, Durg.

(Transferor)

(2) Smt. Shanta Devi W/o Shri Gopal Agrawal, Ward No. 17, Balaghat.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, BHOPAL M P.

Bhopal, the 10th July 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1667,—Whereas, J. VIJAY MATHUR

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House situated at Balaghat

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Balaghat on 6-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the raid Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following long persons, namely:—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One part of house situated in Ward No. 17, Balaghat.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Date: 10-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 10th July 1980

Ref. No. 1AC/ACQ/BPL/80-81/1668.—Whereas, 1, VIJAY MATHUR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House situated at Balaghat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Balaghat on 21-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Gangamani Bai W/o Shri Anadiranjan Mahanti, R/o Mohan Nagar, Durg.

(Transferor)

(2) Shri Ratan Lal Soni S/o Shri Moti Lal Soni, Manager, Maharashtra Bank, Balaghat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

FAPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of Single storeyed House situated in Ward No. 17. Balaghat.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Date: 10-7-1980

NOTIEC UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 11th July 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1669.—Whereas, I, VIJAY MATHUR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House situated at Raipur

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 3-12-1979

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Shri Wahid Mir Khan
 S/o Shri Hussain Khan
 R/o Budhapara
 Raipur

(Transferor)

(2) Smt. Bhanumati W/o Shri Mansukhlal Lotiya, R/o Sati Bazar, Raipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 9/307, situated at Budhapara, Raipur.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 11-7-1980

FORM I'INS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 11th July 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81 1670.—Whereas, I, VIJAY MATHUR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot situated at Jabalpur

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jabalpur on 4-12-1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Jagdishkumar Shrivastava
 Sho Shri R. P. Shrivastava,
 R/o 1271-Napier Town, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Smt. Kalpanadevi Kedia W/o Shri R. S. Kedia, R/o 1634, Napler Town, Jabalpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 162/2-B, Madan Mahal Health Camp Extension, Jabahpur.

VIJAY MATHUR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 11-7-1980

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 11th July 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1671.—Whereas, I, VIJAY MATHUR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Part of Ginning Factory, Bldg., Well situated at Agar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Agar on 2-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) (1) Shri Premnarain S/o Poonamchand,

(2) Shri Ramchand,
 (3) Sharda Bai D/o Poonamchand,
 R/o Madhavnagar, Ujjain.

(Transferor)

(2) Shri Ashok Kumar S/o Anokhilal, C/o M/s. Anilkumar & Co., Dalu Modi Bezar, Ratlam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chater XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ginning Factory with building and well (Part), situated at Village Tanodia, Agar, Shujalpur.

VIJAY MATHUR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 11-7-1980

PORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 11th July 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1672,---Whereas, I, VIJAY MATHUR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number as per Schedule

Fart of Gimning Factory with Bldg. Well situated at Agar (and more fully described in the Schedule annexed here-to), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on 2-11-1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tox Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Prem Narayan S/o Poonamchand Garg, R/o Madhav Nagar, Ujjain.

(Transferor)

(2) Shri Ashok Kumar s/o Anokhilal, P/o M/s. Anil & Co. R/o 36, Dalu Modi Bazar, Ratlam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of Ginning Factory with building, Well situated at Village Tanodia, Agar, Shujalpur.

VIJAY MATHUR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 11-7-1980

(Transferee)

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

C/o M/s. Anil & Co., R/o 36, Dalu Modi Bazar,

(Transferor)
(2) Shri Ashok Kumar s/o Shri Anoktilal,

----,

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 11th July 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1673.—Whereas, I, VIJAY MATHUR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,00000/-.

and bearing No.

Part of Ginning Factory, Building, Well situated at Agar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agar on 2-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (1) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeraid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(1) Shri Rameshehandra S/o Poonamehand Garg,

K/o Madhavnagar, Ujjain.

Ratlam.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of Ginning Factory, with building, well situated at village Tanodia, Agar, Shujalpur.

VIJAY MATHUR
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 11-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 14th July 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1674.—Whereas, I, VIJAY MATHUR

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Rice mill with house situated at Bilha

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bilaspur on 28-11-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

20-186 GI/80

(1) Shri Rameshwarlal S/o Mohanlal Agarwal, R/o Bilha, Bilaspur.

(Transferor)

(2) Shri Manoharlal Agarwal s/o Deewanchand Agrawal, R/o Bilha, Bilaspur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shree Hanuman Rice Mill, land area 64427 aft. with houses at Bilha, Bilaspur.

VIJAY MATHUR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 14-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 14th July 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1675.-Whereas, I, VIJAY MATHUR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated at Rajnandgaon

transfer with the object of-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Rajnandgaon on 17-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) Facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the wealth Tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269 C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afforeraid property by the issued of this notice hereby subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) (1) Shri Kishan Beharilal,

(2) Smt. Sahodra Bai Wd/o Tarachand,(3) Smt. Kalavati Bai Wd/o Biharifal Sharma, (3) Smt.

(4) Smt. Taramani Bai, W/o Kanhaiyalal Sharma,
 (5) Smt. Sitabai W/o Hanuman Prasad Sharma, All R/o Rajnandgaon.

(Transferors)

(2) Smt. Gavatri Devi W/o Manikchandji Sharma. R/o Ramadhin Marg, Rajindragaon

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) By any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :---
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have in the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of House situated at Ramdhin Maig, Rajnandgaon.

VUAY MATHUR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhopal

Date: 14-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 14th July 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1676.—Whereas, I, VIJAY MATHUR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

House situated at Raipur

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 12-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) S/Shri Govindprasad, Satiskumar, Subhashkumar, Sandeepkumar, Ku. Joti Kumari, Shri Govindprasad All R/o Sadar Bazar, Raipur.

(Transferors)

(2) Smt. Pushpadevi Soni W/o Gauri Shankoi Soni, R/o Sadar Bazar, Raipur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 11/522 situated at Sadar Bazar, Raipur.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Date: 14-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONNER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE,

BHOPAL M.P.

Bhopal, the 14th July 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1677.—Whereas, I, VIJAY MATHUR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.300/-and bearing No.

Piot situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Indore on 30-11-1979

for an apparen consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conce.iment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

(1) Shri Laxminarayan Onkarlal Joshi, R/o 6-Dube Colony, Indore.

(Transferor)

(2) Dr. (Mrs.) Asharfunnisa Pamina, C/o Service Medical Stores, Maharani Road, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 2 area 5505 sq. ft. situated at Old Palasia, Indore.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Date: 14-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 14th July 1980

Rcf. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1678.—Whereas, I, VAJAY MATHUR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House situated at Indore

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 14-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in the pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Smt. Mevi Bai, Wd/o Shri Kishanchand, R/o 40-B, Prem Nagar, Indore.

(Transferor)

(2) S/Shri Jaipaldas Vishambhardayal and Manojkumar S/o Shri Bhagwandas R/o 88, Jairampur Colony, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 141 (Single storeyed), Jairampur Colony, Indore.

VIJAY MATHUR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 14-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Indore. (2) Smt. Kashibai,

Wd/o Shri Purushottam Mailikar, R/o 41, Pant Vaidya Colony,

(1) Smt. Sushilabai.

(Transferor)

W/o Shri Jagannath Gaud, R/o 41, Pant Vaidhya Colony, Indore.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 14th July 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1679.—Whereas, I, VAJAY MATHUR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 13-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 41, Pant Vaidhya Colony, Indore.

VIJAY MATHUR, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bhopal.

Date: 14-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 15th July 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1680.—Whereas, I, VIJAY MATHUR,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot situated at Khajrana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 27-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s Vaibhav Sahakari Grih Nirman Sanstha Maryadit,
 R/o 2, Udapura, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Rasiklal Maganlal Shah, B.K.S. Electricals, R/o 1/8, Maharani Road, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the servict of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot No. 4 on Khasra No. 1350/1, area 5752 sq. ft. situated at Gulmohar Colony, Khajrana, Indore.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Runge, Bhopal.

Date: 15-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 15th July 1980

Ref. No. JAC/ACQ/BPL/80-81/1681.—Whereas, I, VAJAY MATHUR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot situated at Khajrana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 27-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s Vaibhav Sahakari Grih Nirman Sanstha Maryadit,
 Udapura, Indore.

(Transferor)

Smt. Vinod
 W/o Ashok Ahluwalia,
 R/o 37, Prince Yeshwant Road,
 Indorc.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open Plot No. 27 on Khasra No. 1309/2, area 5400 sq. ft-situated at Gulmohar Colony, Khajrana, Indore.

VIJAY KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Shopal.

Date: 15-7-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhonal, the 15th July 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1682,—Whereas, I, VIJAY MATHUR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House situated at Indore,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Indore on 22-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 296-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following person, namely:—

21-186GT/80

 Shri Jethanand Jagatrui, Prop. of Jethanand & Co., R/o M.T. Cloth Market, Indore.

(Transferor)

(2) Shri PahilajraiS/o Shri Bhagtomal,R/o 103-Jairampur Colony, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single storeyed house No. 88, Plot 165, area 1350 sq. ft. Jairampur Colony, Indore.

VIJAY MATHUR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 15-7-1980

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 16th July 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1683.—Whereas, I, VIJAY MATHUR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot situated at Lashker

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lashkar, Gwalior on 19-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Shri Babu Ram Singh Kushwaha
 S/o Shri Bachansingh Kushwaha,
 Officer-in-Charge,
 Basant Vihar Grih Nirman Sahakari Sanstha,
 Maryadit, Gwalior.

(Transferor)

(2) Smt. Saroj KumariW/o Shri Beharilal Gupta,R/o Village Lahar, Distt. Bhind.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 5-A, area 3998 Sq. ft. at Scindia Kanya Vidyalaya, Lashkar.

VIJAY MATHUR.
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 16-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 16th July 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1684.—Whereas, I, VAJAY MATHUR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot situated at Lashkar

transfer with the object of-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Gwalior op 14-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Babu Ramsingh Kushwaha, S/o Shri Bachansingh Kushwaha, Office-in-Charge, Vasant Vihar Grih Nirman Sahakari Sanstha Maryadit, Gwalior.

(Transferor)

(2) Shri Abnash Singh Bedi, S/o H. S. Bedi, C/o Bina Tyrc Traders, Jayendraganj, Lashkar.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 11-C, area 3998 ft. at Scindia Kanya Vaidyalaya Lashkar.

VIIAY MATHUR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 16-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 16th July 1980

Rcf. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1685.—Whereas, 1, VIJAY MATHUR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot situated at Lashkar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 30-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Babu Ramsingh Kushwaha, S/o Shri Bachansingh Kushwaha, Officer-in-Charge, Basant Vihar Grih Nirman Sahakari Sanstha, Maryadit, Gwalior.

(Transferor)

(2) Shri Krishnagopal Asthana, S/o Shri J. P. Asthana, 4/8, Shekh Ki Bagia, Nai Sarak, Lashkar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, Act shell have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 10-C, area 3998 sq. ft. at Scindia Kanya Vaidyalaya Lashkar.

VIJAY MATHUR, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bhopal.

Date: 16-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 16th July 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1686.—Whereas, I, VIJAY MATHUR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House situated at Ibrahimpura

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 7-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following perons, namely:—

 S/Shri Vijaykumar & Girishkumar, S/o Shri Satyaprakash Gupta, R/o Lakherapura, Bhopal.

(Transferor)

(2) Shri Abdul Rehman, S/o Haji Abdul Samad, R/o Ibrahimpura, Bhopal.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double Storeyed House on Rakba 1203 sq. ft. at Ward No. 4, Ibrahimpura, Bhopal.

VIJAY MATHUR, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bhopal.

Date: 16-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 16th July 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1687.—Whereas, I VIJAY MATHUR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961 (hereinalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 3-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Mohini Bai, W/o Shri Govindram, through Shri Hotchand, S/o Shri Tek Chand Bhatia, R/o 158, Jaora Compound, Indore.

(Transferor)

(2) Smt. IshwaribaiW/o Khanchand,R/o 47, Palshikar Colony, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single storeyed house on Rakba 2000 sq. ft. at 47 Palsikar Colony, Indore.

VIIAY MATHUR,
Competent Authority,
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 16-7-1980

(1) Chaturaben Vallabhdas Jaradi; Wadi, Baroda.

(2) 1. Ratilal Fakirbhai Patni:

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380009, the 1st July 1980

Ref., No. P. R. No. 940 Acq. 23/6-1/80-81.--Whereas, I S. N. MANDAL;

being the Competent Authority under Section 26°B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. R. S. No. 268 City Sur. No. 82 situated at Plot No. 8 of Ashok

Colony, Wadi area of Baroda City

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Baroda in November, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, If any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

 Elaben Ratilal Potni;
 Both residing at 7, Vijay Society No. 1, New Khanderao Road, Baroda.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property bearing R.S. No. 268 (Pniki) City Survey No. 82, situated in Plot No. 8 of Ashok Colony, Wadi area of Baroda City and fully described as per sale deed No. 5333 registered in the office of Sub-Registrar, Baroda in November, 1979.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, Ahmedabad

Date: 1-7-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380009, the 1st July 1980

Ref. No. P. R. No. 941 Acq. 23/6-1/80-81.—Whereas, I S. N. MANDAL;

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 16 A of R. S. No. 558-560 situated at Baroda Kasba (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Difficer at Baroda on 23-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the 'said Act' in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Jayaben Narsibhai Patel; 6th Floor, Alka, Baroda.

(Transferor)

(2) Shri Indravadan Prabhudas, Nandanyan, Baroda-5.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property bearing Plot No. 16A of R.S. No. 558-560 of Baroda Kasba and fully described as per sale deed No. 5498 registered in the office of Sub-Registrar, Baroda on 23-11-1979.

S. N. MANDAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II, Ahmedabad

Date: 1-7-1980.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMFDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 1st July 1980

Ref. No. P.R. No. 942(a) Acq. 23/6-1/80-81.--Whereas, I S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sur. No. 505, Plot No. 8 situated at Sreeniketan Society, Sayaji Ganj, Baroda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Baroda on 2-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

22-- 186GI/80

 Jayashriben Narendrabhai Patel; Infront of Maganwadi, Sayajiganî, Baroda.

(Transferor)

 Smt. Prabhavati Navalchand Sanghavi;
 Geetanager Colony, Pratapnagar Road, Baroda,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days, from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Northern portion of the immovable property being land and building bearing Plot No. 8, of Sreeniketan Co-op. Society at S. No. 505, Baroda Kasba and fully described as per sale deed No. 5246 registered in the office of Sub-Registrar, Baroda on 2-11-1979.

S. N. MANDAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range II, Ahmedabad

Date: 1-7-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,

2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE;

ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 1st July 1980

Ref. No. P.R. No. 942(b) Acq. 23/6-1/80-81,---Whereas, I, S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000% and bearing

Sur. No. 505, Plot No. 8, situated at Sreeniketan Society, Sayaji Gani, Baroda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Baroda on 2-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Hitesh Narendrabhai Patel; In front of Maganwadi; Sayaji Ganj, Baroda,

(Transferor)

Smt. Prabhavati Navalchand Sanghavi;
 9-Gectanagar Society;
 Pratapnagar Road, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Southern portion of the immovable property being land and building bearing Plot No. 8, of Sreeniketan Society at S. No. 505. Baroda Kasba and fully described as per sale deed No. 5247 registered in the office of Sub-Registrar, Baroda on 2-11-1979.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, Ahmedabad

Date: 10-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR HANDI OOM HOUSE;
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.
Ahmedabad, the 2nd July 1980

Ref. No. P. R. No. 943 Acq. 23/6-1/80-81,—Whereas, 1 S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under section 269B

of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

R.S. No. 978 situated at Pretapnagar Dubhoi Road, Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Baroda on 28-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Kundlal M. Shrof; Bombay.

(Transferor)

(2) 1. Rasiklal Tribhovandas Patel;
 2. Chandulal Tribhovandas Patel;
 Both staying at 'Pitambar Cottage',
 Pratapnagar Dabhoi Road,
 Baroda,

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building known as 'Pitambar Cottage' situated on the southern side of Pratapnagar Dabhoi Road, bearing R.S. No. 978 and fully described as per sale deed No. 1784 registered in the office of sub-registrar, Baroda on 28-12-1979.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, Ahmedabad

Date: 2-7-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE;
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 1st July 1980

Ref. No. P. R. No. 944 A.q. 23/6-1/80-81,—Whereas, I S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Nondh No. 111 Wd. No. 3, situated at Ruvala Tekra, Surat (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 29-11-1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act.
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shardaben Champiklal Wd/of Champaklal Thakordas:
 - Janakkumar Uife Bharatkumar Champaklal Sukhadia;
 - 3rd Floor, Heaven Ice Cream, Ruvala Tekra,

(Transferor)

 1. Shri Dilipkumar Dhanraj Gandhi;
 2. Sharmista Sevantilal Gandhi—Guardian of Minor Vijaykumar Sevantilal, Judokhali, Mahidhargura, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing Nondh No. 111. Wd. No. 3, Ruveli Tekra Surat duly registered at Surat on 29-11-1979.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, Ahmedabad

Date: 1-7-1980.

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,

2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE;

ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.
Ahmedabad, the 1st July 1980

Ref. No. P. R. No. 945 Acq. 23/6-1/80-81.—Whereas, J. S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Nordh No. 889-A & 889-B situated at Athugor Mahollo, Surat

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Suret on 2-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Palanji Kharshodji Bejanwala; Athugor Mahollo, Nanpura, Surat.
 - Sachechbhai Kharshedji Bejanwala;
 Athugoi Mahollo, Nanpura Surat.

(Transferor)

(2) Shri Yusufbhai Daudkhan Begali Lokhandwala; 81, Narmadnagar Adarsh Society, Athwo Lines, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 889A & 889B, Athugor Mahollo, Nanpura, Surat duly registered at Surat on 2-11-1979.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, Ahmedabad

Date: 1-7-1980.

(1) Shri Bhagvatlal Vasudev; Nanpura, Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Dayaljibhai Pursottam; Wadi Falia, Surat.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 1st July 1980

Ref. No. P. R. No. 946 Acq. 23/80-81.—Whereas, I S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Nondh No. 2029 Wd. No. 10, situated at Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registeration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 14-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afroesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing Nondh No. 2029, Wd. No. 10, Surat duly registered at Surat on 14-11-1979.

S. N. MANDAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 1-7-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 2nd July 1980

Ref. No. P. R. No. 947 Acq. 23/19-7/80-81.—Whereas, I, S. N. MANDAI.,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Nondh No. 194, Wd. No. 3, situated at

Navapura, Ganchi Sheri, Surat,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 19-11-1979,

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the oforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 I. Ichhaben Wd/o Nagindas Motiram; Nanavat Main Road, Surat.
 Daliben Nagindas, Nanavat Main Road, Surat.
 Dhirajlal Ranchhoddas; Tartia Hanuman Sheri, Surat.
 Amratlal Ranchhoddas; Tartia Hanuman Sheri, Surat.

(Transferors)

Shri Gamanlal Ranchhoddas Gandhi;
 Shri Chimanlal Ranchhoddas Gandhi;
 Shri Natvarlal Ranchhoddas Gandhi;
 Shri Jayantilal Ranchhoddas Gandhi;
 Navapura, Ganchi Sheri, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immedable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at Navapura, Ganchi Sheri No. 2, Nondh No. 194. Wd. No. 3, Surat duly registered at Surat on 19-11-1979.

S. N. MANDAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Date: 2-7-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 2nd July 1980

Ref. No. P. R. No. 948 Acq. 23/7-4/80-81.—Whereas, I, S. N. MANDAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Survey No. 250 Paiki land situated at Vijalpor, Taluka Navsari,

(and more fully described in the sendule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Navsari on 20-11-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Smt. Sumitraben Wd. of Mangubhai urfe Nandbhai; Vijalpor, Tal. Navsari.

(Transferor

(2) President: Shri Laxman Bansilal Bhavsar; Chairman: Shri Devidas Vishnu; Vijalpor, Taluka Navsari. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Vijalpor, Taluka Navsari bearing S. No. 250 duly registered at Navsari on 20-11-1979.

S. N. MANDAI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Date: 2-7-1980.

Ranchhodji (1) Shri Devsibhai Odhavji Parmar; Mahollo, Navsari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II. AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 3rd July 1980

Ref. No. P. R. No. 949 Acq. 23/80-81.—Whereas, I, S. N. MANDAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income_tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

City No. 151 City Sur. No. 5825 Paiki R.S. No. 12, 12/1, situated at Navsari.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer Navsari on 27-11-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiffeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the persons, namely :--23-186 GI/80

aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 268D of the said Act, to the following (2) 1. Rajendrakumar Mohanlal Shah; Opp. Lal bag, Bazar Street, Billimora. 2. Rajnikant Mulchand Shah; Zaveri Sadak, Mahavirnagar, Navsari. 3. Champaklal Maganlal Shah; Souivad, Billimora.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Navsari bearing C. No. 151 City S. No. 5825 paiki old S. No. 12, 12/1, Plot No. 47, duly registered on 27-11-1979.

> S. N. MANDAL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 3-7-1980.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Shri Balubhai Mulchonddas Patel; Varachha Road, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Premjibhai Thobhabhai Patel; Charkhan Chakla, Surat.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,

2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380-009, the 4th July 1980

Rcf. No. P. R. No. 950 Acq. 23/80-81 —Whereas, I, S. N. MANDAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Nondh No. 2083, Wd. No. 6,

situated at Charkhan Chakla, Surat,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Surat on 29-11-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/3r
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 2083, Wd. No. 6, Charkhan Chakla, Surat duly registered on 29-11-1979.

S. N. MANDAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad,

Date: 4-7-1980.

Seat:

NOTIEC UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 2nd July 1980

Ref. No. P. R. No. 1075 Acq. 23/16-3/80-81.—Whereas, I S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have
reason to believe that the immovable property, having a fair
market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
CS, No. 2580 Sheet No. 36, situated at
Jamatkhanawala Sheri, Jetpur Dist. Rajkot.
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less the fair market value of the aforesaid property, and reason to believe that the fair market 1 have value property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per of such apparent consideration and that the sideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Jetpur on 22-11-1979,

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/w
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Patel Devji Ambabhai Lakkad, Near Ramawadi, Khodpara, Jetpur. (Transferor)
- (2) Emco Dyeing & Printing Works; Jamatkhanawali Sheri, Jetpur, Dist. Rajkot.

 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 43 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building standing on land adm. 632 sq. yds. bearing C.S. No. 2580 Sheet No. 36, situated at Jamatkhanawali Sheri, Jetpur duly registered by Registering Officer, Jetpur vide sale deed No. 263/79/22-11-79 i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad,

Date: 4-7-1980.

NOTICE U/S 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,

AHMEDABAD-380-009

Ahmedabad-380-009, the 8th July 1980

Ref. No. P. R. No. 1076 Acq. 23/80-81.—Whereas, I, S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

C.S. No. Ward No. 3—1723 Paiki, situated at Wadia Road, Porbander,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Porander on 22-11-1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Pravinkumar Vallabhdas Pau, Sutarwada, Porbander.

 (Transferor)
- (2) Shri Babulal Govind Panjri; Near Fish Market, Porbunder.

 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Open land bearing C.S. Wd. No. 3, S. Nd. 1723 palki admeasuring 220.90 sq. yds. at Wadia Plot, Porbander duly registered by Registering Officer, Porbander, vide sale-deed No. 2425|22-22-11 79 i.e. property is fully described the rein.

S. N. MANDAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Date: 8-7-1980,

(1) Shri Prabhudas Devchand Chotai; Sutarwada, Porbander.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Babulal Govind Panjri; Near Fish Market, Porbander.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,

AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 8th July 1980

Ref. No. P. R. No. 1077 Acq. 23/I/80-81.—Whereas I. S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

and bearing
C. S. No. 3—S. No. 1723 paiki situated at Wadia Road,
Porbander

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Porbander on 22-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land bearing C. S. Ward No. 3, S. No. 1723 paiki admeasuring 220.90 sq. yds. situated at Wadia Plot, Porbander, duly registered by Registering Officer, Porbander vide sale-deed No. 3436/22-11-79 i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Date: 8-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I.

AND FLOOR HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 8th July 1980

Ref. No. P.R. No. 1078 Acq. 23/I/80-81.—Whereas I, S. N. MANDAL. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Old Cotton Oil Mill, situated at Village Samkhiali (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) office in the of the Registering Officer at Bhachav on -11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the suid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) National Cotton and Oil Mill through Partners: 1. Bhimji Laxman Lakadia; 2. G. H. Lakhadia;

3. Bhimji Dhanji and others; Bhachay Kutch.

(Transferor)

(2) Shri Khimji Punshi Shah; Bhachav Kutch.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;-

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said 'Act shall have the same meaning as given . in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property consists of main factory shed and one CGI. Sheet, roofed godown and two mangalore tiled roofed buildings standing on land admeasuring 20630-50 sq. agricultural land admeasuring 5 Acres, situated at village Samkhiali Taluka Bhavhav and as fully described in the sale deed registered vide Regn. No. 939 dated Nov. 1979.

> S. N. MANDAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated: 8-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 8th July 1980

Ref. No. P. R. No. 1079 Acq. 23/1/80-81.—Whereas I, S. N. Mandal,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. R. S. No. 108/1, Sub-plot No. 3, situated at Near Aero-drome Road, Jamnagar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Januagar on 27-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Natwarlal Kheraj Popat; Jamkhambhaliya.

(Transferor)

(2) 1. Shri Liladhar Narsibhai Haria;

Aram Colony, Jamnagar.
2. Gangaben Liladhar;
Rasangpar, Taluk Lalpar, Dist. Jamnagar.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that.

Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 3993.09 sq. ft. bearing R. S. No. 108/1, Plot No. 3, situated near aerodrome Road, Jamnagar and as fully described in the sale deed registered vide Regn. No. 2638 dated 27-11-1979.

S. N. MANDAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad,

Date: 8-7-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 8th July 1980

Ref. No. P. R. No. 1980 Acq. 23/I/80-81,—Whereas, 1, S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

R.S. No. 108/1, Plot No. 3, situated at

Near Aerodrome Road, Jamnagar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jamnagar on 27-11-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Natwarlal Kheraj Popat; Jamkhambhalia.
 (Transferor)
- (2) Shri Keshavlal Parbatbhai Shah; Shri Virchand Parbatbhai Shah; Dabasang, Taluka Lalpar, Distt. Jampagar

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 3881.3 sq. ft. bearing Plot No. R.S. No. 108/1, Plot No. 3, situated near aerodrome Road, Jamnagar and as fully described in sale-deed registered vide Regn. No. 2637 dated 27-11-1979.

S. N. MANDAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad,

Date: 8-7-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, A\$HRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 7th July 1980

Ref. No. P. R. No. 1081, Acq. 23/I/80-81.—Whereas I, S. N. MANDAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

Shed No. 21 to 24, S.P. No. 130/1/2, F. P. 130 of TPS. 10, situated at Rakhial, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 28-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property us aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

24-186GI/80

 Mona Land Development Corporation; through:
 Smt. Madhurika Pravinchandra Shab; Kalpana, 13, Near Saurashtra Society Paladi, Ahmedabad.

(Transferors)

(2) Shri Navnitlal M. Shah; 27, Bhavani Bhavan, Bhavani Shankar Road, Dadar Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Offifficial Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shed No. 21 to 24, standing on land admeasuring 741.50 sq. yds, bearing F.P. No. 130, S.P. No. 130/1/2, of TPS LO, Rakhial, Ahmedabad and as fully described in the sale deed registered vide Regn. No. 12604 dated 28-11-1979.

S. N. MANDAL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 7-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-L

2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE. ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 7th July 1980

Ref. No. P.R. No. 1082, Acq. 23/1/80-81,---Whereas I, S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot No. 48,

cituated at Okha Port Line, New Bazar Line, Okha Port tand more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kalyanpur on 2-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Diwalibal Khimdaa; Behind Bazar Line Okha Port.

(Tiansferor)

(2) Shii Jeram Jiwabhai Zala; Behind Bazar Line, Okha Port,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property in four blocks standing on land admeasuring 400 sq. yds, bearing Plot No. 48, situated at New Bazar Line, Okha Port; and as fully described in the sale-deed registered vide Regn. No. dated 2-11-1979.

S. N. MANDAL, Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 7-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD 380 009

Ahmedabad-380 009, the 10th July 1980

Ref. No. P. R. No. 951 Acq. 23/H/80-81, -Whereas, I, S. N. MANDAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C.S. No. 1058.

situated at Jetalpur, Baroda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 26-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than litteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) o rthe said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedigns for the acquisition of the aforesaid property by the inne of this notice under subsection (1) of Smiton 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Rauchhodbhai Naranbhai; Manjalpur, Baroda.

(Transferor)

(2) 1. Shri Dhanjibhai Shamjibhai Patel; 2. Shri Chhaganbhai Jeevabhai Patel; 10, Kasturbanagar, Baroda. (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said rect, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land bearing C.S. No. 1058, situated at Baroda and fully described as per sale deed No. 5506 and 5507 registered in the office of Sub-Registrar, Baroda on 26-11-1979.

S. N. MANDAL.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabac

Date: 10-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 8th July 1980

Ref. No. P.R. No. 1083 Acq. 23/I/80-81,—Whereas I, S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Paladi, TPS. 6. F.P. No. 189 paiki Sub-plot A,

situated at Paldi, Nr. Jain Merchant Bus-stand, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 14-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 ot 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons:—

 Bhacheshbhai Rajendrakumar Vakil; Rajendra Bhuvan, Opp. Fatehpura, Sarkhej Road, Ahmedabad.

(Transferor)

[PART III—SEC. I

(2) Paladi Shopping Centre and Flat Owners Assn. Through: Chairman: Kishor Hukmichand, 3-B, High Land Park Society, Gulabai Tekra, Opp. Poly Technic, Ahmedabad. Secretary: Jayprakash Hirachand, Bhulabhai Park Tekra, Gitamandir.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A single storeyed structure standing on lad admeasuring 703 sq. yds. bearing Final Plot No. 189, Sub-plot A of TPS. 6, situated on Sarkhej Road, Paladi, Ahmedabad and as fully described in the sale deed registered vide Regn. No. 12427 dated 14-11-1979.

S. N. MANDAL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 8-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Abmedabad-380 009, 8th July 1980

Ref. No. P.R. No. 1084 Acq. 23/I/80-81.—Whereas I, S. N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269B of

the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

TPS. 6, F.P. No. 189, Sub-plot No. B, situated at Sarkhej Road, Paladi, Ahmedabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ahmedabad on 27-11-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shei Dineshbhai Rajendrakumar Vakil self and also as guardian of Minor Kunil Dineshbhai; Opp. Fatehpura, Rajendra Bhuvan, Sarkhej Road, Ahmedabad.

(Transferor)

- (2) Paldi Shopping Centre and Flat Owners Assn. through:
 - Chairman, Kishore Hukmichand;
 3-B, High Land Park, Gulabai Tekra, Ahmedabad.
 - Secretary:

 Jayprakash Kishanchand,
 Tulsiyani Bhuvan,
 Near Bhalabhai Park,
 Gitamandir Road,
 Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used betein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 293 sq. mirs. bearing Final Plot No. 189, Sub-plot No. B of TPS. 4, situated at Sarkhej Road, Ahmedabad and so fully described in the sale-deed registered vide Regn. No. 12872 dated 27-11-1979.

S. N. MANDAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 8-7-1980

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONLR OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, 8th July 1980

Ref. No. P.R. No. 1085 Acq. 23:1/80-81. -Whereas 1, S. N. MANDAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

F. P. No. 189, Sub-plot No. D of TPS, 6, situated at Sarkhej Road, Ahmedabad and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at Ahmedabad on 27-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weulth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shii Rageshbhai Rajendrakumar Vakil, Rajendrabhavan, Opp. Fatchpura, Sarkhej Road, Ahmedabad.

(Transferors)

(2) Udaybhann Coop. Housing Society, through:

1. Arvind Jayram Gauswami,

Sharada Flats, Bhadarpura, Ambawadi, and 2. Daulatray Reluman.

Tulsiyani Bhavan, Near Bhulabhai Park, Gitamandir Road, Ahmedabad.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Expranation: The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 268.45½ sq. mts. bearing final plot No. 189. Sub-plot No. D of TPS. 6, situated at Sarkhej Road, Alimedabad and as fully described in the sale-deed registered vide Regn. No. 12873 dated 27-11-1979.

S. N. MANDAL.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-L Ahmedabad

Date: 8-7-1980

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMFDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 11th July 1980

Ref. No. P.R. No. 952 Acq. 23 '19 8/80-81.—Whereas I. S. N. MANDAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Nondh No. 890 Wd. No. 1, Adagor Mobollo,

situated at Nanpura, Surat-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Surat on 2-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

1. Shri Palanji Kharshedji Mewayala,
 2. Shri Sarosh Kharshedji Mewayala,
 Athuror Mohollo, Nanpura,
 Surat.

(Transferor)

(2) Salmabai Yusufbhai Bengali, 81. Narmadnagar Adarsh Society, Athwa Lines, Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Nondh No. 890, Athugor Mahollo, Nanpura, Surat duly registered at Surat on 2-11-1979, 1979.

S. N. MANDAL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 11-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

7 - **- -**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMFDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 11th July 1980

Ref. No. P.R. No. 1086 Acq. 23/1/80-81,—Whereas I, S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 6, 2 Plot No. 39,

situated at Bahind Hathi Colony, Bhanaji Bhanji (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Offificer at

Jamnagar on 26-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian, Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

 Keshavji Lakhman, Maru, Power of Attorney Holder of;

Shri Khetashi Vershi Hariya,
 Shri Kanchanben Fulchand Hariya,
 Shri Niwas Colony, Sheri No. 2,
 Sumer Club Road, Jamnagar.

(Transferor)

(2) Khetashi Panja Shah, Ghatkoper (Eust), Vallabh Baug Lane, Ariheunt Bldg., Fourth Floor, Room No. 18, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 3278 sq. ft. with compound wall on two sides bearing S. No. 6/2, Plot No. 39, situated behind Hathi Colony, behind Bhanaji Bhanaji Wadi, Jamnagar, and as fully described in the sale-deed registered vide Regn. No. 2522 dated 26-11-1979.

S. N. MANDAL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 11-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mistry Karsanbhai Bilabhai,

Porbander.

(Transferor)

(2) Harjivandas Narandas Thakrar & others, Gopnath plot, Porbander.

Chhaya Plot, Opp. Swastik Oil Mill,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-I. 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 11th July 1980

Ref. No. P.R. No. 1087 Acq. 23/I/80-81.—Whereas I, S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot No. 13-A paiki,

situated at Vagheswari Plot on main Road leading to Madhavpar, Porbander

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Porbander on 6-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot bearing No. 13-A, admeasuring 328-13 sq. yds. situated in Vagheswarl Plot on Main Road, leading to Madhanpur, duly registered by Registering Officer, Porbander vide sale deed No. 3329/6-11-1979 i.e. property as fully described therein.

> S. N. MANDAL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 11-7-1980

Seal:

25-186GI/80

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 11th July 1980

Ref. No. P.R. No. 1088 Acq. 23/I/80-81,---Whereas I, S. N. MANDAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

CS No. 2, Sheet No. 121, S. No. 6132 palki, situated at Karli Bridge Western side, Javerlbaug, Porbander (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Porbander on 13-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269C of the said Act, to the following zforesaid property by the issue of this notice under subpersons, namely:—

 Shri Girdharlal Vallabhdas Kotecha, Porbander.

(Transferor)

- 1. Smt. Shardaben Rameshehandra Hinglojla; Bhojeshwar Plot, Porbander.
 - Kum. Karshaben Ramjibhai Hinglajia, Bhojeshwar Plot, "Gram Villa", Porbander.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing C.S.W. No. 2, Sheet No. 121, S. No. 6132 paiki adm. 466-66 sq. yds. situated towards Karli Bridge, Western side, Javeribaug, Porbander, duly registered by S.R. Porbander vide sale-deed No. 3379/13-11-79 i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 11-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 11th July 1980

Ref. No. P.R. No. 1089 Acq. 23/I/80-81,—Whereas I, S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 80/1, situated at Jamnagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jamnagar on 3-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Kantilal R. Sanghavi;
 Shri Amratlal R. Sanghavi, Near Girdhari Mandir Road, Sanghavi Niwas, Sheth Fali, Langhavad Dhoria, Jannagar.

(Transferor)

(2) Shri Kantilal Hirachand Karia, Sheth Fali, Langhavad Dhario, Jamnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two storeyed structure standing on land admeasuring 333.61 sq. mts. bearing S. No. 80/1, situated near Girdhariji Mandir, Jamnagar and as fully described in the sale-deed registered vide Regn. No. 2481 dated 3-11-1979.

S. N. MANDAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 11-7-1980

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 11th July 1980

Ref. No. P.R. No. 1090 Acq. 23/I/80-81.—Whereas I, S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

C.S. No. 2, Sheet No. 121, S. No. 6132 paiki, situated at Karli Bridge, Western side, Javeribaug, Porbander (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Porbander on 13-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:

(1) Girdharlal Vallabhdas Kotecha & others, Porbander.

(Transferor)

- Shri Mohanlal Kalidas Daudiya, Boiwada,
 - Porbander.

 2. Kumari Harshaben Ramjibhal Hinglajia,
 Bhogeshwar Plot,
 "Green Villa",
 Porbander.

(Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing C.S.W. No. 2, Sheet No. 121, S. No. 6132 paiki admeasuring 400 sq. yds. situated towards Karli Bridge Western side, Jhaveribag, Porbander duly registered by Sub-Registrar, Porbander, vide sale-deed No. 3371/13-11-79 i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 11-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 14th July 1980

Ref. No. P.R. No. 1091 Acq. 23/I/80-81.—Whereas I, S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 599/1-2.

situated at Gondal, Dist. Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Gondal on 3-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Najmuddin Yusufali, Mqti Bazar, Gondal;
 - 2. Shri Nurruddin Yusufali, Near Jubilee Baug, Rajkot.

(Transferors)

(2) Karimabad Coop. Hsg. Society Ltd., through: President: Shri Abdul Malek Kasam, Vegetable Market, Gondal.

(Transferees)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

I and bearing S. No. 599/1-2 adm. 24079 sq. yds. situated at Gondal Dist. Rajkot duly registered by Registering Officer, Gondal, vide sale deed No. 2321/3-11-1979 i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-1, Ahmedabad

Date: 14-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOQM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 14th July 1980

Ref. No. P.R. No. 1092 Acq. 23/I/80-81.---Whereas I, S. N. MANDAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 1 & 2,

situated at Taluka Mandarda village Manpur Sub-Dist. Keshod (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Keshod on November, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Parshottam Keshavji Chhag; Mendarda, Dist. Junagadh.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Vrajlal Ramji, Babar Tirth.
 2. Shri Naginkumar Mamaiyabhai, Mendarda.
 - Jayantilal Gokaldas, Mendarda.
 Bhimbhal Amrabhai, Devgadh.

('Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building on land 801-19-84 sq. mts. bearing Plot No. 1 & 2 of village Manpur, Taluka Mendarda Dist. Junagadh, duly registered by Sub-Registrar, Keshod vide sale deed No. 1291/November, 1979 i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 14-7-1980

(1) Shri Sureshkumar Parshottam Chhaf, Mendarda, Dist. Keshod.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACOUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 14th July 1980

November, 1979 i.e. property as fully described therein. Ref. No. P.R. No. 1093 Acq. 23/I/80-81.—Whereas I, S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 3 & 4,

situated at Village Manpur Tal. Mendarda Sub-Dist. Keshod (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Keshod on November, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) 1. Shri Vrajlal Ramji, Babar Tirth, 2. Shri Doshi Jayantilal Gokaldas, Mendarda.
3. Shri Naginkumar Mamaiyabhai, Mendarda.

4. Shri Bhimbhai Amrabhai, Devgarh.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building on land 801-19-84 sq. mts. bearing Plot No. 3 & 4 of village Manpur, Tul. Mendarda Dist. Junagadh duly registered by Sub-Registrar, Keshod vide sale deed No. 1292-Nov., 1979 i.e. property as fully described therein.

> S. N. MANDAL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 14-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 14th July 1980

Ref. No. P.R. No. 1094, Acg. 23/I/80-81.—Whereas I, S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Railwaypura, Latif Dehla, Sakarbazar, S. No. 163 M.S. No. 708, situated at Railwaypura, Ahmedabad

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Ahmedabad on November, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 M/s. Jethmal Bansilal, Through partner: Shri Damodarlal Ratanial Saboo, Latif Dehala, Sakarbazar, Ahmedabad-2.

(Transferors)

(2) Smt. Sitadevi Bashomal Daulatani, 13, Panchal Nagar, New Wada, Ahmedabad-380 013.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A shop standing on land admeasuring 48 sq. yds. bearing S. No. 1634, Muni. S. No. 708/19, situated at Raiiwaypura, Latif Dehla, Sakar Bazar, Ahmedabad and as fully described in the sale deed registered vide Regn. No. 10831 dated Nov., 1979.

S. N. MANDAL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Ahmedabad

Date: 14-7-1980

(1) Saroj Devi Sonthelia, Tilok Road, Raniganj, Burdwan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Raojubhai Shankarbhai Patel, Tilok Road, Raniganj, Burdwan.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Calcutta, the 25th April 1980

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AC-10/R-IV/Cal/80-81.—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

No. 73, situated at Tilok Road, Raniganj (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raniganj on 2-11-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 1 Kh, 2 Ch, 28 Sq. ft. with building situated at 73. Tilok Road, Raniganj, more particularly as per deed No. 4657 of 1979.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Roud, Calcutta-16

Now, therefore in pursuant of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—26—186GI/80

Date: 25-4-1980

[PART III—SEC. 1

FORM ITNS-

(1) Shri Bibhuti Bhuson Bhattacharjee.

(Transferor)

(2) Sm. Pratima Basu.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 30th May 1980

Ref. No. 702/Acq.R-III/80-81/Cal.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 1/216 situated at Gariahat Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed here to has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Alipore on 9-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen por cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the 'Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land meaguring 2 cottahs 9 chittacks 25 sq. ft. being portion of and situated at 1/216, Gariahat Road (Jodhpur Park), Calcutta.

> I. V. S. JUNEJA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-JII, Calcutta 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 30-5-1980

(1) Haroon Rashid,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Zaibunnesa Begum.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 9th June 1980

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

Ref. No. 704/Acq.R-III/80-81/Cal.—Whereas, I, I; V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

3 situated at Rajmohan Street, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 28-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that half share of premises No. 3 Rajmohan Street, Calcutta containing land of area 3 cottabs together with buildings creeted thereon.

I. V. S. JUNEJA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Calcutta 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-6-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-IV,

CALCUTIA

Calcutta, the 1st July 1980

Ref. No. Ac-20/R-IV/Cal/80-81.—Whereas, 1, K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

63/10 situated at G.T. Road Bally, Dt. Howrah (and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Howrah on 12-11-1979

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the uprposes of the Indian Lncome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Smt. Sumitra Jalal, W/o Satya Narayan Jalal, 228, G.T. Road (N), Howrah.

(Transferor)

(2) Sri Mewalal Show & Sri Biswanath Prosad Show, Both of 135/50, Girish Ghosh Road, P.S. Bally, Dt. Howrah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 2K. 10Chs. & 1 sq. ft. with building situated at 63/10, G.T. Road, P.S. Bally, Dt. Howrah, more particularly as per Deed No. 1821 of 1979.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 1-7-1980

FORM TINS-

(1) Shri Murari Mohan Nandan and Shri Ratan Chandra Das.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Lakshman Surma.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 4th July 1980

Ref. No. 711/Acq.R-III/80-81/Cal.—Whereas, I. K. SINHA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

21/1/G situated at Chakraberia Lane, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Aliporc on 13-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the nurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All the piece and parcel of land measuring two cottahs and ten chittacks of land at premises No. 21/1/G, Chakraberia Lane, Calcutta as per Deed No. 6085 of 1979 dated 13-11-1979.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016

Date: 4-7-1980

(1) Smt. Ela Sen.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Salil Kr. Gupta, Alo Gupta, Shri Mrinal Kanti Gupta and Smt. Purabi Gupta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTIN GASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 4th July 1980

Ref. No. 714/Λcq.R-III/80-81/Cal.—Whereas, I, K. SINHA.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 /- and bearing

No. 1/538 situated at Gariahat Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 5-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land admeasuring 3 cottans 15 chittacks 32 sq. ft, situated at 1/538, Gariahat Road (Jodhpur Park), Calcutta,

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition; Range-IV, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016.

Date: 4-7-1980

PORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 4th July 1980

Ref. No. 715/Acq.R-III/80-81/Cal.—Whereas, I, K. SINHA.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafte referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

2 situated at Umananda Road, Calcutta (and more fully described in the schedule annoxed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 28-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Maya Ghosh.

(Transferor)

(2) Smt. Devki Debi, Shri Shiv Kumar Sharma, and Sri Rajesh Kumar Sharma.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that one storied building containing a land area of 3.19 cottahs situated at and being portion of premises No. 2, Umananda Road, Calcutta as per Deed No. I-5273 of 1979.

K. SINHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016.

Date: 4-7-1980

(1) Sm. Nihar Bala Ghosh, Sm. Gita Mitra.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sri Paramananda Harlalka,35, Suburban School Road, Calcutta-25.(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IΠ, CALCUTTA

Calcutta, the 8th July 1980

Ref. No. 716/Acq.R-III/80-81/Cal.—Whereas, J, I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

23A, 23B, 23C & 23D situated at Lansdowne Place, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 23-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

TH ESCHEDULE

All that piece and parcel of land admeasuring 6 cottahs 10 chittacks 23 sq.ft. together with a partly two storied and partly three storied building erected thereon at premises No. 23A. 23B, 23C and 23D, Lansdowne Place, Calcutta.

I. V. S. JUNFJA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Calcutta 54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016

Date: 8-7-1980

(1) Smt. Parul Basu.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sri Parekh Nath Seal.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 8th July 1980

Ref. No. 718/Acq.R-III/80-81/Cal.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 1/55 situated at Dover Place, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Calcutta on 2-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

27-186GI/80

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided one third share in partly three and partly four storied building erected on a land admeasuring 2 cottahs 10 chittacks 26 sq. ft. situated at premises No. 1/55 Dover Place, Calcutta as per Deed No. I-5672 of 1970.

I. V. S. JUNEJA
Competent Autority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016

Date: 8-7-1980

FORM FINS

(1) Smt. Parel Basu.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sri Ramiel Scal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 8th July 1980

Ref. No. 719/Acq.R-III/80-81/Cal.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1/55 situated at Dover Place, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Calcutta on 2-11-1979

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said fastrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets, which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication o fthis notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided one third share in partly three and partly four storied building erected on a land admeasuring 2 cottahs 10 chittacks 26 sq. ft. situated at 1/55, Dover Place Calcutta as per Deed No. I-5673 of 1979.

I. V. S. JUNEJA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Calcutta

Date: 8-7-1980

PORM ITNS-

(1) Sunt. Parul Basu.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Neel Seal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 8th July 1980

Ref. No. 720/Acq,R-III/80-81/Cal.-Whereas, I, I. V. S. JUNEJA. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/55 situated at Dover Place, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 2-11-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not

been truly stated in the said instrument of transfer with the

object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesasd property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided one third share in partly two and partly four storled building exected on a land admeasuring 2 cottahs 10 chittacks 6 sq.ft. situated at 1/55, Dover Place, Calcutta as per Deed No. I-5674 of 1979.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016.

Date: 8-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTIN ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I. MADRAS.

Madras-600006, the 16th April 1980

Ref. No. 2/NOV/79.-Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Survey No. 46/3 situated at Piramanur Village, Salem. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at JSRO III Salem (Doc. No. 3781/79) on Nov. 79.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) K. Sadaya Gounder.
 - S. Jayaraman.
 - Minor S. Gopalakrishnan.
 Minor S. Murugesan.

 - K. Marimutha,
 - Minor M. Dharmaraj. No. 39, Peramanur Main Road, Salem-7.

(Transferor)

(2) Shri S. Shanmugham, S/o Shri Subramania Gounder, Chamundi Traders, Omalur Road, Salem.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 3781/79 J.S.R. III, Salem. Wet lands in Survey Nos. 46/3- Piramnur Village, Salem. (21388 Sq. Ft.)

> O. ANANDARAM Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-I Madras-600 006.

Date: 16-4-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I MADRAS.

Madras-600006, the 16th May 1980

Ref. No. 64/Dec./79.—Whereas I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 142 to 152, situated at Kalarampatti Main Road, Kitchipalayam, Salem-1,

(and more fully described in the Schedule annexed here to) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Salem (Doc. 5501/79) on December 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, J hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mahalakshmi W/o. S. Rajaram, Venus Colony, Alwarpet, Madras.

(Transferor)

(2) K. P. Gopalan, K. P. Dharmalingam 142 to 150, Kitchipalayam Kalarampatti Main Road, Salem-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 142 to 150, Kalarampatti Main Road, Kitchipalayam, Salem-1.

(Doc. 5501/79)

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-600 006.

Date: 16-5-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, MADRAS.

Madras-600006, the 16th April 1980

Ref. No. 12/Nov./79.—Whereas I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 36, P. V. Iyer St., situated at Madras-1. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North (Doc. 4654/79), on November 1979, for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposses of the Indian Income-tax Act, (1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- V. P. Muthukumaraswami,
 V. P. Lakshmanaswami,
 Rathinaswami,
 Kathamuthu, 44, (36) Parish Venkatachalam Iyer
 St., Peddunaickenpet, G. T. Madras.

 (Transferor)
- (2) Ranavav Medressa Charity Talinae Trust, Ranavav, Gujarat State.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 36, P. V. Iyer St., Madras. (Doc. 4654/79)

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-600 006.

Date: 16-5-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madras, the 29th May 1980

Ref. No. 22/Nov./79.—Whereas I, O. ANANDARAM. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 151/1, 2 & 3 situated at Kalainjar Karunanidhi Nagar, Tallakulam, Madurai,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at S.R.O. Madurai (Doc. No. 4970/78), on November 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

 Shri K. L. Jagadcesan, No. 4, Lakshmipurum 5th Street, Madurai.

(Transferor)

(2) Smt. Hajia S. K. Ayisha Bi,
 W/o Shri Haji S. Kamaldeen,
 1-C, Jothi Illam, South Veli Street, Maudrai.
 (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 4970-79 S. R. O. Madurai.

Land & Buildings at S. No. K1/1, 2, & 3, Kalainjar Karunanidhinagar, Tallakulam, Madurai.

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-600 006.

Date: 29-5-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600006, the 23rd June 1980

Ref. No. 49/NOV/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value 314A, situated at Melamasi Street, Pudumandapam, Madurai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Officer at SRO Pudumandapam, Madural (Doc. No. 2021/79) on November 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri N. Sivasubramaniam,
 Smt. Anandavalli,
 Shri S. Naranaswamy,
 Sundar Street, Thirunagar,
 Madurai.

(Transferors)

(2) Shri A. Kathiresan, S/o Shri C. Ayyakannu Chettiar, No. 4/58, Lajapathi Rao Street, Paramakudi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days fro mthe date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 2021/79 S.R.O. Pudumandapam, Madurai.

Land and Buildings at Door No. 314A, Melamasi Street, Pudumandapam, Madurai.

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Date: 23-6-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600006, the 23rd June 1980

Ref. No. 50/NOV/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing No.

23, situated at Sambanda Murthy Street, Pudumandapam, Madurai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.O. Pudumandapam, Madurai (Doc. No. 2020/79) on November 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
28—186GI/80

1, Shri N. Sivasubramaniam,
 2, Smt. Anandavalli,
 3, Shri S. Narayanasamy,
 B-31, Sundar Street, Thirunagar,
 Madurai.

(Transferor)

(2) Smt. K. Malliga, W/o Shri A. Kathiresan, No. 4/58, Lajpathi Rao Street, Paramakudi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 2020/79 S.R.O. Pudu:nandapam, Madurai.
Land and Buildings at Door No. 23, Sambanda Murthy Street, Pudu:nandapam, Madurai.

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Date: 23-6-1980

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600006, the 24th June 1980

Ref. No. 43/NOV/79.—Whereas, I. O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

S. No. 588/1, situated at Sivakasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

SRO Sivakasi (Doc. No. 1088/79) on November 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mrs. Guruvammal, W/o Late Seeniappa Thevar, Sundara Thevar Street, Sivakasi.
 Mrs. Muthammal, W/o Shri Gopal Thevar, Sundara Thevar Street, Sivakasi,
 Shri Palanichamy Thevar, S/o Shri Kasi Thevar, Sundara Thevar Street, Sivakasi.
 Smyt. Veerammal, W/o Mariappa Thevar.
 Smt. Pathirakali W/o Shri Vellaichamy Thevar.

(Transferors)

 1. Sri S. R. Mehta,
 2. Sri Ashok Mehta,
 3. Sri Anil Mehta,
 No. 183, Palaniandavapuram Colony, Siyakasi.

(Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 4038/79 S.R.O. Sivakast.
Lands 81 Cents in S. No. 588/1, Sivakasi.

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Date: 24-6-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600006, the 24th June 1980

Ref. No. 53/Nov/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

26-B. situated at Mahal 6th Street, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madurai (Doc. No. 4318/79) on November 1979 for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri S. Ramachandran Chettiar, 26-B, Mahal 6th Street, Madurai.

(Transferor)

(2) Shri T. R. Krishnaram, No. 5, Puliyadi Ramasamy Iyer Street, Madurni.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 4318/79 JSRO II, Madural
Land and Buildings at Door No. 26-B, Mahal 6th Street,
Madurai.

O. ANANDARAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 24-6-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTIN ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 24th June 1980

Ref. No. 19/Nov/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

11, situated at Sambandamurthy Street, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SRO Pudumandapam, Madurai (Doc. No. 2103/79) on November 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Snit. S. Nathamuni Annual, W/o Sri Sarangapani Mudaliar, No. 133/4, Vellalar Street, Purasawalkam, Madras-84.

(Transferor)

(2) M/s. Madurai Palaniappa Trading Corporation 258, Goodshed Street, Madurai.

(Transferce)

Objections, if any, to the Acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 2103/79 S.R.O. Pudumandapam, Madurai.

Land and Buildings at Door No. 11, Sambandamurthy Street, Madurai.

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Date : 24-6-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600006, the 8th July 1980

Ref. No. 20/NOV/79—Whereas, I. O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

15, situated at Lajpathi Rai Road, Sokkikulam, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at CRO Madurai (Doc. No. 5121/79) on November 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri U, Sivasubramania Mudaliar & Others, No. 15 and 16, Lajapathi Rai Road, Sokkikulam, Madurai.

(Transferor)

 Shri PL. Kannappa Chettiar, S/o Shri Palaniappa Chettiar, 34, Pl., S. Street, Devakottai, Ramnad Dt.

(Transferce)

Objections, if any, or the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 5121/79 S.R.O. Madurai

Land and Buildings at Door No. 15, Lajapathi Rai Road, Madurai,

O. ANANDARAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Date: 8-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri K. Rajagopalan, No. 14, Neelakanda Mehta Street, T. Nagar, Madras-17.

(Transferor)

 Shri A. V. M. Haji Mohamed Ibrahim, No. 5A, Gandhi Nagar, Koothanallur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600006, the 8th July 1980

Ref. No. 85/NOV/79.—Whereas, J. O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

87, situated at Garrington Road, Chetput, Madras-31 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Madras South (Doc. No. 1828/79) on November 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 1828/79 S.R.O. Madras South.

Land and Buildings at Door No. 87, Garrington Road, Chetput, Madras-31,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Date: 8-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madras, the 8th July 1980

Ref. No. 84/NOV/79.—Whereas, I O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 16, situated at Manal Street, Tuticorin (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

JSRO-II Tuticorin (Doc. No. 3026/79) on November 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

 Shri Luis Fernandes, S/o Sri M. Joseph Fernandes, Door No. 16, Manal Street, Tuticorin.

(Transferor)

(2) Shri Peter Fernandez, S/o Shri Luis Fernandez, No. 16, Manal Street, Tuticorin, now working as Manager, Canara Bank, Chandragiri, Ganjam District, Orissa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 3026/79 JSRO II, Tuticorin, Land & Buildings in T.S. No. 937, 938, 941, 942, 943 & 945 (part) Door No. 16, Manal Street, Tuticorin.

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1
Madras-600 006

Date: 8-7-1980

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IJ, MADRAS-600 006.

Madras, the 8th July 1980

Ref. No. 10514.—Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 19/44, B. B. Street, situated at Coimbatore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Coimbatore (Doc. 5517/79) on November 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) K. Shahul Hameed, Banu Rice Mill Athikode, Kerala.

(Transferor)

(2), A. C. Kunhamed Kutty, P. Abdulla and P. K. Aisha, 19/43, 44, Big Bazaar St., Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 19/44, B. B. Street Coimbatore. (Doc. 5517/79).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Date: 8-7-1980

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras, the 8th July 1980

Ref. No. 10554.—Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the said Act),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 8, Venkataraman St., situated at Mahalingpuram, Pollachi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Pollachi (Doc. 2768/79) on November 1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—
29—186GI/80

- (1) R. Jambulingam 8, Venkataraman St., Mahalingapuram Pollachi
- (2) R. Srinivasan 42, Chathiram St., Pollachi

(Transferce)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 8, Venkataraman St., Mahalingapurum, Pollachi. (Doc. 2768/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Date: 8-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 11th July 1980

Ref. No. 10493.—Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have renson to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

and bearing
No. TS 12/16C, N. S. Ramaswamy, situated at Ayyangar
Road, Coimbatore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 3535/79) on November 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforetaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 A. Rajagopal, 15/19 N. S. Ramaswamy Ayyangar Road, Colmbatore.

(Transferor)

(2) V. Kandaswamy, 30/30, Sundaram St., Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at TS 12/16C, N. S. Ramaswamy Ayyangar Road, Coimbatore.

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 11-7-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras, the 11th July 1980

Ref. No. 10493.—Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN, TS 12146C, N.S. Ramaswamy, situated at Ayyangar Road, Combatore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Coimbatore (Doc. 3536/79) on November 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 A. Rajagopal, 15/19, N. S. Ramaswamy Ayyangar Road, Combatore.

Transferor)

(2) V. Thimmayyan, 30/30, Sundaram St., Coimbatore,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at TS 12/16C, N. S. Ramaswamy Ayyangar Road, Coimbatore.
(Doc. 3535/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 11-7-80

(1) S. N. Muthu, 82, Eldams Road, Madras-18.

(2) A. S. D. Pandian,

(Transferor)

2, Model School Road, Madras-600 006.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras, the 10th July 1980

Ref. No: 7778.—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 10, Model School Road, situated at Madras-600 006 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar (Doc. 1549/79) on November 1979

for an apparent consideration which is less than the falr market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 10, Model School Road, Madrus-600 006.

(Doc. 1549/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 11-7-80

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras, the 11th July 1980

Ref. No. 8815.—Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 10B/1, Ramachandrapuram, situated at Thennur Trichirapalli-17

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Trichy (Doc. 5759/79) on November 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 R. Krishna Padayachi, 10B(1), Ramachandrapuram, Thillainagar, Trichy.

(Transferor)

D. Rajaram Naidu,
 Paruppukara St., Palakkarai,
 Trichy.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 10B/1, Ramchandrapuram Thillainagar, Trichy.
(Doc. 5759/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-If
Madras-600 006

Date: 11-7-80

9038

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras, the 11th July 1980

Ref. No. 7771.—Whereas J, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 285, Mount Road, situated at Teynampet, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at T. Nagar (Doc. 1570/79) on November 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) A. M. Nataraja Chettiar, 15, Elakandappan St., Park Town, Madras.

(Transferor)

(2) C. Manshiram, 23, Gandhi St., Cauveri Nagar, Madras-15.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 285, Mount Road, Teynampet, Madras.
(Doc. 1570/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 11-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M. Appuswamy, Mahalingam, 73, M.G.R. Nagar, Tiruppur.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006. K. P. Lakshmi, Radha Manoharan, 6B Extension 2nd St., Tiruppur.

(2) K. Palaniswamy,

(Transferees)

Madras, the 11th July 1980

Ref. No. 10550.—Whereas, 1 RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 11, Sri Rajalakshmi Rice Mill, situated at Vanjipalayam, Coimbatore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Coimbatore (Doc. 1684/79) on November 1979

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Machinery, Land and building 11, Sri Rajalakshmi Rice Mill Vanjipalayam, Colmbatore. (Doc. 1684/79)

RADHA BALAKRISHNAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 11-7-80

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTIN ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras, the 11th July 1980

Ref. No. 10550.—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 11, Sri Rajalakshmi, situated at Rice Mill, Vanjipalayam, Coimbatore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Avanashi (Doc. 1683/79) on November 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the sisue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M. Kadirvel S/o Muthusamy gounder
 M.G.R. Nagar, Thiruppur,

(Transferor)

(2) K. Palaniswamy,
K. P. Lakshmi,
P. Chandramohan, P. Radha Manohar,
6B, Extension 2nd St., Coimbatore.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building and machinery Sri Rajalakshmi Rice Mill Vanjipalayam, Coimbatore Dt. (Doc. 1683/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 11-7-80

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M. Appuswamy
Prem Kumar
73, M.G.R. Nagar, Tiruppur.

(Transferor)

(2) K. Palaniswamy K. P. Lakshmi B. Chandramohan P. Radha Manoharan 6B, Extension 2nd St., Tiruppur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 11th July 1980

Ref. No. 10550.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 11, Sri Rajalakshmi Rice Mill, situated at Vanjipalayam Coimbatore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Coimbatore (Doc. No. 1685/79) on November 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration threfor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (a) facilitating the reduction or revision of the liability any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in passuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building Machinery at Sri Rajalakshmi Rice Mill Vanjipalayam, Coimbatore. (Doc. 1685/79)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 11-7-1980

Scal:

30--186GI/80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 11th July 1980

Ref. No. 10494.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. SF 221/1A Muvuthanpatty situated at Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 3539/79) on November 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Thamilselvan, Sivasubramanian, Mahalingam, Perumal Koil St. Coimbatore.

(Transferor)

(2) P. P. Dominic 11/342, V.H. Road, Palghat,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at SF 221/1A, Mavuthenpatty, (Doc. 3539/79)

RADHA BALAKRISHNAN.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 11-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 11th July 1980

Ref. No. 10494.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

ing Rs. 25,000/- and bearing
No. SF 221/1A Muvuthanpatty situated at Coimbatore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Coimbatore (Doc. 3540/79) on November 1979
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds, the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Thamilselvan, Sivasubramanian, Mahalingam, Perumal Koil St., Coimbatore.

(Transferor)

(2) D. Kamalam 11/342, V.H. Road, Palghat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (z) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at SF 221/1A, Mayuthanpatty. (Doc. 3540/79)

RADHA BALAKRISHNAN, Comptent Authority, Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 11-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 11th July 1980

Ref. No. 10565.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 29, 29A, K.P.N. Colony, situated at First St., Union Mill Road, Tiruppur Thottipalayam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tiruppur (Doc. 3309/79) on November 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Appachi Nadar, Vellingiri, Kaliappan Valipalayam Main Road, Tiruppur.

(Transferor)

(2) MeenakshiW/o SadasivamRajarao St., Tiruppur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 29, 29A, K.P.N. Colony Union Mill Road, Tiruppur. (Doc. 3309/79)

RADHA BALAKRISHNAN, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) R. Shanthamani,

(1) T. N. Ramanathan, 94, Lalbahadur Colony,

Peelamedu, Coimbatore-4.

(Transferor)

20, Pola Naidu St., Coimbatore-4.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th July 1980

Ref. No. 10498.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a flair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 94, I al Bahadur Colony situated at Peelamedu (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 5703/79) on November 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable propery, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 94, Lalbahadur Colony, Coimbatore. (Doc. 5703/79).

> RADHA BALAKRISHNAN, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date: 8-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th July 1980

Ref. No. 10517.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 401, Dr. Subbarayan Road, situated at Coimbatore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhipuram (Doc. 3487/79) in November 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the suid. Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Alamelu Ammal Saraswathi Ammal,
 9th St., Gandhipuram, Coimbatore.

(Transferor)

Nanjammal,
 156, 1st Cross, Sathi Road,
 Gandhipuram, Colmbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 401, Dr. Subbarayan Road, Coimbatore.
(Doc. 3487/79)

RADHA BALAKRISHNAN, Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 8-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THF INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th July 1980

Ref. No. 10517.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot 401, Dr. Subbarayan Road, situated at Coimbatore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhipuram (Doc. 3488/79) in November 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Alamelu Ammal Saraswathi, 55, 9th St. Gandhipuram, Coimbatore. (Transferor)

(2) Akkammal, 27, Narayana Group Raju Naidu Layout No. 1, St., Gandhipuram, Coimbatore.

 $\Lambda.$ Palaniammal, 129, Vayal thottam Sundakamuthur Road, Kuniyamuthur (PO) Coimbatore.

S. Jayalakshmi 39, Madheswaran Koil St., Punjaipuliyampatti, Sathiyamangalam.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 401, Dr. Subbarayan Road, Coimbatore.
(Doc. 3488/79)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 8-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-JI, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th July 1980

Ref. No. 10555.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 15/8, Perumal Layout, situated at 8, Sanganur, Coimbatore-11,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 3451/79) in November 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) C. Sridharan, 15/8, Perumal Colony, Coimbatore-11.

(Transferor)

(2) Dr. V. M. Veerabahu, N. S. Ramaswamy Iyengar Road, S. B. Colony, Coimbatore-11.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 15/8, Perumal Layout 8, Sanganur, Coimbatore-11.
(Doc. 3451/79)

RADHA BALAKRISHNAN

Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 8-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 11th July 1980

Ref. No. 7749.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 41, Kasturi Ranga Iyengar Road, situated at Madras-18, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Mylapore (Doc. 1943/79) on November 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
31—186GI/80

 Mrs. S. Sakunthala
 (New No. 41) Kasturi Ranga Iyer Road, Madras-18.

(Transferor)

(2) A Nallathambi Kumarakoil Sannadi Sembanar Koil, Mayavaram.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Land and building at 41, Kasturi Ranga Iyengar Road, Madras.
(Doc. 1943/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 11-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th July 1980

Ref. No. 10560.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

and bearing
No. 6/30, Sowripalayam situated at Coimbatore
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Coimbatore (Doc. 5490/79) on November 1979
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I
have reason to belive that the fair market value of
the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with the
object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S. N. Varadarajan, 8B, Alagesan Road, Coimbatore-11.

(Transferor)

(2) R. Doraiswamy, 164, Avanashi Road. Coimbatore-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 6/30, Sowripalayam, Coimbatore. (Doc. 5490/79)

RADHA BALAKRISHNAN

Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 8-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th July 1980

Ref. No. 10506.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 35, situated at Lakshmanan Nagar, Ganapathi (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhipuram (Doc. 3326/79) on November 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) R. Lakshmanan, 73, Tatabad 11th St., Coimbatore-12.

(Transferor)

(2) S. Balakrishnan 11F, Nagai Road, Thopputhurai Tanjore Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 35, Lakshmanan Nagar, Coimbatore. (Doc. 3326/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 8-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 11th July 1980

Ref. No. 7755.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act,), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 50, Edward Elliots Road, situated at Madras-600 004, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore (Doc. 1898/79) on November 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 G. Maria Doss
 Edward Elliots Road, Madras-4.

(Transferor)

(2) A. R. Venkatesan, 28, Lawyer Chinnathambi Mudali St., Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovuble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 50, Edward Elliots Road, Madias-4. (Doc. 1898/79)

RADHA BALAKRISHNAN, Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 11-7-1980

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th July 1980

Ref. No. 7803.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 4, Dr. Radha Krishnan situated at Road, Mylapore, Madras

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore (Doc. 1964/79) on November 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the Purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforcsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Mrs. S. Lalitha
 P. Saraswathi Amma for Mrs. S. Padminl
 117, Dr. Radha Krishnan Road,
 9th St., Mylapore, Madras-4.

(Transferor)

(2) Mrs. Jyoti Jaikishin Bhagwandami, PO No. 5923 Hongkong.

(Transferce)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at No. 4, Dr. Radhakrishnan Road 9th St., Madras. (Doc. 1964/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 10-7-1980

(1) P. A. Vaidyalingam, Veerasekaran, Lagnampettai.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ekanandan S/o Vadivel Chettiar Vinobaji St., Mannargudi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 11th July 1980

Ref. No. 8830.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1A, Balakrishna Nagar, situated at Mannargudi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Mannargudi (Doc. 2814/79) on November 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 1A, Balakrishna Nagar, Mannargudi. (Doc. 8830/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 11-7-1980

(1) T. S. Ramachandran, 40, Thillainagar, Trichy.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Babwam, Accountant Canara Bank Theppakulam. Trichy.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 11th July 1980

Ref. No. 8817.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C-40, 7th Cross, situated at N.E. Extension, Thillainagar, Trichy

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Trichy (Doc. 3274/79) on Trichy November 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at C-40, 7th Cross N.E. Extension, Thillainagar, Trichy. (Doc. 3274/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 11-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th July 1980

Ref. No. 7803.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 5, Dr. Radhakrishna Road, situated at Madras-6, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mylapore (Doc. 1963/79) on November 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mrs. Lalitha
 P. Saraswathi Ammal for Mrs. S. Padmini 117, Dr. Radha Krishnan Road, Madras-4.

(Transferor)

Mrs. Kamala Bhagvandas,
 405, Estate Investment Building,
 239, Junaluna St., Binodo Manila.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 5, Dr. Radhakrishna Road, Mylapore, Madras-4. (Doc. 1963/79)

RADHA BALAKRISHNAN

Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 10-7-1980

NOTICE UNDER (ECTION ACOUNT OF THE INCOME TAX ACT, 1361-143 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 11th July 1980

Ref. No. 3312.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 29, 29A, Union Mill Road, situated at K.P.N. Colony 1st St., Tiruppur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Tiruppur (Doc. 3312/79) on November 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeshaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Appachi Nadar, Villingiri, Kaliappan Valipalayam Tiruppur.

(Transferor)

(2) C. /. Passonsther Rajarao St., Tiruppur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 29, 29A, K.P.N. Colony 1st St., Union Mill Road, Thinppur. (Doc. 3312/79)

RADHA BALAKRISHNAN, Comptent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 11-7-1980